राष्ट्रीय मुख्यधारा PRESS PRINT | WEB | VIDEO

बोकारो, शुक्रवार

20.12.2024

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 11, अंक : 314

हिन्दी दैनिक

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

संसद में हंगामा: विरोध के बीच राज्यसभा और लोकसभा दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद की कार्यवाही गुरुवार को एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और गृह मंत्री अमित शाह की आंबेडकर पर टिप्पणी से जुड़े अलग-अलग विवादों को लेकर हंगामे के बीच राज्यसभा और लोकसभा दोनों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को उच्च सदन की कार्यवाही दोबारा दोपहर दो बजे शुरू होते ही फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। इस बार हंगामे का मुद्दा बदला हुआ था। संसद में बाबा साहेब को लेकर विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और भाजपा सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की की घटना का मुद्दा राज्यसभा में उठाया गया। सभापति ने सचिव को सदन के पटल पर रखे गए उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर 10 दिसंबर को प्राप्त संचार पर राज्यसभा के उपसभापति द्वारा दिया गया विस्तृत निर्णय रखने को कहा। इसके बाद सदन में सबसे पहले सभापति ने भाजपा के राज्यसभा सांसद फंगनोन कोन्याक को बोलने का मौका दिया। कोन्याक ने सदन में बताया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उनके सम्मान और स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंचाई है। आज जो कुछ भी हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बारे में सभापति से भी लिखित शिकायत कर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का ब्यौरा दिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि राहुल गांधी ने आज भाजपा के दो सांसदों को धक्का दिया, जो अब अस्पताल में भर्ती हैं। राहुल गांधी के व्यवहार के लिए पूरी कांग्रेस को संसद और देश से माफी मांगनी चाहिए। संसद कुश्ती का अखाड़ा नहीं है। यह लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन है। राहुल गांधी और कांग्रेस को इस बारे में पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने भाजपा सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने इस पर निंदा प्रस्ताव पेश करने की बात कही। इस बीच राज्यसभा में लगातार हंगामा होता रहा। सभापति जगदीप धनखड़ ने त्रिची शिवा को प्वांइट ऑफ आर्डर रखने का आग्रह किया। सांसद त्रिची शिवा ने आरोप लगाया कि वे सत्ता पक्ष को बोलने का मौका देते हैं और सदन में विपक्ष को मौका नहीं देते। संसद में भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी को रोकने की कोशिश की। इस पक्ष को कोई नहीं सुन रहा। इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य अमित शाह से माफी की मांग कर रहे थे, तो सत्ता पक्ष के सदस्य राहुल गांधी से माफी की मांग कर रहे थे।

राहुल पर एफआईआर, धक्का-मुक्की मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने

नई दिल्ली। संसद परिसर में गुरुवार सुबह हुए धक्का-मुक्की कांड को लेकर अब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर एफआईआर कराई गई है। भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत के घायल होने को लेकर पुलिस ने राहुल पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर भाजपा पर आरोप लगाते हुए अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ हुए दुर्व्यवहार की शिकायत की है। इससे सियासत गरमा गई है। संसद परिसर में सुबह हुए धक्का-मुकक्की कांड को लेकर ओडिशा के बालासोर से भाजपा सांसद प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो उनके ऊपर गिर गया। इस घटना में सारंगी के सिर में चोट लगने की बात कही गई है और उनके साथ ही फर्रुखाबाद के सांसद मुकेश राजपूत भी चोटिल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सांसदों ने उन्हें धमकाने और संसद में प्रवेश करने से रोकने की कोशिश की और धक्का दिया। वहीं कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह घटना एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी। मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य नेताओं ने भी भाजपा पर दुर्व्यवहार और धक्का-मुक्की का आरोप लगाया।

राहुल के खिलाफ लगाई गईं धाराएं : भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने राहुल गांधी के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है। इन धाराओं में धारा 109: हत्या का प्रयास। धारा 115: चोट पहुंचाने के इरादे से काम करना। धारा 117: जान-बूझकर गंभीर चोट पहुंचाना। धारा 125: निजी सुरक्षा को खतरे में डालना।

याचिका दायर करने में देरी पर संपत्ति अधिकार से नहीं कर सकते वंचित

सुप्रीम कोर्ट ने अनियमितता से जुड़ी याचिका को 21 साल बाद स्वीकारा

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने में देरी को लेकर कहा कि यह अहम फैक्टर है, लेकिन इसके आधार पर किसी शख्स को संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली बेंच ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कथित अनियमितता से जुड़ी याचिका को 21 साल की देरी के बाद स्वीकार किया है। कोर्ट ने 13 दिसंबर को दिए फैसले में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने लगातार यह माना है कि संपत्ति का अधिकार संविधान में निहित है। निष्पक्षता और मनमानी से बचने के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए, विशेष रूप से राज्य की ओर से अधिग्रहण के मामलों में। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने में देरी को अहम माना है, लेकिन कहा कि संपत्ति के अधिकार की रक्षा के लिए इस देरी को हम माफ करते हैं। आर्टिकल 300ए में निहित संपत्ति के अधिकार की रक्षा करने की जरुरत पर देरी को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती है। कानूनी कार्यवाही में संतुलन बनाना जरूरी है। व्यक्तिगत संपत्ति की रक्षा और उसे मान्य करने का अधिकार केवल देरी और निष्क्रियता के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। शहरी सुधार ट्रस्ट की ओर से दायर चार अपीलों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इन अपीलों में राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने राजस्थान शहरी सुधार अधिनियम के तहत भूमि मालिकों की जमीन के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था। यह मामला दो अलग-अलग भूमि अधिग्रहण से संबंधित है। जमीन राजस्थान के अलवर के नांगली कोटा भूमि और मूंगस्का में स्थित हैं। इन जमीनों का अधिग्रहण किया गया था। दोनों अधिग्रहण प्रक्रियाओं को भूमि मालिकों ने 1998 में राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला आया था कि क्या भूमि अधिग्रहण के खिलाफ मालिकों की ओर से रिट याचिका दाखिल करने में देरी घातक थी? क्या आरयूआई अधिनियम के तहत जारी अधिसूचनाएं प्रक्रियागत त्रुटियों के बावजूद वैध थीं? क्या नांगली कोटा भूमि के मुआवजे का निर्धारण कानूनी रूप से किया गया था? क्या आरयूआई का पालन अधिग्रहण की वैधता के लिए अनिवार्य था?

संक्षिप्त समाचार

शाह के बयान पर बाबा साहेब के पोते प्रकाश आंबेडकर ने कहा- यह इन लोगों की पुरानी मानसिकता

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर पर दिए बयान को लेकर संसद से सड़क तक हंगामा मचा हुआ है। इस बीच भीमराव आंबेडकर के पोते और बहुजन वंचित अघाड़ी पार्टी के नेता प्रकाश आंबेडकर का भी बयान आ गया है। उन्होंने शाह के बयान को लेकर कहा कि यह इन लोगों की पुरानी मानसिकता है। उन्होंने कहा, भाजपा के अस्तित्व में आने से पहले भी जनसंघ और आरएसएस ने बाबासाहेब का विरोध किया था। ऐसा तब किया गया, जब संविधान को अपनाया जा रहा था। आंबेडकर ने कहा कि ये लोग तब भी सफल नहीं हुए थे और आज भी सफल नहीं हो सकते है। उन्होंने कहा, यह कोई नई बात नहीं है। वे अपने पुराने प्लान लागू नहीं कर सके हैं। इसकी वजह कांग्रेस नहीं बल्कि बाबासाहेब आंबेडकर हैं। बता दें कि भीमराव आंबेडकर पर शाह के बयान पर विवाद थमा नहीं है। कांग्रेस उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं राजद सुप्रीमों लालू यादव का कहना है कि शाह को राजनीति से ही इस्तीफा दे देना चाहिए। दरअसल राज्यसभा में शाह ने कहा था कि इन दिनों आंबेडकर-आंबेडकर कहना फैशन बन गया है। इतना यदि ये भगवान का नाम लेते तब 7 जन्मों तक के लिए स्वर्ग मिल जाता। इस पर प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि भगवान का नाम लेना तब फिर एक तरह से मनुवाद को ही स्वीकार करना हुआ। प्रकाश आंबेडकर ने इस बीच महाराष्ट्र के परभणी में हुई हिंसा का मुद्दा भी उठाया।

'एक्स' से ट्वीट हटाने के लिए कहने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज केंद्र की भाजपा-नीत सरकार की निंदा करते हुए कहा कि उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संसद में दिए गए उस विवादित भाषण को हटाने के लिए कहा है, जिसमें उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का "अपमान" किया था। कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने आज यहां प्रेस कांफ्रेंस में दावा किया कि पार्टी के नेताओं, कई सांसदों, पार्टी के आधिकारिक हैंडल सहित उन्हें 'एक्स' से एक ई-मेल मिला, जिसमें कहा गया था कि भारत सरकार ने शाह के भाषण को हटाने के लिए कहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 'एक्स' ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की भावना से इसे हटाने से इनकार कर दिया था। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि अगर अमित शाह को लगता है कि उनके भाषण में कुछ भी गलत नहीं है, तो उनके मंत्रालय ने 'एक्स' से इसे हटाने के लिए क्यों कहा। उन्होंने दावा किया कि यह मूल भाषण था और इसे संपादित या विकृत नहीं किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने राज्यसभा की वेबसाइट पर उपलब्ध उनके भाषण का 34-पृष्ठ का वह असंपादित पाठ भी दिखाया, जिसमें आंबेडकर पर अमित शाह की वह टिप्पणी है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह देश को संविधान देने वाले डॉ आंबेडकर के प्रति पूरी तरह से अपमानजनक और असम्मानजनक है। श्रीनेत ने भाजपा और उसके 'एक्स' हैंडलर्स की भी निंदा की, जिन्होंने शाह द्वारा डॉ. आंबेडकर के अपमान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा डॉ. आंबेडकर की तस्वीरें लेकर प्रदर्शन करने की तस्वीर को विकृत किया।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के साथ कोहरे की मार, एक्यूआई 448 पार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के साथ अब कोहरे की समस्या भी देखने को मिल रही है। गुरुवार को प्रदूषण की स्थिति और भी चिंताजनक हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 448 रिकॉर्ड किया गया, जो कि 'अति गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। विशेषकर सांस के तकलीफ वाले मरीजों और छोटे बच्चों के लिए। प्रदूषण के साथ-साथ दिल्ली में धुंध भी छाई रही। मौसम विज्ञान विभाग ने 19 और 20 दिसंबर के लिए धुंध का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न शहरों में भी प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा है। गुरुग्राम में एक्यूआई 370, गाजियाबाद में 386, ग्रेटर नोएडा में 351 और नोएडा में 366 दर्ज किया गया। दिल्ली के तकरीबन सभी सेंटर्स पर एक्यूआई 400 के पार रहा।

आईटीओ में यह 474, चांदनी चौक में 386, इंडिया गेट में 456,पटपड़गंज में 446,मंदिर मार्ग में 441, लोधी रोड में 394, आनंद विहार में 478, विवेक विहार में 476, नेहरू नगर में 485,अशोक विहार में 474, नॉर्थ कैंपस डीयू में 450, मथुरा रोड में 467, शादीपुर में 439, अलीपुर में 450 एक्यूआई दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि 0-50 के बीच एक्यूआई अच्छा माना जाता है, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बहुत खराब और 401-500 गंभीर होता है।

पिछले 7 वर्षों में भारतमाला परियोजना के तहत 18,714 किलोमीटर राजमार्गों का हुआ निर्माण : नितिन गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतमाला परियोजना के तहत 31 अक्टूबर, 2024 तक कुल 26,425 किलोमीटर लंबाई वाली राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और 18,714 किलोमीटर लंबाई वाले राजमार्गों का निर्माण किया गया है। भारतमाला परियोजना को भारत सरकार ने 2017 में मंजूरी दी थी, जिसमें देश में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए 34,800 किलोमीटर की लंबाई वाले राजमार्गों का निर्माण शामिल है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस साल 30 अक्टूबर तक भारतमाला परियोजना के तहत 4.72 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंदरगाह और तटीय संपर्क सड़क श्रेणी के तहत, 424 किलोमीटर लंबाई वाली 18 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और अब तक 189 किलोमीटर का निर्माण किया गया है। भारतमाला योजना के तहत अलग-अलग परियोजनाएं गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित अलग-अलग तटीय राज्यों में विभिन्न प्रमुख और छोटे बंदरगाहों को कनेक्टिविटी प्रदान कर रही हैं। एक दूसरे सवाल के जवाब में नितिन गडकरी ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर 81,540 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत कुल 3,856 किलोमीटर लंबाई वाली 190 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। सभी निर्माणाधीन कार्यों को सितंबर 2028 तक पूरा करने की योजना है। राज्य में सभी एनएच कार्यों के लिए राज्यवार और वर्षवार आवंटन किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में एनएच कार्यों के लिए कुल 19,338 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण को सुव्यवस्थित करना और विवाद समाधान मैकेनिज्म को नया रूप देना शामिल है। भूमि अधिग्रहण, मंजूरी के मामले में पर्याप्त तैयारी के बाद ही परियोजनाएं आवंटित की जा रही हैं, ताकि बाद में होने वाली देरी से बचा जा सके। संबंधित मंत्रालयों और राज्य सरकारों के साथ कोर्डिनेशन किया जा रहा है और काम में तेजी लाने के लिए विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा की जा रही है। कार्यक्षेत्र में बदलाव और समय विस्तार के प्रस्तावों को मंजूरी देने में भी तेजी लाई जा रही है।

बीजेपी ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया

नई दिल्ली। राज्यसभा में बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस और विपक्षी दल इसे लेकर शाह और बीजेपी पर हमलावर हैं। इस बीच दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एनडीए के साथी दलों जेडीयू और टीडीपी के मुखिया नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने पत्र में दोनों नेताओं से कहा कि लोगों को लगता है कि बाबा साहेब को चाहने वाले बीजेपी का समर्थन नहीं कर सकते। आप भी इस पर विचार करें। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लिखे पत्र में केजरीवाल ने लिखा कि मैं आपको यह पत्र एक अत्यंत अहम विषय पर लिख रहा हूं, जो न केवल हमारे संविधान बल्कि बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिष्ठा से जुड़ा है। केजरीवाल ने लिखा हाल ही में संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब के नाम पर जो टिप्पणी की उसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनका कहना है कि आंबेडकर...आंबेडकर बोलना आजकल फैशन बन गया है न केवल अपमानजनक है, बल्कि बीजेपी की बाबा साहेब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है।

काबुल-कंधार हाईवे पर दो बड़े सड़क हादसों में करीब 52 लोगों की मौत

एजेंसी। काबुल

अफगानिस्तान के काबुल-कंधार हाईवे पर दो बड़े सड़क हादसों में करीब 52 लोगों की मौत हुई है, जबकि 65 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसे गजनी प्रांत के अलग-अलग इलाकों में हुए। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। पहली दुर्घटना गजनी प्रांत के शाहबाज गांव के पास हुई। एक यात्री बस ईंधन से भरे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 20 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से झुलस गए। दूसरी घटना अंदार जिले में हुई, जहां एक बस एक बड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में भी कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हो गए। हादसों के तुरंत बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अफगानिस्तान में काबुल-कंधार हाईवे पर इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं। खराब सड़कें, ट्रैफिक नियमों का पालन न करना और ओवरलोड वाहन इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण माने जाते हैं। खासकर, ईंधन से भरे टैंकरों की मौजूदगी हादसों की गंभीरता को और बढ़ा देती है।

टैक्स भी दे, हर खरीद पर जीएसटी भी चुकाये हर तरफ से पिस रहा मिडिल क्लास

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के मिडिल क्लास का दर्द अब केंद्र सरकार के लिए भी सिर दर्द बनता जा रहा है। इस कारण अब मिडिल क्लास को राहत देने की तैयारी शुरु हो चुकी है। कयास हैं कि इस बार के बजट में मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा मिल सकता है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से उद्योगपतियों और कॉरपोरेट्स का आर्थिक विकास में बड़ा योगदान रहता है, लेकिन ताजा रिपोर्ट बताती है कि कॉरपोरेट जगत ने मिडिल क्लास को परेशानी में डालना शुरू कर दिया है। करोड़ों का मुनाफा कमाने वाले कॉरपोरेट जगत आम आदमी से कम टैक्स देता है। यहीं कारण पिछले दिनों देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी कॉरपोरेट जगत के रुख पर चिंता जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार कॉरपोरेट जगत को केंद्र सरकार ने कई तरह की छूट दी जिसका फायदा उन्होंने खूब उठाया लेकिन अब देश के विकास को 3 तरह से पलीता लगा रहे हैं। पहला कॉरपोरेट जगत बंपर मुनाफे के बावजूद अपने कर्मचारियों की सैलरी नहीं बढ़ा रहे। दूसरा, व्यक्तिगत टैक्सपेयर्स के मुकाबले वे कम टैक्स का भुगतान कर रहे हैं और तीसरा, प्रॉफिट होने के बावजूद रोजगार का सृजन नहीं कर रहे, बल्कि कर्मचारियों पर ही काम का दबाव बढ़ाते जा रहे। हाल में फिक्की ने रिपोर्ट में खुलासा किया था कि कॉरपोरेट जगत का मुनाफा 15 साल के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया है। बावजूद इसके मिडिल क्लास से कॉरपोरेट जगत से ज्यादा टैक्स वसूला जा रहा है।

मोबाइल को क्लोन कर आपके बैंक अकाउंट में सेंधमारी कर रहे साइबर अपराधी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में साइबर ठगी के मामले बढ़ गए हैं। बिहार में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़ गए हैं। पटना में साइबर क्राइम से जुड़े रोजाना करीब 20 से 25 मामले सामने आते हैं। इन मामलों में केस भी दर्ज होता है। अब मोबाइल चोरी को एक सामान्य चोरी समझना आपकों नुकसान पहुंच सकती है। पिछले तीन महीने में पटना में 40 इसतरह के सामने आए हैं। जिसमें मोबाइल चोरी के बाद पीड़ित के बैंक अकाउंट में सेंधमारी की गई है। पटना साइबर थाना के थानाध्यक्ष राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि इन दिनों मोबाइल चोरी को सिर्फ चोरी समझना भारी पड़ सकता है। मोबाइल चोरी के चंद मिनटों में आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। मोबाइल हाथ लगते ही शातिर सबसे पहले पासवर्ड बदलाता है। पेटीएम या फोन पे को क्लोन कर आपके मोबाइल का एप अपने फोन पर ट्रांसफर कर देता है। आपके मोबाइल में आधार अनेबल पेमेंट सिस्टम डाउनलोड अकाउंट खाली कर देता है। त्रिपाठी ने बताया कि अनावश्यक और संदिग्ध एप अपने मोबाइल में न रखें। कोई भी एप प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें। पासवर्ड बहुत ही तगड़ा रखें। डबल लॉक सिस्टम रखने की आदत डालें। पैसे के लेन-देन वाले एप या बैंक एप का खास ध्यान रखें। ट्रांजेक्शन के समय अलर्ट रहें कि कोई आपके भुगतान को देख तब नहीं रहा है। आसापस लगे सीसीटीवी से भी बचें। मोबाइल से लिंक खाते में सिर्फ पॉकेट खर्च तक ही पैसा रखें। साइबर अपराधी आपको लिंक भेजकर शिकार बना सकते हैं। शातिर आपके मोबाइल में क्लोनिंग एप भेजता है, जो ऑटोमेटिक डाउनलोड हो जाता है। एप डाउनलोड होते ही शातिर शातिर आपके मोबाइल को क्लोन कर यूपीआई से आधार इनेबल कर देता है। साइबर थानाध्यक्ष ने कहा कि पहले इस तरह के मामले कम थे। धीरे-धीरे साइबर ठगी का मामला बढ़ रहा है।

राहुल गांधी और कांग्रेस ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दीः शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने संसद में घायल हुए सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत से अस्पताल में भेंट कर उनका हाल जाना। इस दौरान शिवराज चौहान ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने जो गुंडागर्दी की है, उसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। ऐसा आचरण आज तक संसदीय इतिहास में देखा नहीं गया। ये संसद के इतिहास में काला दिन है, लोकतांत्रिक मर्यादाओं की धज्जियां उड़ा दी गई। शिवराज सिंह ने कहा कि अमित शाह जी ने अपने भाषण में कांग्रेस की जो पोल खोली, उसकी खीज इतनी कि ये गुंडागर्दी पर उतर आए हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

10वें दिन भी नहीं हो सकी फटी पाइपलाइन की मरम्मत, खेतों में जमा हुई छाई

संवाददाता। बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के निशन हाट पुलिया से मुर्गी फार्म होकर नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड को जाने वाली फटी पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य गुरुवार को दसवें दिन भी जारी गतिरोध के कारण नहीं किया जा सका। गुरुवार की सुबह डीवीसी के विभागीय डीजीएम अभिजीत दुले, संवेदक, कामगारों के साथ जेनरेटर एवं वेल्डिंग मशीन आदि लेकर उक्त स्थान पर पाइपलाइन मरम्मत का कार्य करने पहुंचे। पाइपलाइन मरम्मत कार्य की सूचना पर गोविंदपुर के लगभग एक दर्जन से अधिक रैयत एवं किसान मौके पर पहुंच गए और कार्य करने से रोक दिया। रैयतों एवं धान के खेतों में छाई से प्रभावित किसानों ने कहा कि जब तक उनकी तीन मांगों पर सकारात्मक वार्ता नहीं हो जाती, तब तक किसी भी हाल में कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

रैयतों एवं किसानों की मांग है कि जिन खेतों में छाई गई है, उसका हर्जाना, खेतों में जमा छाई की निकासी तथा पाइपलाइन के एएमसी कार्य में प्रत्येक ऐसे रैयत जिनके खेतों में छाई गई है, उनके घरों से नियोजन दिया जाए।

डीजीएम अभिजीत दुले ने कहा कि उन्हें वरीय पदाधिकारियों द्वारा निर्देश दिया गया था कि वार्ता हो गई है और कार्य शुरू किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किसानों की मांगें उनके स्तर से पूरी नहीं की जा सकतीं। बाद में डीवीसी के अभियंता, संवेदक, एवं कामगार सभी उपकरण लेकर बिना कार्य किए लौट गए।

मौके पर मौजूद रैयतों एवं प्रभावित किसानों में फलेंद्र महतो, संजय महतो, जलेश्वर महतो, चंदू महतो, डॉ. दशरथ महतो, शशि महतो, जागेश्वर महतो, रंजन कुमार महतो सहित कई लोग शामिल थे। विदित हो कि दस दिनों पूर्व उक्त स्थान पर पाइपलाइन के फटने से नीचे के खेतों में बहकर बड़ी मात्रा में छाई जमा हो गई थी। इससे किसानों एवं रैयतों में आक्रोश व्याप्त है।

पूर्व में दो अभियंता किए गए थे निलंबित- 16 दिसंबर 2023 को डीवीसी पावर प्लांट के एक चोर दरवाजे से कोनार नदी में बड़ी मात्रा में छाई बह जाने के मामले में तत्कालीन जमशेदपुर पूर्वी विधायक एवं दामोदर बचाओ आंदोलन के अध्यक्ष सरयू राय ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह, केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड सहित राज्य प्रदूषण बोर्ड को शिकायत की थी। सरयू राय की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चार दिनों तक पावर प्लांट को बंद कर दिया गया था और डीवीसी के दो अभियंताओं अभिजीत दुले एवं सोमेन मंडल को निलंबित कर दिया गया था।

जीएसटी मामले की जांच करने पहुंची टीम

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 630 मेगावाट वाले स्क्रैप पावर प्लांट की कटिंग का कार्य करने वाली कंपनी राधा स्मेल्टर्स में जीएसटी मामले की जांच करने कोलकाता से टीम गुरुवार को पहुंची। टीम में जीएसटी के सहायक अपर निदेशक एस. रहमान एवं इंटेलिजेंस ऑफिसर दासगुप्ता शामिल थे। अधिकारियों ने कंपनी के पावर प्लांट स्थित कार्यालय में जाकर मामले की जांच की तथा पूछताछ भी की। बाद में सीआईएसएफ से भी मामले को लेकर जानकारी ली। टीम द्वारा जांच अभियान जारी है।

डिग्री कॉलेज के सभी स्लैब तोड़ लोहा निकालकर ले गए चोर

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित संध्याकालीन डिग्री कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के बैठने के लिए बनाए गए सभी 20 स्लैब को लोहा चोरों ने तोड़कर उसका लोहा निकालकर चोरी कर लिया। इसके अतिरिक्त वॉलीबॉल खेलने के लिए गाड़ा गया लोहे का दो पोल भी उखाड़कर ले गए। साथ ही, डीवीसी के एसटीपी निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा परिसर में बनाए गए शौचालय को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। कॉलेज के प्राचार्य जी.पी. सिंह एवं डॉ. दशरथ महतो ने चोरी की लिखित सूचना स्थानीय थाना को गुरुवार को दी।

वेतन भुगतान की मांग को ले मजदूरों ने काम रोका

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल डीवीसी पावर प्लांट स्थित सीएचपी में कार्यरत एएमसी के लगभग 90 मजदूरों ने गुरुवार को नवंबर महीने के वेतन भुगतान की मांग को लेकर सुबह 6 बजे से 10 बजे तक कार्य बंद रखा। मजदूरों का कहना था कि प्रत्येक माह की सात तारीख तक उनका वेतन कंपनी द्वारा दे दिया जाना चाहिए। परंतु 19 तारीख तक भी भुगतान नहीं हुआ है। बाद में कंपनी के साइट इंचार्ज इश्तियाक आलम ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि शुक्रवार तक उनका वेतन भुगतान कर दिया जाएगा। इसके बाद 10 बजे सभी मजदूर कार्य पर वापस लौट गए।

मिथिला मंच का पंचांग विमोचन समारोह 25 को

एजेंसी । रांची: झारखंड मिथिला मंच के तत्वावधान में मंच के स्थापना दिवस पर 25 दिसंबर को रक्तदान शिविर, चिकित्सा परामर्श और कैलेंडर सह पंचांग का विमोचन अरगोड़ा स्थित लेक गार्डेन में होगा। मंच के मीडिया प्रभारी संजीत झा ने गुरुवार को बताया कि इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही मंच के तत्वावधान में 12 और 13 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय मिथिला महोत्सव मनाया जायेगा। इस बार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, दरभंगा, मधुबनी और सहरसा के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर डॉ आनंद शेखर झा, संतोष झा, सतीश झा, सुनील झा, सर्बजीत चौधरी, संतोष मिश्रा, भवानंद झा, मनोहर झा, निशा झा, ममता झा, उषा पाठक सहित अन्य जुटे हुए है।

बाबूलाल मरांडी ने क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी । रांची: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महान क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक उल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है।

झारखंड के 1.36 लाख करोड़ मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से किये सवाल

एजेंसी । रांची: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर सवाल पूछते हुए कहा है कि झारखंड के 1.36 लाख करोड़ कोयला रॉयल्टी के दावे पर जनता को सच्चाई जानने का हक है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल पूछा कि यह बकाया किस-किस साल की है और किस-किस योजना-परियोजना कै है? 1.36 लाख करोड़ की राशि का आधार क्या है? यूपीए शासनकाल और शिबू सोरेन के कोयला मंत्री रहते हुए कितनी राशि वसूली गई थी? मरांडी ने कहा कि इस मामले में पारदर्शिता क्यों नहीं है?

उषा मार्टिन लीज घोटाला: तत्कालीन खनन निदेशक पासवान ने किया सरेंडर

एजेंसी | रांची

रांची। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में उषा मार्टिन कंपनी को अवैध तरीके से आवंटित खदान मामले में चार्जशीटेड आरोपित राज्य के तत्कालीन खनन निदेशक इंद्र देव पासवान ने गुरुवार को सरेंडर कर दिया है। आरोपित ने सरेंडर के साथ जमानत याचिका भी दाखिल की। इस पर सुनवाई के बाद अदालत ने सशर्त जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विद्युत चौरसिया ने जमानत याचिका पर बहस की। अदालत ने उन्हें 50-50 हजार रुपये के दो निजी मुचलके और पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत की सुविधा प्रदान की है। उन पर साल 2005 में उषा मार्टिन को माइंस आवंटन कराने में भ्रष्टाचार का आरोप है। भ्रष्टाचार मामले को लेकर सीबीआई ने सितंबर 2016 में मेसर्स उषा मार्टिन लिमिटेड, कंपनी के निदेशक इंद्र देव पासवान, तत्कालीन खान सचिव अरुण सिंह सहित अन्य पर जांच पूरी करते हुए जनवरी 2023 में चार्जशीट दाखिल की थी। इसी मामले में हाल में ही सीबीआई कोर्ट ने संज्ञान लिया है। उषा मार्टिन कंपनी को 2005 में पश्चिमी सिंहभूम जिले के घाटकुरी में एक लौह अयस्क खदान आवंटित की गयी थी। इसमें कथित रूप से भ्रष्टाचार हुआ था। आईएएस अरुण कुमार सिंह उस वक्त खनन विभाग के सचिव थे और इंद्रदेव पासवान खनन निदेशक थे। सीबीआई ने कथित आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सितंबर 2016 में प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी में उषा मार्टिन के प्रमोटरों और खनन विभाग के अधिकारियों को आरोपित बनाया गया था। प्राथमिकी में कहा गया था कि खदान के आवंटन के लिए केंद्र सरकार को जो सिफारिश भेजी गयी थी, उसमें राज्य सरकार की तरफ से अधिकारियों ने कथित रूप से उषा मार्टिन के पक्ष में पक्षपात किया था। कंपनी ने कथित तौर पर वादा किया था कि वह हाट गम्हरिया में स्थित अपने इस्पात संयंत्र में लौह अयस्क का उपयोग करेगी। कंपनी ने राज्य सरकार को एक अंडरटैकिंग भी दिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया कि कंपनी बाद में यह कहते हुए इस बात से मुकर गयी कि कैबिनेट नोट में इसका कोई विशेष जिक्र नहीं था।

एबीवीपी ने छेड़खानी मामले को लेकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

एजेंसी | रांची

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ छेड़खानी का मामला गुरुवार को सामने आया है। जूलॉजी विभाग की छात्रा ने पीएचडी स्कॉलर के ऊपर यह आरोप लगाया है कि विभाग की कई छात्राओं के साथ वह छेड़छाड़ करता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस मामले को विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने रखा और यह मांग की कि जांच कमेटी बनाकर तीन दिन के भीतर सच्चाई को सामने लाया जाए और निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करते हुए दोषी को कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा ना हो। एबीवीपी ने यह भी कहा कि अगर आरोपित पर लगाया गया आरोप सही पाया जाता है तो पुलिस प्रशासन को सूचित किया जाए।

झारखंड में दस बीज ग्राम की होगी स्थापना : मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

एजेंसी | रांची

झारखंड में कृषि विभाग दस बीज ग्राम की स्थापना करेगा। इसका उद्देश्य उन्नत बीज के साथ-साथ राज्य में बीज की कमी को पाटना है। इसके लिए पश्चिम सिंहभूम, चतरा और लातेहार के दस गांव के साथ गुरुवार को एमओयू किया गया। रांची के हेसाग स्थित पशुपालन भवन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभागीय समीक्षा के बाद ये जानकारी दी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में अच्छे बीज की हमेशा से कमी रही है। इसके साथ ही डिमांड के अनुरूप राज्य में बीज उपलब्ध नहीं हो पाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग ने 10 अलग -अलग गांव को बीज ग्राम के तौर पर विकसित करने का निर्णय लिया है। किसानों के जरिये तैयार बीज को खुद सरकार खरीदने का काम करेगी। फिर उस बीज को राज्य के किसानों के बीच तय सब्सिडी दर पर वितरित किया जाएगा। पशुपालन भवन में समीक्षा के दौरान मडुवा का उत्पादन करने वाले राज्य के 1400 किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की गई। राज्य सरकार मडुवा की खेती करने वाले किसानों को तीन हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से राशि का भुगतान करती है। विभाग के जरिये पंचायत स्तर पर इसकी मैपिंग की जाती है। मंत्री ने कहा कि विभाग एफपीओ को मजबूत करने में जुटा है। इसी क्रम में लोहरदगा के एफपीओ को 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई। समीक्षा बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के जरिये संचालित योजनाओं पर चर्चा हुई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने योजनाओं को गति देने को लेकर अधिकारियों को कई तरह के दिशा-निर्देश भी दिए।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में भाग लेंगे केंद्रीय मंत्री, प्रशासनिक कसरत शुरू

एजेंसी | पलामू

नीति आयोग के तहत आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत हुए कार्यों का जायज़ा लेने को लेकर केंद्रीय मंत्री डॉ एल. मुरुगन का दौरा पलामू जिले में 23, 24 और 25 दिसंबर को संभावित है। केंद्रीय मंत्री के संभावित दौरे को लेकर गुरुवार को उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद और मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी पांच क्षेत्रों के विभिन्न सुचकांको की जानकरी ली। समाहरणालय के सभागार में आयोजित बैठक में आकांक्षी जिला कार्यक्रम से जुड़े पदाधिकारियों को उनके विभाग से जुड़े कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट तैयार करने की बात कही गयी। बैठक में मंत्री को कहां-कहां विज़िट करवाया जायेगा, इसपर भी चर्चा की गयी। इसके अलावे हरिहरगंज ब्लॉक का अलग से प्रतिवेदन तैयार करने पर बल दिया गया। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, कृषि और जल संसाधन, वित्तिय समावेशन और कौशल विकास व बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के सभी बिंदुओ पर पीपीटी पर चर्चा की गयी। इस अवसर पर निदेशक डीआरडीए, जिला योजना पदाधिकारी, पेयजल एवं बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जेएसएलपीएस के डीपीएम समेत अन्य मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने साहिबगंज जलापूर्ति मामले में सरकार को फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का दिया निर्देश

एजेंसी | रांची

साहिबगंज में पेयजलापूर्ति के संबंध में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फ्रेश स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर अदालत को बताया गया कि साहिबगंज पेयजलापूर्ति में जो ठेकेदार काम कर रहे थे। वह इस कार्य को गति नहीं दे पा रहे थे। इस कारण उन्हें हटा दिया गया है और काम पूरा करने के लिए फ्रेश टेंडर जारी किया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए ठेकेदार को कार्य आवंटित होने के बाद जल्द ही साहिबगंज में पेयजल जलापूर्ति योजना को पूरा किया जाएगा। हाई कोर्ट की अदालत ने राज्य सरकार के जवाब को देखते हुए मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2025 निर्धारित की है। गुरुवार को साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना के शीघ्र चालू करने को लेकर दायर सिद्धेश्वर मंडल की जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट की अदालत ने सुनवाई की। शिकायतकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव शर्मा एवं अधिवक्ता ओम प्रकाश ने पक्ष रखा। इससे पहले की सुनवाई में हाई कोर्ट की अदालत ने साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना पूरी होने में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था। अदालत ने मौखिक कहा था कि चाहे एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हो या चीफ इंजीनियर या इंजीनियर इन चीफ या फिर ठेकेदार हो जिनके कारण साहिबगंज में जलापूर्ति योजना पूरी नहीं हो पाई है उन पर कार्रवाई करें। कोर्ट ने मौखिक कहा था कि पानी लोगों की मूलभूत जरूरत होती है इसके बिना सामाजिक दायित्व पूरा होना असंभव है। गुड गवर्नेंस के तहत राज्य सरकार को प्राथमिकता के आधार पर साहिबगंज हो या पाकुड़ हो या मेदनीनगर हो, यहां के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना होगा। वहीं, महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि साहिबगंज में पेयजलापूर्ति योजना के लिए रेलवे से एनओसी मिल चुका है, तीन माह में साहिबगंज में पेयजल योजना में काफी प्रोग्रेस नजर आने लगेगा।कई जगहों पर पाइपलाइन भी बढ़ा दिया गया है, पाइपलाइन का कुछ काम बचा हुआ है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

उपायुक्त ने की अनुकम्पा समिति की बैठक

एजेंसी | रांची

रांची के उपायुक्त और जिला अनुकम्पा समिति के अध्यक्ष मंजूनाथ भजन्त्री ने गुरुवार को समाहरणालय में अनुकम्पा समिति के आधार पर नियुक्ति सम्बंधित बैठक आयोजित की। इस दौरान सामान्य और उग्रवादी हिंसा में मारे गए लोगों के आश्रित से संबंधित जिला अनुकम्पा समिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला अनुकम्पा समिति के जरिये निम्न रूपेण प्रस्तावों में नियुक्ति की अनुशंसा की गई। उग्रवादी घटना में मारे गए लोगों के आश्रितों में कुल एक नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई। जिला अनुकम्पा समिति सामान्य में कुल चार की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई। साथ ही उपायुक्त की ओर से कुछ मामलों में सम्बंधित कार्यालय प्रधानों से प्रतिवेदन की मांग गई है।

उत्पाद विभाग का छापा, भारी मात्रा में शराब बरामद

दो शराब विक्रेताओं के खिलाफ दर्ज किया गया मामला

एजेंसी | रामगढ़

रामगढ़ जिले की गोला प्रखंड में अवैध तरीके से शराब की बिक्री की जा रही थी। इसकी सूचना लगातार उत्पाद विभाग को ग्रामीणों के जरिये दिए जा रही थी। इस सूचना के आधार पर गुरुवार को उत्पाद विभाग की टीम ने सहायक आयुक्त उत्पाद सुनील कुमार चौधरी के निर्देश पर एक्साइज इंस्पेक्टर कौंग्रेश कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की। गोला प्रखंड के हेटगढ़ा और जोभिया गांव में छापेमारी के दौरान अरुणाचल प्रदेश में बिकने वाली ब्लैक डायमंड एंड ब्लैक टाइगर शराब की 194 बोतल, 90 लीटर स्पीरिट, 10 बोरा में विभिन्न ब्रांड एवं साइज के 1200 खाली बोतल जब्त किए गए। हेटगढ़ा गांव से शंकर साहू और जोभीया गांव से ताराचंद महतो एवं अन्य के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया है। इस छापेमारी अभियान में अवर निरीक्षक अमित मड़की, सिपाही नरेश महतो, कमलेश कुमार, विनय सिंह, प्रेम सिंह एवं अधीनस्थ सशस्त्र गृहरक्षक के जवान शामिल थे।

वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर जारी है ग्रामीणों का विरोध, सीओ ने दिया अल्टीमेटम

एजेंसी | रामगढ़

रामगढ़ जिले के गोबरदहा गांव में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। गुरुवार को पुलिस फोर्स और मशीन के साथ जब अधिकारियों के टीम वहां पहुंची तो ग्रामीणों ने एक बार फिर इस प्रोजेक्ट को शुरू करने से मना कर दिया। करोड़ों रुपए की लागत से गोबरदहा गांव में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाना है। यहां पतरातु डैम से पानी लाकर उसे फिल्टर किया जाएगा। इसके बाद रामगढ़ नगर परिषद और छावनी परिषद क्षेत्र में घर-घर सप्लाई किया जाएगा। ग्रामीणों के द्वारा लगातार इस मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है कि गंदे पानी को फिल्टर करने के दौरान उस इलाके में गंदगी का अंबार लग जाएगा। साथ ही गांव का वातावरण प्रदूषित हो जाएगा। मौके पर पहुंचे रामगढ़ अंचल अधिकारी सुदीप एक्का ने ग्रामीणों को समझने का काफी प्रयास किया। साथ ही वहां कार्य शुरू करने के लिए सहमति देने की भी बात कही। घंटों मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने उनकी बात नहीं मानी। इस दौरान अंचल अधिकारी से 48 घंटे का वक्त मांगा गया। अंचल अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण 48 घंटे के अंदर आपसी बैठक कर अपना निर्णय जिला प्रशासन के समक्ष रखेंगे। उनके निर्णय के आधार पर जिला प्रशासन आगे की कार्रवाई करेगा। गोबरदहा में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 4.9 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। इसमें 23 एमएलडी पानी को फिल्टर कर उसका सप्लाई किया जाएगा। रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र के 45000 घर और नगर परिषद क्षेत्र के 24000 घरों में पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह पूरा प्रोजेक्ट 205 करोड रुपए का है। लेकिन ग्रामीणों की सहमति नहीं होने के कारण यह कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

BSL प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन, हटिया सड़क जाम

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो। सेक्टर 12 स्थित झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों ने बिजली और पानी की आपूर्ति काटे जाने के विरोध में शुक्रवार को हटिया सड़क को जाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि वे कई पीढ़ियों से इस इलाके में रह रहे हैं, लेकिन अब बोकारो स्टील लिमिटेड (BSL) प्रबंधन ने बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी है, जिससे उनके जीवन में भारी संकट उत्पन्न हो गया है।

महिलाओं का फूटा गुस्सा- प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि पानी और बिजली के बिना उनका जीवन दूभर हो गया है। एक महिला ने आक्रोशित होकर कहा, "हम यहाँ वर्षों से रह रहे हैं। अचानक बिजली और पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई। हमारी समस्याओं की कोई सुनवाई नहीं हो रही। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती, हम सड़क से नहीं हटेंगे।"

BSL प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी- प्रदर्शनकारियों ने BSL प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग पहले से ही मुश्किल हालात में हैं, और अब बिना किसी पूर्व सूचना के पानी और बिजली काट देना प्रबंधन की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

पुलिस और अधिकारी पहुंचे मौके पर- सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस अधिकारी और कई प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को BSL प्रबंधन तक पहुंचाया जाएगा और जल्द समाधान निकाला जाएगा।

समस्या का समाधान जल्द करने की मांग- प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि तुरंत बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल की जाए। उनका कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, वे सड़क जाम जारी रखेंगे। इस बीच, जाम के कारण यातायात बाधित हो गया और राहगीरों को भी काफी परेशानी हुई।

BSL का पक्ष अभी तक स्पष्ट नहीं- हालांकि, BSL प्रबंधन की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर उनकी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

प्रशासन पर सवाल- यह घटना प्रशासन और प्रबंधन के बीच समन्वय की कमी को भी उजागर करती है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रबंधन की उदासीनता और प्रशासन की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थिति अभी तनावपूर्ण बनी हुई है, और पुलिस प्रदर्शनकारियों को शांत कराने में जुटी है।

झापीपा सचिव ने की ग्रामीण जलापूर्ति चालू कराने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : करीब 25 दिनों से बंद खुटरी ग्रामीण जलापूर्ति को यथाशीघ्र चालू कराये जाने की मांग करते हुए झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने उपायुक्त बोकारो, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो, अंचल अधिकारी जरीडीह और प्रखंड विकास पदाधिकारी जरीडीह को पत्र लिखा है। आजाद ने पत्र में लिखा कि संवेदक की अनुपस्थिति में पेटी कांट्रेक्टर काम कर रहा है तथा पेयजल आपूर्ति पदाधिकारी मौन हैं और जलापूर्ति अनियमित ढंग से हो रही है। इसके कारण सुचारू रूप से जलापूर्ति नहीं होने और खराब व्यवस्था के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सिर्फ वीटी के नाम पर 25 दिनों से खुटरी ग्रामीण जलापूर्ति, जरीडीह प्रखंड से जलापूर्ति बाधित है। झापीपा नेता ने पदाधिकारियों का ध्यानाकर्षण कराते हुए जनहित में यथाशीघ्र जलापूर्ति बहाल करवाने की मांग की है।

पशु प्रगणनकों को दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : गुरुवार को गोमिया प्रखण्ड कार्यालय के समीप पशुपालन विभाग के प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय में 21वीं पशु गणना 2024 को लेकर प्रगणनकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेश कुमार तथा टीवीओ डॉ पूनम किंडो ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण दिया। उन्हें यह बताया गया कि गोमिया प्रखण्ड में किन–किन पशुओं की गणना करनी है। प्रशिक्षण के दौरान डोर टू डोर पशुओं की गणना करनी है। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेश कुमार ने बताया कि प्रखंड में कितने पशुपालक हैं और उनके पास किन-किन पशुओं की कितनी संख्या है, कितने दुधारू हैं, कितने नर और मादा हैं, इसकी सही जानकारी पशु प्रगणनकों की सही गणना से प्राप्त होगी। यही पशुगणना का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर धर्मनाथ महतो, पुनीत महतो, गजेंद्र सिंह, वासुदेव महतो, चंदन, बाबूचंद सोरेन, जितेंद्र, कृष्णा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाल मजदूरी के खिलाफ बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया : गोमिया प्रखंड अंतर्गत सियारी पंचायत में पीरामल फाउंडेशन की ओर से अभिषेक शिवहरे द्वारा बाल श्रम मजदूरी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान उक्त पंचायत के मुखिया रामवृक्ष मुर्मू व प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में उत्क्रमित मध्य विद्यालय के बच्चों ने गांव के भीमराव अंबेडकर चौक से पंचायत सचिवालय तक जागरूकता अभियान रैली निकाली और बाल मजदूरी एक पाप है, मानवता के लिए अभिशाप है एवं बचपन बचाओ, बाल श्रम हटाओ, इस संदेश को लेकर बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया। साथ ही, बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने एक स्वर में कहा कि बाल मजदूरी जड़ से मिटायें, देश के बच्चों को शिक्षित बनाएं। इस नारे को लगाते हुए बच्चों ने लोगों से बाल श्रम न होने देने की शपथ दिलाई। साथ हीं उपस्थित लोगों से हस्ताक्षर कराया गया। इस मौके पर पंचायत के मुखिया रामवृक्ष मुर्मू, प्रधानाध्यापक नरेश कुमार, वार्ड सदस्य, शिक्षक, सहिया, सेविका के अलावा विद्यार्थी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

इंग्लिश ओलंपियाड के झारखंड टॉपर बने डीपीएस चास के रतन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : डीपीएस चास, बोकारो के चार विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंग्लिश लैंग्वेज ओलंपियाड 2024-25 में जोनल रैंक 1 से 4 तक हासिल की है।

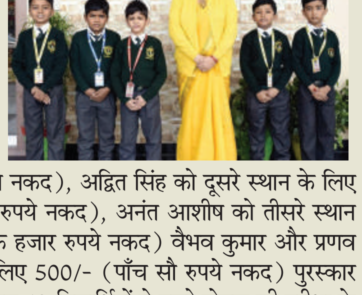

रतन, अद्वित, अनंत, वैभव तथा प्रणव ने अपनी-अपनी कक्षा श्रेणियों में जोनल रैंक क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान प्राप्त किया। पहली कक्षा के रतन सिंह ने पहला स्थान हासिल किया, जिसके लिए उसे 5000/- (पांच हजार रुपये नकद), अद्वित सिंह को दूसरे स्थान के लिए उसे 2500/- (ढाई हजार रुपये नकद), अनंत आशीष को तीसरे स्थान के लिए उसे 1000/- (एक हजार रुपये नकद) वैभव कुमार और प्रणव त्रिवेदी को चौथे स्थान के लिए 500/- (पाँच सौ रुपये नकद) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अन्य 12 विद्यार्थियों ने दूसरे लेवल की परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है।

विदित हो कि सिल्वर जोन फाउंडेशन द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलंपियाड कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा और व्याकरण प्रतियोगिता है। परीक्षाओं की सामग्री का उद्देश्य संचार और अंग्रेजी भाषा के प्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है। प्रतिभागियों को पहले स्तर में प्राप्त अंकों के आधार पर रैंक किया जाता है। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन एवं निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी सहित सभी शिक्षकों ने सफल बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पर्यावरण के सच्चे रक्षकः ग्रामीण समुदाय, संरक्षण में निभा रहे अग्रणी भूमिका

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के तहत पेटरवार में वन विभाग ने किया कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तेजी से बदलते पर्यावरण का प्रभाव सबसे अधिक ग्रामीण समुदाय और किसानों पर पड़ रहा है। इसी चुनौती से निपटने और समाधान खोजने के उद्देश्य से पेटरवार वन विश्रामागार में गुरुवार को वन विभाग, असर, एसआईडीएचए और पंच सफर के संयुक्त प्रयास से कार्यशाला "जलवायु परिवर्तन और हमः एक पहल समाधान की ओर" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वन रक्षा समिति के सदस्य और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए।

ग्रामीणों की भूमिका अहमः रवि रंजन- मुख्य अतिथि एपीपीसीएफ रवि रंजन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में ग्रामीण समुदाय की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि नेशनल मिशन ऑन स्ट्रैटेजिक नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज (NMSKCC) के तहत झारखंड में 25,000 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे अगले पांच वर्षों में पूरा किया जाएगा।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभावों का जिक्र करते हुए कहा कि सऊदी अरब में बर्फबारी और पाकिस्तान में बाढ़ इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इसरो के एक शोध के आधार पर उन्होंने बताया कि झारखंड का 69% क्षेत्र मरुस्थलीकरण के कगार पर है। "पानी की किल्लत का हल तभी निकलेगा, जब हम इसे रोकने के ठोस उपाय करेंगे। जंगलों और जल स्रोतों की रक्षा के लिए ग्रामीण समुदाय को आगे आना होगा।"

औद्योगिकीकरण और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव- रवि रंजन ने कहा कि औद्योगिकीकरण के कारण धरती का तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। इसका सीधा असर वर्षा चक्र पर पड़ा है। उन्होंने कहा, "खतरा दरवाजे पर खड़ा है। अब वर्कशॉप से परे, असली काम गांवों में, ग्रामीणों द्वारा ही किया जाना है। जंगल और प्रकृति से जुड़े लोग ही पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास कर सकते हैं।"

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना की जानकारी- बोकारो के डीएफओ रजनीश कुमार ने राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (NAPCC) के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह योजना 2008 में शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों को जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित करना और स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों को समझना है।

सहयोगी संस्थाओं का योगदान- कार्यक्रम के आयोजन में असर के मुन्ना झा, इश्तियाक अहमद, एसआईडीएचए के हेमंत कुमार, गुलाबचंद्र, मनीष कुमार सहित कई अन्य लोगों ने योगदान दिया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पर्यावरण संरक्षण में ग्रामीण समुदाय की अग्रणी भूमिका- कार्यशाला में यह स्पष्ट हुआ कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर ठोस प्रयास जरूरी हैं। ग्रामीण समुदाय, जो जंगल और प्रकृति के करीब रहते हैं, पर्यावरण संरक्षण में एक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। यह कार्यशाला इस दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुई।

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा बालीडीह मंडल की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड प्रदेश भाजपा के निर्देशानुसार संगठन महापर्व (सदस्यता अभियान-2024) के निमित्त गुरुवार को बालीडीह मंडल के सदस्यता अभियान को लेकर एक बैठक हुई, जिसमें मुख्य रूप से सदस्यता अभियान के मंडल प्रभारी महेंद्र राय, सुनील गोस्वामी, उपेंद्र पांडेय उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अविनाश सिंह ने की। सदस्यता अभियान के प्रभारी महेंद्र राय ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर सदस्यता अभियान 2024-2030 की शुरुआत 22 दिसम्बर को सभी शक्ति केन्द्रों पर होगी। एक शक्ति केन्द्र में कम से कम 250 सदस्य बनाये जायेंगे। प्राथमिक सदस्य अभियान 22 से 14 जनवरी 2025 तक पूर्ण करना है। बैठक में सदस्यता अभियान के मंडल के संयोजक जितेंद्र गोस्वामी, राम विनय ठाकुर, श्याम लोचन सिंह, जे पी सिंह, सुनील सिंह, उमेश कुमार, तरुण महतो, जयप्रकाश साव, राजेन्द्र नाथ ठाकुर, रामनरेश प्रसाद, एन के पुरी, उमेश सिंह, मनोज रजवार, अमित कुमार, जीतन रविदास, राजेश ठाकुर, किशोर ठाकुर आदि मौजूद रहे।

युवा लायंस फोर्स ने बोकारो में बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ इस्पात मंत्री का पुतला फूंका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विस्थापित युवा लायंस फोर्स के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को बीएसएल प्रबंधन द्वारा फुटपाथ दुकानों पर बुलडोजर चलाने के विरोध में केंद्रीय इस्पात मंत्री का पुतला फूंका। प्रदर्शन व पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह-युवा लायंस फ़ोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा ने कहा कि बीएसएल प्रबंधन द्वारा दोहरे चरित्र को दर्शाते हुए जिस तरह फुटपाथ दुकानदारों पर बर्बरतापूर्वक बुलडोजर चलाया गया, इसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम हैं। इसी के विरोध में हम सभी ने केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी कुमारस्वामी का पुतला दहन किया। श्री शर्मा ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा शुरू से ही पूंजीपतियों एवं अमीरों की सरकार है। जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है, निचले तबके के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बीएसएल प्रबंधन केंद्र में बैठी भाजपा सरकार के इशारे पर काम करता है। एक तरफ बीएसएल प्रबंधन बोकारो के बड़े बड़े पूंजीपतियों और नेताओं द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण बनाये गए बड़े-बड़े शो रूम आदि को मोटी रकम लेकर उन्हें अवैध रूप से दान किया जा रहा है, दूसरी और सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाकर रोजी-रोटी जुगाड़ करने वाले गरीब एवं विस्थापितों का रोजगार छीना जा रहा है। विस्थापितों को बिजली, पानी को लेकर आए दिन जद्दोजहद करनी पड़ती है। इनके हिस्से की बिजली, पानी तक को बेचा जा रहा है। सीएसआर फंड के दुरुपयोग का ही नतीजा है कि आज विस्थापित एवं गरीब शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। उन्होंने उजाड़े गए फुटपाथ दुकानदारों को बीएसएल से मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर 10 दिनों के अंदर हमारी मांगें पूरी नहीं होंगी तो हम उग्र आंदोलन भी करेंगे, जिसकी सारी जवाबदेही बोकारो प्रबंधन की होगी। आंदोलन को संगठन के उपाध्यक्ष मुर्शलिम अंसारी ने भी संबोधित किया। मौके पर सैकड़ों समर्थक मौजूद थे।

जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों को लेकर जागरूक रहने की जरूरत : रविरंजन

25 हजार लोगों को जलवायु परिवर्तन के लिए वन विभाग देगी प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वन विभाग की ओर से गुरुवार को पेटरवार स्थित वन विभाग के सभागार में जलवायु परिवर्तन विषय पर स्टेक होल्डर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यशाला का शुभारंभ अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन विभाग के रवि रंजन कुमार, बोकारो डीएफओ रजनीश कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को लेकर लगातार जागरूक रहने की अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक रवि रंजन कुमार ने कहा कि पूरे राज्य में जलवायु परिवर्तन को लेकर वन विभाग अभियान चला रही है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए बोकारो जिले के 25 हजार लोगों को प्रशिक्षित करते हुए इस अभियान को गांव-गांव में पहुंचाना है। जलवायु परिवर्तन एक ऐसी भयावह खतरा है, जिससे पूरी दुनिया भयभीत हैं। इसके लिए गांव-गांव के एक-एक व्यक्ति को जागरूक होते हुए छोटा-छोटा प्रयास करते हुए वनों की पहरेदारी करनी होगी। डीएफओ रजनीश कुमार ने बताया कि आने वाला समय काफी भयावह और खतरनाक होंगे। हम सभी को जलवायु परिवर्तन को समझना होगा। अभी स्थिति विपरित होती जा रही है। जहां वर्षा होती थी, वहां सुखाड़ हो रहा है। जहां बाढ़ से लोग सहमें रहते थे,वहां पानी नहीं है। ग्रीन हाउस प्रभाव के कारण ओजोन परत को खतरा है। कार्बन की बढ़ती मात्रा से हमारा वातावरण प्रदूषित हो रहा है। एसी, फ्रीज, गाड़ी, सुख सुविधा के बेहतर साधन तो हैं, लेकिन इसका बुरा असर हमारे वायुमंडल पर पड़ रहा है। जलवायु विशेषज्ञ असर के इस्तियाक ने बताया कि लगातार बढ़ते हुए तापमान एवं जलवायु परिवर्तन के कारण वनस्पतियों का अस्तित्व तो खतरे में है ही, जीवों के प्राकृतिक आश्रय स्थलों पर भी खतरा है। तापमान में बेतहाशा वृद्धि के कारण कई नदियां समय पूर्व सूख रहीं हैं। सामाजिक कार्यकर्ता गुलाब चंद्र ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। आधुनिकता के इस दौर में मानव ने बड़े पैमाने पर पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन किया है एवं प्रकृति को क्षति पहुंचाई है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों और कुप्रभावों से बचने के लिये हमें तैयारी करनी होगी। कार्यक्रम में हेमंत कुमार, मुखिया अमरेश कुमार महतो, हारु रजवार, सुमित्रा कुमारी, विष्णु चरण महतो सहित सभी वन समिति के अध्यक्ष व सदस्य मौजूद थे।

कसमार प्लस टू स्कूल में काव्य सभा में कहानी पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार स्थित पीएम श्री एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय गुरुवार को पोएट्री क्लब की ओर से काव्य सभा, विद्यालय स्तरीय कहानी पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दी के विद्वान शिक्षक सह काव्य सभा के नोडल शिक्षक राम बाबू शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी वर्गों के कुल 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य फारुक अंसारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य ने कहा कि इस काव्य सभा के माध्यम से विद्यार्थियों के अन्दर छिपी हुई रचनात्मक कौशल का विकास करना उद्देश्य है। कहा कि उक्त क्लब द्वारा समय- समय पर काव्य के विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिता का आयोजन होता रहेगा। इस अवसर पर विद्यालय विभिन्न विषयों के शिक्षक डॉ रंजीत कुमार झा, डॉ अवनीश कुमार झा, जितेन्द्र कुमार सिंह, खुर्शीद रजा एवं सीमा कुमारी व नितेश कुमार प्रजापति उपस्थित थे।

माहुरी वैश्य समाज ने किया विधायक श्वेता सिंह का स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास नगर निगम अंतर्गत वार्ड संख्या 17, शिवशक्ति नगर स्थित अटल क्लिनिक में माहुरी वैश्य समाज की महिला मोर्चा की एक विशेष हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह का समाज ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। बैठक में श्रीमती सिंह ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम मां मथुरासिनी को नमन किया और कहा कि यह समाज मां मथुरासिनी की कृपा से शिक्षित और सबल है। वर्तमान समय में इस समाज के लोग अच्छे स्थानों पर झारखंड प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि समाज की अगर कोई भी समस्या है तो जल्द से जल्द उन्हें अवगत कराएं, उनका निष्पादन जल्द से जल्द किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुदामा प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष अवधेश प्रसाद, सचिव शशि भूषण, महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनी सेठ, डॉ के पल्लव, रचना, अनामिका, अल्का, पुरुषोत्तम, पिंटू, प्रीति, बबिता, सरिता, नीलम, रेणु आदि उपस्थित रहे।

जैनामोड़ फुसरो मेनरोड की मरम्मत का कार्य शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गुरुवार को बीते बरसात में जर्जर हो गए जैनामोड़ फुसरो मेनरोड की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। 16 किमी लंबे इस रोड में जगह जगह पर बन गए गड्ढों और टूटी सड़क को बनाने में तीन ग्रुप बनाकर काम करवाया जा रहा है। तेनु बोकारो नहर चौक से तुपकाडीह मेन चौक तक के गड्ढों को भरकर कालीकरण किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पथ निर्माण विभाग आने वाले साल के मार्च माह में रोड का पुनः निर्माण कार्य करने का काम करेगा। इधर बेरमो विधायक के प्रतिनिधि निरंजन मिश्रा ने बताया कि मेन रोड के दोनों ओर पांच पांच फीट तक पेवर ब्लॉक ईंट लगायी जायेगी, ताकि रोड टूटे नहीं।

हिन्दी दैनिक
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

बीएसएल में विक्रेता विकास कार्यक्रम - 2024 सह औद्योगिक प्रदर्शनी का समापन

- 58 से ज्यादा उद्यमियों ने अपने उत्पादों का किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट तथा भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय के झारखंड राज्य स्थित एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के संयुक्त तत्वावधान में मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित दो दिवसीय विक्रेता विकास सह औद्योगिक प्रदर्शनी कार्यक्रम का समापन हुआ। विक्रेता विकास कार्यक्रम - 2024 सह औद्योगिक प्रदर्शनी में 10 सार्वजनिक क्षेत्र एवं सरकारी उपक्रम तथा लगभग 58 सूक्ष्म एवं लघु उद्यम इकाइयों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जिसमें इकाइयों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। लगभग 150 से ज्यादा एमएसएमई उद्यमियों ने तकनीकी सत्र में भाग लिया।

बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा की अध्यक्षता में कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रथम सत्र में सुरेंद्र शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची ने

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी पर एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात ए. भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), ओएनजीसी, बोकारो, मयंक कुमार, सीनियर ऑफिसर, गेल, बोकारो, एस.के. गुप्ता, जीएम (कॉन्ट्रैक्ट्स), मेकॉन लिमिटेड, रांची, अंकित रावल, उप प्रबंधक, सीएमपीडीआई, रांची आदि ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपने विभाग के प्रोक्योरमेंट प्रोसेस एवं वेंडर रजिस्ट्रेशन से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित क्रेता-विक्रेता मिलन सत्र एवं तकनीकी सत्र में सेल - बीएसएल, ओएनजीसी - बोकारो, गेल - रांची एवं मेकॉन लिमिटेड, रांची के अधिकारियों ने अपने विभागों द्वारा क्रय किए जाने वाले उत्पादों की पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के तहत क्रय प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में बीएसएल के सामग्री प्रबंधन विभाग के महाप्रबंधक भूपेंद्र सिंह, प्रभात कुमार, राजीव गौतम, पी.के. ठाकुर, धनंजय कुमार तथा प्रबंधक मनोज मंडल की सराहनीय भूमिका रही।

प्रेमा जूली होरो, मैनेजर, सिडबी एवं सर्वोत्तम, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया ने एमएसएमई के लिए उपलब्ध ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। जिला उद्योग केंद्र, बोकारो से आए अधिकारी ने झारखंड सरकार की ओर से एमएसएमई के विकास के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया तथा उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी विकास के बिना किसी भी उद्योग का आगे बढ़ पाना कठिन है।

इसके पश्चात एम.एस. भुये, मास्टर ऑफ क्राफ्ट्समैन, आईडीटीआर, जमशेदपुर एवं मासूम हैदर, सहायक तकनीकी अधिकारी, सीपेट, रांची ने भी अपने विभाग की ओर से एमएसएमई के लिए उपलब्ध विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया एवं सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि बीएसएल के हर्ष निगम, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) तथा प्रकाश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) उपस्थित थे। हर्ष निगम ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी अवश्य ही लाभान्वित हुए होंगे। उन्होंने सभी से पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी का पालन करने का अनुरोध किया। मुख्य अतिथि प्रकाश कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एमएसएमई-डीएफओ, रांची को बधाई दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को उनके द्वारा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची के गौरव, सहायक निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक ने सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों तथा सभी स्टॉलधारकों एवं विशेष रूप से बोकारो स्टील प्लांट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही इस कार्यक्रम को सफल बनाया जा सका। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बड़े उद्योगों एवं छोटे उद्योगों को एक-दूसरे के सामने लाना एवं उनके बीच समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम का संचालन उदय प्रताप सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) तथा तनु प्रिया, प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) द्वारा किया गया। कार्यक्रम सुरेंद्र शर्मा, सहायक निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद में एक व्यक्ति की गई जान,चार हुए बुरी तरह घायल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हाजीपुर दियारा पश्चिम टोला में गुरुवार की पहले सुबह करीब 6:00 बजे जमीन विवाद में एक 55 वर्षीय व्यक्ति की तेज धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी गई है। वहीं मृतक के पुत्र व पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। मृतक की पहचान भूपनारायण रजक के रूप में की गई है। जबकि घायल में तीन बेटे व उनकी पत्नी कविता देवी गंभीर रूप से घायल है। दो बेटे की स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया है। हत्या का आरोप सौतेले भाईयों पर लग रही है। बीते बुधवार को खेत में पटवन को लेकर विवाद हुआ था। इसे लेकर घटना को अंजाम देने की बात कही रही है। इधर, मुफस्सिल थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को खदेड़कर पकड़ा है। घटना के बाद से माहौल पूरा तनावपूर्ण बना हुआ है। आक्रोशित ग्रामीण सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मांग कर रहे हैं।

पेटखसा मैदान में संत मेरी विद्यालय के बच्चों का दो दिवसीय खेलकूद प्रारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बरहेट/ साहिबगंजः गुरुवार को पेटखसा मैदान में संत मेरी विद्यालय के छात्र-छात्राओं का दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में उम्र और कक्षा के अनुसार 100 -200 मी दूरी की दौड़ फुटबॉल क्रिकेट सहित अन्य खेल का आयोजन किया गया।विद्यालय के शिक्षक चंदन कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष विद्यालय का छात्र-छात्राओं के बीच शारीरिक और बौद्धिक क्षमता के विकास को लेकर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है और इस प्रकार वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें सभी प्रतिभागी बच्चों के बीच पुरस्कार का वितरण भी किया जाएगा।

इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक सोनू, नेल्सन, जॉन, टीपू, मिथुन, आनंद, अनिल, राहुल, प्रेमली, एभा, सुमति, भारती, नूतन सहित अन्य मौजूद थे।

सरकारी शराब दुकान का किया गया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः मंडरो/साहिबगंजः निमगाछी में उत्पाद निरीक्षक प्रवीण कुमार राणा के द्वारा सरकारी शराब दुकान का किया गया निरीक्षण। निरीक्षण करते हुए उत्पाद निरीक्षक ने दुकान के स्टॉक की जांच की। वही उत्पाद निरीक्षक प्रवीण कुमार राणा ने बताया कि सरकारी शराब दुकानों का निरीक्षण हमेशा किया जाता है ताकि दुकानदार को दिशा निर्देश दिया जा सके। निरीक्षण के दौरान दुकानों में जो भी कमी पाई गई उसे पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि ग्राहक के द्वारा जिन कंपनी का शराब मांगा जाता है उसे पूरा कराया जाएगा ताकि ग्राहक को लौटना नहीं पड़े।

राजमहल के सांसद विजय हांसदा ने रेल मंत्री से की बात

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः राजमहल लोकसभा के सांसद विजय हांसदा ने बरहरवा के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर रखी मांग। राजमहल के लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसदा ने बरहरवा के रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 19 एस पी एल/ टी क्रॉसिंग को रेलवे द्वारा बंद किए जाने से हो रहे परेशानियों को देखते हुए उन्होंने आज रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा जिसमें उन्होंने यह मांग की रेलवे फाटक को अगर रेलवे बंद कर दी है तो एक तरफ से दूसरी तरफ जाने के लिए आदमी को काफी परेशानियां उठानी पड़ती है अतः कोई वैकल्पिक व्यवस्था के साथ ही कार्य किया जाए।

जिला में चौकीदार नियुक्ति से संबंधित गठित समिति की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में जिला में चौकीदार नियुक्ति से संबंधित गठित समिति के साथ बैठक की गई।

चौकीदार नियुक्ति हेतु गठित, स्क्रीनिंग, परीक्षा नियंत्रण एवं संचालन समिति, शिकायत निवारण एवं निगरानी समिति, शारीरिक दक्षता एवं जाँच समिति के कर्तव्य एवं दायित्वों पर गहनता पूर्वक चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में परियोजना निदेशक ITDA संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी,साहेबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, उद्यान पदाधिकारी एवं सभी ऑपरेटर उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल के धक्के से चालक सहित एक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजमहलः राजमहल थाना क्षेत्र के तीनपहाड़ राजमहल मुख्य मार्ग पर बुधवार की देर रात कांजी गांव, दुर्गा मंदिर के पास मोटरसाइकिल के धक्के से मोटरसाइकिल चालक सहित एक महिला बुरी तरह घायल हो गई। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के मानसिंघा का बरकत शेख 48 वर्षीय तीनपहाड़ मोटरसाइकिल लेकर जा रहा था। इसी दौरान वासुदेव यादव की 60 वर्षीय पत्नी करुणा देवी सड़क किनारे खड़ी थी, जिसे मोटरसाइकिल चालक ने धक्का मार दिया जिससे दोनों बीच सड़क पर गिर कर बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल चलाया गया। जहां घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

प्रमंडल स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने जिला टीम दुमका रवाना

- 32 सदस्यीय टीम 10 विद्या में जिला का करेंगी प्रतिनिधित्व
- प्रमंडल से चयनित प्रतिभागी राज्य स्तर पर भाग लेंगे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, राँची के निदेश के आलोक में जिला खेल कार्यालय, साहेबगंज द्वारा 13 दिसंबर को संपन्न जिला स्तरीय युवा महोत्सव विजेता 32 सदस्यीय जिला टीम 19 दिसंबर को दुमका के इनडोर स्टेडियम में आयोजित प्रमंडल स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने जिला खेल समन्वयक ललित झा एवं साहेबगंज महाविद्यालय एन.एस एस प्रमुख प्रशांत भारती के नेतृत्व में बस द्वारा दुमका रवाना हुई।

जिसमें मुख्य रूप से धानी हेंब्रम एंड ग्रुप , सुफल सोरेन एंड ग्रुप, दीपांशु एंड ग्रुप , स्नेहा कुमारी, स्वीटी टुडू, खुशी लाल पंडित, सिम्मी कुमारी,चंद्र भानु भास्कर ,सुप्रिया कुमारी, नेहा कुमारी शामिल हैं।

जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा ने सभी को शुभ कामना दिया मौके पर प्रो रणजीत सिंह, शिक्षक मनोहर शर्मा, गौतम झा, प्रशिक्षक योगेश यादव समेत अन्य मौजूद थे।

परियोजना निदेशक ने साहिबगंज कॉलेज के हॉस्टल कैंपस में पुस्तकालय निर्माण के लिए स्थल चयन का निरीक्षण किया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त के निर्देशानुसार साहेबगंज कॉलेज स्थित कल्याण छात्रावास का निरीक्षण परियोजना निदेशक, ITDA, संजय कुमार दास एवं संजय कच्छप, पणन सचिव, कृषि उत्पादन बाजार समिति के द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान हॉस्टल कैंपस मे पुस्तकालय निर्माण हेतु स्थल चयन किया गया और उपस्थित सहायक अभियंता और कनीय अभियंता को जल्द से जल्द प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया गया ताकि यथा शीघ्र उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जा सके।

पुस्तकालय बनने से कॉलेज मे पढ़ने वाले और कल्याण छात्रावास मे रहने वाले जरूरतमंद विधार्थियों को पुस्तकालय का लाभ मिलेगी। छात्र अपने कोर्स की पढ़ाई के साथ प्रतियोगिता परीक्षाओं की भी तैयारी कर सकेंगे। जहाँ जिला प्रशासन द्वारा समय- समय पर मार्गदर्शन और कैरियर सम्बन्धी कार्यशाला भी आयोजित की जा सकेगी।

मौके पर सहायक अभियंता दिवाकर मिश्रा एवं तीनों हॉस्टल के छात्र नायक उपस्थित थे।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में विरोध स्वरूप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का किया गया पुतला दहन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवा/साहिबगंजः 17 दिसंबर 2024 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में राज्यसभा में बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी की मांग के लिए साहेबगंज कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकत खान के नेतृत्व में कांग्रेस जिला मुख्यालय के रामनगर में कार्यकर्ताओं के साथ किया विरोध प्रदर्शन। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव संगठन के० सी० वेणुगोपाल, सांसद के पत्र के आलोक में झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव, महतो कमलेश के निर्देशानुसार दिनांक 19 दिसंबर 2024, गुरुवार को साहेबगंज जिला के रामनगर चौक पर जिला अध्यक्ष बरकत खान के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध

प्रदर्शन किया गया और अमित शाह के इस्तीफे और उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए सार्वजनिक माफी की मांग की गई, अमित शाह मुर्दाबाद के नारे लगाए गया। जिल अध्यक्ष बरकत खान ने बताया कि बीजेपी-आरएसएस के जीन में है आबंडेकर का अपमान...... बीजेपी नेता करते हैं दलितों से घृणाअमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर में बाबा साहेब को जिस तरह अपमानित किया, वो एक कुंठा और द्वेष से भरे मानसिकता वाला व्यक्ति ही कर सकता है। गृहमंत्री जैसे पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा संविधान निर्माता का सरेआम अपमान करना बताता है कि बीजेपी के नेताओं में दलितों के प्रति कितनी नफरत और घृणा भरी है। संवैधानिक पदाधिकारी की ओर से इस तरह के बयान बेहद अपमानजनक हैं और हमारे गणतंत्र की नींव को कमजोर करने का एक खतरनाक प्रयास है। डॉ. अंबेडकर समानता, न्याय और हमारे संविधान में निहित लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रतीक हैं। उनके नाम को कलंकित करने का कोई भी प्रयास इन मूल्यों का अपमान है और हमारे देश की सामाजिक सद्भावना के लिए खतरा है। ये टिप्पणियां न केवल भारत के महानतम नेताओं में से एक की अद्वितीय विरासत का अपमान हैं, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों का भी घोर अपमान है जो उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रेरणा के रूप में सम्मान देते हैं।

मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, कमल आर्य, अश्वनी आनंद अनारूल खान, आफताब आलम, नेहाल अख्तर, निताई सरकार, अनंत लाल भगत, मिथुन मंडल, मो अहमद, जहांगीर शेख, अजहर शेख, दाऊद शेख, दाउद हुसैन, तैयब शेख, सैफुद्दीन शेख, कालू शेख, सारिक रब्बानी, प्रसनजीत दास, लाल मोहम्मद, तारिक अहमद, रियासत सेख, कुतुबुद्दीन शेख, कमालुद्दीन शेख, तमिजुद्दीन शेख, वसीम अकरम, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम का निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः प्रधान जिला एवम् सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष अखिल कुमार के द्वारा स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम, साहेबगंज का भम्रण किया और वहां रह रहे वृद्धजनों का मेडिकल लिगल अवरनेस के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सभी वृद्धजनों की डॉक्टर की टीम के द्वारा जाँच कर उन्हें दवा उपलब्ध कराई गई। इस कार्यक्रम में पी०डी०जे० ने कहा कि समाज में वृद्धों की उपेक्षा बहुत ही निंदनीय है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए।

इस अवसर पर आश्रम में रह रहें सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर विचार कर ठीक से देखभाल करने के लिए कहा गया उनके मनोरंजन के स्त्रोंतों की व्यवस्था करने की आवश्यकता जताई गई एवं वृद्धजनों के बीच फल का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, चिकित्सा पदाधिकारी मोहन मूर्मू , जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला बाल सुरक्षा पदाधिकारी पुनम कुमारी, पी०एल०वी० सरिता मूर्मू, प्रेमलता टूडू, सिखा कुमारी, कृतिका कुमारी, सोनू मुण्डा, शंभू दास उपस्थित थे।

शिक्षण संस्थान में हो सकता है कभी भी दुर्घटना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिले से महज कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मदरसा इस्लामिया छोटी कोदरजन्ना का हाल देखेंगे तो आप जानेंगे की झारखंड के शिक्षा का हाल क्या है अगर आप किसी पदाधिकारी से बात करेंगे तो वह बताएंगे की सभी सरकारी विद्यालय व मदरसा एकदम चुस्त-दुरुस्त है परंतु हकीकत कुछ और ही बयां करती है वहां पर एक ही टीचर कार्यरत भी हैं अब जान लीजिए की एक टीचर हैं कर ही क्या सकते हैं यह स्थिति महज मुख्यालय से 5-6 किलोमीटर दूर छोटी कोदरजन्ना की है दूरदराज और पहाड़ पर स्थित स्कूल का हाल तो भगवान भरोसे ही रहता है। ना शौचालय की

व्यवस्था है, तो वहीं मकान भी जर्जर अवस्था में है कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, परंतु संबंधित विभाग इससे बेखबर है।

गायत्री यज्ञ सह विराट पुस्तक में मेले का होगा आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मंडरो/साहिबगंजः मिर्जाचौकी में 24 दिसंबर से लेकर 27 दिसंबर तक होने वाले 24 कुंडीय व तीन दिवसीय गायत्री यज्ञ सह विराट पुस्तक मेले को लेकर यज्ञ स्थल पर पूजा पंडाल एवं हवन कुंड का निर्माण जोरशोर से कराया जा रहा है। मां गायत्री के कथा वाचन को लेकर स्टेज एवं विराट पुस्तक मेले को लेकर अलग-अलग काउंटर का निर्माण कराया जा रहा है। जानकारी देते हुए गायत्री परिवार के शंभूनाथ जयसवाल ने बताया कि गायत्री यज्ञ सह विराट पुस्तक मेले को लेकर 24 दिसंबर को कुमारी कन्या एवं महिलाओं के साथ सुबह

में कलश शोभा यात्रा निकाली जाएगी और कलश शोभायात्रा को पूरे मिर्जाचौकी क्षेत्र का भ्रमण कराया जायेगा। इसके बाद यज्ञ मंडली के पास कलश स्थापित कर विधिवत तरीके से मां गायत्री की पूजा अर्चना करते हुए यज्ञ का शुभारंभ किया जाएगा।

वहीं इस यज्ञ को सफल बनाने में साहिबगंज से शिव शंकर प्रसाद निराला, शंभुनाथ जयसवाल, मिर्जाचौकी के प्रखंड समन्वयक सुप्रिया वर्णवाल, रंजीत कुमार वर्णवाल, प्रमोद गुप्ता, जुशी वर्णवाल, इना देवी, सरिता देवी, पूजा कुमारी, हर्ष राज, रियंका देवी समेत दर्जनों की संख्या में गायत्री परिवार के सदस्य जुटे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिटायर्ड रेलवे मेंस फेडरेशन ने मनाया पेंशनर दिवस

धनबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवे मेंस फेडरेशन, तोपचांची ने मंगलवार को तोपचांची स्थित मैरिज हॉल में पेंशनर दिवस मनाया। इस दौरान विभिन्न बैंकों के प्रबंधकों के समक्ष फेडरेशन के पदाधिकारियों ने पेंशनरों की समस्याएं रखी। बैंक प्रबंधकों ने बैंक से दी जाने वाली सुविधा, वृद्ध पेंशनधारियों के लिए सामाजिकता व मानवता के नाते सुविधाओं को विस्तार से अवगत कराया। फेडेशन के रांची मंडल अध्यक्ष काली दास मुंडा, सचिव चंचल कुमार सिंह ने लाइफ सर्टिफिकेट, रेलवे से परिवार को पास निर्गत करने की मांग की। मौके पर बीजन लाल हालदार, बीपी चौधरी, नकुल प्रसाद महतो, गोविंद राम, मो सलीम, भुनेश्वर मंडल, धनेश्वर राम, खेमन लाल महतो, महादेव बाउरी, करमचंद, आरपी महतो, शनिचर महतो, भोला राम महतो, सुखदेव प्रसाद महतो, रामलाल महतो, अकबर अंसारी, खेलूराम महतो आदि थे।

रेलवे डीआरएम से मिले विधायक नवीन जयसवाल

रांची, एजेंसी। हटिया विधायक नवीन जयसवाल मंगलवार को रांची डिवीजन के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा से मिले। विधायक ने बिरसा चौक के निकट तोड़े गए झोपड़पट्टी के लोगों के लिए पुनर्वास की मांग की। उन्होंने डीआरएम से कहा कि वहां के लोग दशकों से रह रहे थे। रेलवे ने अपने विस्तार योजना के तहत उनलोगों का घर तोड़ दिये। उनमे से अधिकांश दैनिक मजदूरी कर अपना जीवनयापन कर रहे थे। ऐसे में राज्य सरकार से समन्वय बैठाकर रेलवे को उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए। नवीन जयसवाल ने डीआरएम को पीठियाटोली की समस्याओं से भी अवगत कराया। उन्होंने नगड़ी महतो टोली एवं पीठिया टोली में अंडर पास बनाने की मांग की। जिससे वहां निवास कर रहे हजारों परिवारों को आवागमन में सुविधा हो सके।

बंदगांव में जरूरतमंदों के बीच बांटे गए कंबल व स्वेटर

रांची, एजेंसी। सामाजिक संस्था श्रीरामकृष्ण सेवा संघ की ओर से बंदगांव के लुम्बई स्थित कन्या आश्रम में मंगलवार को जरूरतमंदों के बीच कंबल, स्वेटर समेत अन्य गर्म कपड़े बांटे गये। सेवा कार्य में लायंस क्लब ऑफ हिनू के विनोद प्रकाश के सौजन्य से कंबल का सहयोग किया गया। संस्था के सदस्यों ने आश्रम में रह रहे बुजुर्ग महिला-पुरुषों को कंबल एवं बच्चों को स्वेटर, जूता-मोजा बांटा। ठंड के मौसम में कंबल व गर्म कपड़े पाकर आश्रम के बच्चे, बुजुर्ग समेत आसपास के जरुरतमंद काफी खुश हुए। संस्था की ओर से महिलाओं को साड़ियां बांटी गई। साथ ही सभी को भोजन भी कराया गया। समाजसेवी आलोक मजूमदार ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। उन्होंने अन्य संस्थाओं से भी पीड़ित मानवता के सेवार्थ सहयोग करने की अपील की। मौके पर तनय शीट, दीपा दत्ता, सोहनी मजूमदार, गोपा बागची, आलोक सिन्हा, सुकृत भट्टाचार्य, डॉ स्मिता डे, आनंद रंजन घोष, राजीव रंजन, तन्मय मुखर्जी, श्रावंती शीट, श्रीमंत बनर्जी, डॉ आशुतोष चटर्जी, मलय साहू, मृणाल बोधक, अजय धीबर, देवराज घोष, संदीप दत्ता, अरुण सिन्हा, विवेक राय, स्वपन डे मौजूद थे।

कार्य में लापरवाही बरतने पर एसएसपी ने महिला थाना प्रभारी को सस्पेंड किया

रांची, एजेंसी। कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एसएसपी चंदन सिन्हा ने कड़ी करवाई की है। अपर बाजार स्थित मारवाड़ी कन्या विद्यालय में लड़कियों के साथ छेड़खानी मामले में जब स्कूल प्रबंधन के द्वारा कोतवाली थाना और महिला थाना को सूचना दी गयी थी तो वहां के कर्मियों और पदाधिकारी ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। इस लापरवाही के लिए एसएसपी ने महिला थाना प्रभारी पिंकी साव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसएसपी ने कोतवाली थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिन्हा के निलंबन और विभागीय के कार्यवाही की अनुशंसा डीआईजी से की है। इसके पहले एसएसपी ने 14 दिसंबर को बरियातू थाना के एएसआई शंकर ठाकुर और मुंशी शशि कुमार को इसलिए निलंबित किया था क्योंकि एक मोबाइल गुम होने की शिकायत लेकर आवेदिका बरियातू थाना गयी थी तो उन दोनों ने आवेदिका का आवेदन न लेकर मामला का क्षेत्राधिकार लालपुर थाना का बताते हुए लालपुर थाना जाने की सलाह दी थी।

झारखंड में कहर बरपाएगी ठंड, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट, बारिश के साथ घना कोहरा छाया रहेगा

रांची, एजेंसी। झारखंड में कड़ाके की ठंड पड़ने से जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पूरे राज्य में शीतलहर का प्रकोप जारी है। इस बीच मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक राज्य के कई इलाकों में 20 और 21 दिसंबर को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के साथ घना कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने कोहरे और ठंड का येलो अलर्ट जारी किया है।

झारखंड में 20 और 21 दिसंबर को बारिश के साथ कोहरे की भी चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। इसके बाद मौसम साफ रहेगा लेकिन सुबह कोहरा छाए रह सकता है। बारिश के बाद एक बार फिर पारा निचे जाएगा जिससे कि ठंड में वृद्धि हो जाएगी। मौसम विभाग ने संताल परगना, कोल्हान और पलामू प्रमंडल में घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग की माने तो राजधानी रांची, गुमला, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, पलामू और गढ़वा में 20 दिसंबर को कोहरा छाया रहेगा तो वहीं 21 दिसंबर को गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभू और पूर्वी सिंहभूम में कोहरा छाया रहेगा। इस दौरान आसमान में बादल भी छाए रहने का अनुमान है।

अगर पिछले 24 घंटो की बात करें तो गुमला में सबसे अधिक ठंड पड़ी। गुमला का न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रहा तो वहीं सरायकेला का तापमान सबसे अधिक रहा। यहां का अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची में 9.4 डिग्री, जमशेदपुर में 11.5 डिग्री, डाल्टनगंज में 8.6 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

लोगों को शीतलहर और ठंड से मिलेगी राहत, 20 दिसंबर से बदलेगा मौसम

रांची, एजेंसी। झारखंड में कड़ाके की ठंड ने लोगों का जनजीवन बेहद प्रभावित किया। शाम होते ही लोगों का सड़कों से निकलना कम हो जाता है। इस बीच मौसम विभाग ने ठंड को लेकर बड़ी अपडेट दी है। विभाग की मानें तो गुरुवार को लोगों को ठंड से राहत मिलने की संभावना है। ऐसा इसलिए क्यों कि न्यूनतम तापमान में हल्की से बढ़ोतरी होगी। इस दौरान सुबह में अन्य दिनों की तरह ही कोहरा छाया रहेगा। लेकिन दिन चढ़ते ही मौसम साफ हो जाएगा।

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो गुरुवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहेगी। लोगों को शीत लहर से भी राहत मिलने के आसार हैं। लेकिन 20 दिसंबर से मौसम का मिजाज बदलने का अनुमान है। दरअसल तामिलनाडु के करीब एक निम्न दबाव बन रहा है। इसका आंशिक असर झारखंड में भी पड़ सकता है। इससे कोल्हान और उसके आसपास के जिलों में हल्की बारिश हो सकती है।

राजधानी रांची सहित अन्य जिलों में बादल छाया रह सकता है। इस दौरान कई इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। मंगलवार को शहरी इलाके में सबसे अधिक ठंड गुमला जिला में रहा। यहां का श्यूनतम तापमान 4।5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी तरफ कांके हर दिन का तापमान 3 डिग्री के नीचे या इसके आसपास रह रहा है। 20 और 21 दिसंबर को न्यूनतम तापमान में 10 से अधिक रहने की संभावना है लेकिन बारिश की वजह से कनकनी बढ़ेगी।

2025 में विद्यार्थियों की मौज, झारखंड में इतने दिन रहेंगे स्कूल और कॉलेज बंद

रांची, एजेंसी। झारखंड में स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटियों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए अहम खबर है। नए साल के शुरू होने में अब मात्र 12 दिन बचे हैं लेकिन उससे पहले स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों के मन में ये उत्सुकता रहती है कि नए साल में कितने दिन छुट्टी रहेगी। ऐसे कितने दिन होंगे जिनमें उन्हें स्कूल और कॉलेज नहीं जाने होंगे। तो आइये हम इस बात का खुलासा करते हैं कि नए साल में कितने दिन की छुट्टी रहेगी। राजभवन ने राज्य के सभी सरकारी स्कूल और यूनिवर्सिटी में साल 2025 के लिए 86 छुट्टियों का प्रस्ताव दिया है।

राजभवन द्वारा प्रस्तावित कैलंडर में स्कूलों और कॉलेजों में 86 दिन की छुट्टी दी गई है। राज्यपाल के प्रधान सचिव ने सभी कुलपतियों को चिट्ठी लिखकर तीन दिन में राय मांगी है। अगर सभी की राय सकारात्मक रही तो इस पास कर दिया जाएगा। इन 86 छुट्टियों में 12 रविवार को भी रखा गया है। साथ ही सभी यूनिवर्सिटियों को ये छूट दी गई है कि वो स्थानीय पर्व-त्योहारों में 5 दिन की विशेष छुट्टी अपने हिसाब से दे सकते हैं। 2025 में प्रमुख त्यहारों की भी लिस्ट सामने आ गई है कि किस दिन छुट्टी रहेगी। रामनवमी के लिए 6 अप्रैल को छुट्टी का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं गुड फ्राइडे 18 अप्रैल और ईस्टर 21 अप्रैल को होगी। गर्मी की छुट्टियां 1 जून से 20 जून तक रहेगी तो दुर्गा पूजा 28 सिंतबर से 3 अक्टूबर तक रहेगी। दिवाली और छठ के लिए 18 से 29 अक्टूबर की छुट्टी रखी गई है।

क्रिसमस और नववर्ष पर भारी संख्या में पर्यटन स्थलों पर पहुंचेंगे लोग, सुरक्षा की व्यवस्था नहीं

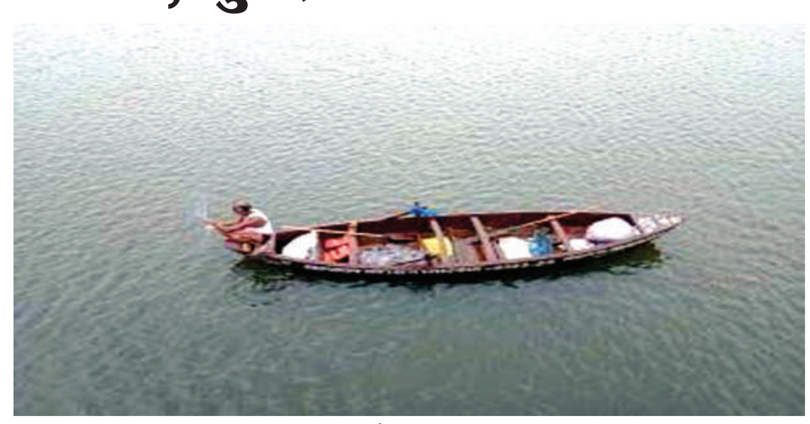

रांची, एजेंसी। लेकिन इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि क्या इन पर्यटन स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई मजबूत अथवा कोई ठोस कदम उठाया गया। यहां कि अप्रिय घटना या हादसे से बचने के पुख्ता उपाय नहीं किये गये हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से कमोवेश प्रशासन की नींद किसी भी स्थल के लिए नहीं खुली है।

यह हाल तब है जब बड़ा दिन यानी क्रिस्मस-डे महज एक सप्ताह ही रह गया है। इस दौरान विभिन्न पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ती है। इसके बाद ही नववर्ष का उत्सव मनाने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग ऐसी जगहों पर जुटते हैं। ऐसे में किसी हादसे के बाद फिर पछतावे और घोषणाओं का दौर चलता है।

बता दें कि गिरिडीह और कोडरमा जिला अंतर्गत मरकच्चो और धनवार प्रखंड की सीमा पर स्थित अरकोसा गांव को विस्थापित कर बनाए गए पंचखैरो डैम (गोरहंद डैम) में बीते करीब तीन साल पहले नाव में बैठकर घूमने के दौरान नाव पलट गयी थी। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गयी थी। इसमें तीन परिवारों पूरी तरह तबाह हो गया था। तब तत्कालीन सांसद, विधायक से लेकर दोनों जिलों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने गोताखोर का प्रशिक्षण और प्रशिक्षित नाविकों द्वारा बोटिंग आश्वासन दिया था। लेकिन कोई पहल नहीं की गयी। इस दौरान फिर से यहां दोनों जिलों के अलावा राज्य भर से भारी संख्या में क्रिस्मस और नववर्ष का उत्सव मनाने सैलानियों का आना जाना शुरू हो गया है। डैम में स्थानीय लोग लकड़ी की नाव में बैठाकर लोगों को नौकाविहार करवाते हैं। इसके अलावा यहां दो मोटर बोट भी है। इसमें सैलानी डैम के बीच में जाकर आनंद लेते हैं। लेकिन इनके पास न कोई लाइफ जैकेट होता है और न ही कोई गोताखोर की नियुक्ति किया गया है।

महज एक सप्ताह पूर्व धनबाद जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र का एक परिवार पिकनिक मनाने हदहदवा नदी पर बने झरने पर आया था और एक ही माता पिता के दोनों पुत्रों के डूबने से मौत हो गयी थी। झरना घने जंगल में है। इसके आसपास मोबाइल का नेटवर्क भी नहीं रहता। झरने के आसपास के पत्थरों पर फिसलन इतनी ज्यादा है कि हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

खोरीमहुआ अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन ने कहा कि सभी जगहों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक कदम उठाएंगे। पर्यटन विभाग से भी बात करके देखा जायेगा कि उनके स्तर से क्या व्यवस्था की जा सकती है। कहा कि स्थानीय पुलिस फोर्स तथा मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर लोगों को सुरक्षित उत्सव मनाने की अपील किया जायेगा जिससे हादसे से बचा जा सके।

मदरसा बोर्ड व उर्दू अकादमी का जल्द गठन करेगी सरकार : हफीजुल हसन

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए जितने कार्य किये हैं, उतने कार्य पहले कभी नहीं हुए थे। सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षणिक विकास के लिए कई योजनाएं चला रही है। अल्पसंख्यक समुदाय से किये गये सभी वादों को पूरा किया है। सरकार मदरसा बोर्ड एवं उर्दू अकादमी का जल्द गठन करेगी। उक्त बातें राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने कही। वह बुधवार को विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग व राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के तत्वावधान में हज हाउस में अल्पसंख्यक के मुद्दों पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के साथ पूरी मजबूती से खडी है। स्वागत भाषण राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हाजी हिदायतुल्ला खान ने दिया। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, राज्यसभा सदस्य डॉ सरफराज अहमद, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, सदस्य डॉ एम तौसीफ, वारिस कुरैशी, बरकत अली सहित अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोगों को सम्मानित किया गया। जिसमें पत्रकारिता के क्षेत्र में वरिष्ठ पत्रकार मुजफ्फर हुसैन, गुलाम शाहिद, शफीक अंसारी, शिक्षा के क्षेत्र में संत जेवियर के प्राचार्य फादर डॉ एन लकड़ा, प्राचार्य निर्मला कॉलेज डॉ ज्योति किस्पोट्टा, सामाजिक संगठन लहू बोलेगा के संस्थापक नदीम खान, जमशेदपुर के सामाजिक कार्यकर्ता मोख्तार आलम खान, सरफराज हुसैन, अधिवक्ता अब्दुल कलाम रशीदी सहित अन्य शामिल हैं।

एदार-ए-शरिया का प्रतिनिधिमंडल मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी के नेतृत्व में मंत्री हफीजुल हसन अंसारी से मिला। उन्हें मांग पत्र सौंपा। मांगों में उर्दू एकेडमी का गठन, 15 सूत्री क्रियान्वयन समिति, मदरसा बोर्ड व राज्य हज कमेटी का गठन, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को एमएसडीपी स्कीम से लाभान्वित करने, उर्दू स्कूल जिन्हें हिंदी स्कूल में बदल दिया गया है को निरस्त कर पूर्व की तरह उसका स्टेटस उर्दू स्कूल बहाल किये जाने सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

धनबाद रेल मंडल में ऊर्जा संरक्षण पर हो रहा काम

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेल मंडल के सभागार में बुधवार को ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व मध्य रेल हाजीपुर प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक शिव कुमार प्रसाद, डीआरएम कमल किशोर सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) अमित कुमार आदि थे। इस दौरान ऊर्जा संरक्षण पर किये गये पहल की जानकारी साझा की गयी। ऊर्जा संरक्षण का उद्देश्य अपशिष्ट को कम करना, संसाधनों को बचाना और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना है। गैर-नवीकरणीय संसाधनों जैसे कोयला, पेट्रोलियम उत्पादों की कमी को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक लाभ हो।

सरल अभ्यास से ऊर्जा का संरक्षण कर सकते है। इसमें लाइट बंद करना, अप्रयुक्त उपकरण, ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था शामिल है। स्मार्ट होम तकनीकें में ऑक्यूपेंसी सेंसर, स्मार्ट थर्मोस्टैट, ऊर्जा मॉनिटर प्रयोग किया जा सकता है।

रेलवे में ऊर्जा संरक्षण पर काम हो रहा है। सभी स्टेशनों, सेवा भवनों और आवासीय क्वार्टरों में एलइडी का प्रावधान है। इस लक्ष्य को शत प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। एसी का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर सेट करना है ताकि ऊर्जा संरक्षण हो सके। पूरे मंडल में सभी एसी का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर सेट किया गया है।

पारंपरिक सीलिंग पंखों (60 वाट) के स्थान पर सुपर ऊर्जा कुशल बीएलडीसी सीलिंग पंखों (32 वाट) का प्रावधान है। इस पर पहल करते हुए रेलवे में 1048 बीएलडीसी पंखों को बदला है। 2340 बीएलडीसी पंखों की खरीद मुख्यालय के स्टोर पर की जा रही है।

रेलवे में गैर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग कर लाखों रुपये की बचत की गयी है। धनबाद व गोमो में 2020 में 641।365 किलोवाटर पीक क्षमता की ऑन ग्रिड रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्रणाली लगायी गयी है। इससे अभी तक 18 लाख 90 हजार 82 किलोवाटर घंटा ऊर्जा उत्पादन किया गया है। इससे रेलवे ने 35।34 लाख रुपये की बचत की है। वहीं पारसनाथ, हजारीबाग, गझंडी, बरकाकाना, नगर ऊंटारी और सिंगरौली में जनवरी 2024 में 60 किलोवाटर पीक क्षमता की रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्रणाली शुरू की गयी है।

जनता के बीच जाकर समस्याओं के समाधान को ले लगा शिविर

हजारीबाग, एजेंसी। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर बुधवार को गिरिडीह पुलिस ने नगर भवन में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया। मौके पर हजारीबाग रेंज के डीआइजी सुनील भास्कर, एसपी डॉ विमल कुमार, सीओ मोहम्मद असलम समेत अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस दौरान डीआइजी श्री भास्कर ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है। कहा कि झारखंड सरकार व पुलिस मुख्यालय के गुड गवर्नेंस की दिशा में यह सराहनीय पहल है।

हजारीबाग रेंज के डीआइजी श्री भास्कर ने कहा कि जब तक समाज की प्रगति नहीं होगी, तब तक सारी समस्याओं का निदान नहीं हो पाएगा। कहा कि साइबर क्राइम काफी तेजी से बढ़ रहा है। अपराधी साइबर फ्रॉड के लिए नये-नये तरीके अपना रहे हैं। अपराधी अब लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने से संबंधित फोन कर रहे हैं।

लोग कुछ समझने से पहले उन्हें पैसा दे देते हैं। बाद में उन्हें पता चलता है कि उनके खाते के सारे पैसे खाली हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जब भी ऐसा फोन आए तो लोगों को सबसे पहले आए हुए नंबर का वेरीफाई करना चाहिए।

इस मौके पर गिरिडीह एसपी डा विमल कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से लोग सीधे जुड़ सकते हैं। पिछली बार 10 सितंबर 2024 को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आये 229 मामलों में लगभग निष्पादित हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जो लोग यहां शिकायत दर्ज नहीं कर पाये, वे वाटसएप्प से थाना और उनके पास शिकायत कर सकते हैं। कहा कि शिकायतों का जल्द निष्पादन होगा। एसपी डॉ कुमार ने पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले के निष्पादन को ले महिला थाना को निर्देश दिया। साथ ही मुफ्फसिल व पचंबा थाना प्रभारी को जमीन विवाद से संबंधित मामलों को गंभीरता के साथ निपटाने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में डीआइजी, एसपी, सीओ के अलावे एएसपी सुरजीत कुमार, एसडीपीओ जीत

वाहन उरांव, डीएसपी वन नीरज कुमार सिंह, डीएसपी टू कौशर अली, साइबर डीएसपी आबिद खान, इंस्पेक्टर मंटु कुमार, ममता कुमारी, कमाल खान, नगर थाना प्रभारी शैलेस प्रसाद, मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो, पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार, बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह, अहिल्यापुर थाना प्रभारी गुलाम गौश, बेंगाबाद सीओ प्रियंका कुमारी आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम के पश्चात पत्रकार वार्ता में डीआइजी ने कहा कि झारखंड में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का यह दूसरा चरण आयोजन है। झारखंड सरकार और डीजीपी के निर्देश पर जिले में यह कार्यक्रम हो रहा है। समस्याओं के निदान का प्रयास किया गया है। उन्होंने नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में कुल 26 मामले आये हैं। उन्होंने कहा कि 10 मामलों का ऑन द स्पॉट निदान कर दिया गया है। शेष एसपी और डीसीएलआर अपने स्तर से मामलों का निष्पादन करेंगे। उन्होंने बताया कि अधिकांश मामले जमीन संबंधी हैं। जन शिकायत कार्यक्रम में शिकायतकर्ताओं की उपस्थिति कम रही। हालांकि नगर थाना, पचंबा थाना एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र से कई लोग पहुंचें थे, जबकि बेंगाबाद, गांडेय, अहिल्यापुर, ताराटांड़ थाना क्षेत्रों से शिकायतकर्ता कम रहे। डीजी व आइजी के आदेशानुसार बुधवार को नगर भवन में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में कोई छेड़खानी तो कोई प्रताड़ना से परेशान होकर न्याय की उम्मीद लेकर पहुंची थी। इसी कड़ी में अपने लापता दिव्यांग पुत्र की खोज में मां की पथरा गयीं आंखें भी न्याय की तलाश में पुलिस के वरीय अधिकारियों के समक्ष न्याय की गुहार लगाने आयी थी। इसके अलावे जमीन विवाद, पारिवारिक विवाद और वृद्धा पेंशन से संबंधित मामले आये।

शिविर में कुल 26 मामले आये। इन तमाम मामलों को लेकर डीआईजी सुनील भास्कर ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। इस दौरान बिरनी प्रखंड से पहुंची एक नाबालिग लड़की ने अपने साथ हुई छेड़खानी की घटना का जिक्र करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। छेड़खानी की घटना को लेकर उसने बिरनी थाना में आवेदन दिया है। उसने दो युवकों पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। 27.11.2024 के बाद से एक माह से वह बिरनी थाना का चक्कर लगा रही है। दोषियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस वजह से वह डरी हुई रहती है। इधर, बेंगाबाद थाना क्षेत्र के छछंदो निवासी मोहम्मद फकरूद्दीन की पुत्री निखत परवीन ने अपने ससुरालवालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इस दौरान निखत ने अपने पति स्व। इबरार खान की संपत्ति में हिस्सेदारी और स्वयं उसके सामान दिलाने की गुहार लगायी। उसने कहा कि उसकी चार साल की एक बेटी है। इस दौरान हीरोडीह थाना क्षेत्र के रेंबा से पहुंची अंशु मसोमात ने गत एक जुलाई से लापता अपने दिव्यांग पुत्र आनंद कुमार (18) की बरामदगी की गुहार लगायी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक

साल 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न रोकने का अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया। लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा दिशा-निर्देशों से जाहिर होता है। कार्य स्थलों पर यौन उत्पीड़न रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने 27 साल पहले जारी किए थे। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने ये निर्देश जारी किए, जिन्हें 'विशाखा गाइडलाइन्स' के रूप में जाना जाता है। उन दिशा-निर्देशों की भावना के मुताबिक कानून बनाने में 15 साल लग गए। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने यह अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया, लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जाहिर होता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने निर्देश दिया है कि पॉश कानून को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाए। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर 2024 तक हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। यह अधिकारी 31 जनवरी 2025 तक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा और तालुका स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करें और मार्च 2025 तक रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, कानून बनने के 11 साल बाद भी ये सारे कदम नहीं उठाए गए हैं। ताजा निर्देश एक याचिका पर आया, जिसमें गुजारिश की गई है कि कोर्ट केंद्र और राज्य सरकारों से पूछे कि क्या सभी मंत्रालयों और विभागों में यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच की समिति का गठन हो गया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस कानून को पूरे देश में लागू किया जाना है। कोर्ट तीन महीने के भीतर सर्वेक्षण करने और 31 मार्च 2025 तक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दे रहा है। पॉश अधिनियम की धारा 26 में प्रावधान है कि कोई विभाग, मंत्रालय या निजी संगठन अपने यहां जांच समिति का गठन नहीं करता है, तो उस पर 50,000 रु. तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मगर ऐसी समितियां आज तक बनी ही नहीं हैं। यह देश में कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक है।

कोलकाता से राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन कैसे

अगर संसद के शीतकालीन सत्र में पहले तीन हफ्ते की कार्यवाही की रोशनी में विपक्षी राजनीति को देखें तो यह सवाल उठता है कि अगर राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे नेता नहीं होते हैं और ममता बनर्जी को कमान मिलती है तो विपक्षी राजनीति का स्वरूप कैसा होगा? क्या ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन को एक रखते हुए उसे भाजपा के खिलाफ ज्यादा प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए तैयार कर पाएंगी? यह बड़ा सवाल है क्योंकि एक तो ममता बनर्जी ने कहा है कि वे पश्चिम बंगाल नहीं छोड़ेंगी और वहीं रह कर विपक्ष गठबंधन का संचालन करेंगी। कोलकाता से कैसे राष्ट्रीय गठबंधन का संचालन होगा, यह समझना मुश्किल है। ऐसा लग रहा है कि वे डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले की पोजिशनिंग कर रही हैं। वे अपने को राष्ट्रीय नेता और कोलकाता को शक्ति पीठ दिखाना चाहती हैं ताकि बांग्ला मानुष में गर्व की भावना भर सकें और अगला चुनाव जीत सकें। यही राजनीति पिछले साल तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव ने की थी। उन्होंने तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदल कर भारत राष्ट्र समिति किया था और अपने को राष्ट्रीय नेता बताना शुरू किया था लेकिन वे चुनाव में पीट गए थे। अब ममता बनर्जी वही राजनीति कर रही हैं। उनका मकसद किसी तरह से 2026 का विधानसभा चुनाव जीतना है। उनको पता है कि अगला चुनाव बहुत मुश्किल होगा। लगातार 15 साल के राज की एंटी इन्कम्बेंसी को किसी बड़े गेमप्लान से ही काउंटर किया जा सकता है। दूसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक राज्य की पार्टी है। उन्होंने अनेक राज्यों में पैर फैलाने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसलिए बाकी प्रादेशिक पार्टियों के लिए भी उनका नेतृत्व स्वीकार करना मुश्किल होगा। कहने को सभी पार्टियां तैयार हो जाएंगी कि वे विपक्षी गठबंधन की नेता बनें लेकिन वे कोई सामूहिक फैसला सभी पार्टियों से लागू करवा पाएंगी इसमें संदेह है। तीसरी बात यह है कि ममता बनर्जी की प्रकृति अकेले चलने की है। वे हमेशा एकला चलो की राजनीति करती हैं और उनकी राजनीति बंगाल केंद्रित होती है। तभी वे चाहे जिस गठबंधन में रहें वहां उनका टकराव चलता रहता है। वे जब कांग्रेस में थीं तो कांग्रेस के सभी नेताओं से उनका झगड़ा चलता था। फिर जब अपनी पार्टी बनाई और भाजपा से तालमेल किया तो भाजपा से उनकी लड़ाई चलती रही और जब कांग्रेस के गठबंधन में आईं तो वहां भी लड़ाई चलती रही। उन्होंने कांग्रेस छोड़ कर अपनी पार्टी बनाई, फिर भाजपा को छोड़ कर कांग्रेस से गठबंधन किया और फिर कांग्रेस को छोड़ कर अकेले लड़ीं। अब फिर वे गठबंधन की नेता बनना चाहती हैं लेकिन उनकी एकला चलो वाली प्रकृति बाधा बनेगी। भारत के अब तक के राजनीतिक इतिहास को देखें तो किसी प्रदेशिक पार्टी के राष्ट्रीय गठबंधन का नेतृत्व करने की मिसाल नहीं मिलेगी। कांग्रेस के खिलाफ जनता पार्टी बनी तो सभी विपक्षी पार्टियों के विलय से बनी थी। हमेशा सबसे बड़ी पार्टी नेतृत्व करती रही है। एनडीए में भी भले टीडीपी या जनता दल यू के नेता संयोजक होते थे लेकिन नेतृत्व भाजपा के हाथ में ही होता था। संयोजक का पद प्रतीकात्मक होता था। फैसला अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही करते थे। सरकारों की बात करें तो उस मामले में भी सबसे बड़ी पार्टी के हाथ में सत्ता होने से ही स्थिरता रहती है। चाहे वीपी सिंह की सरकार हो या चंद्रशेखर की या एचडी देवगौड़ा की सरकार हो या आईके गुजराल की हर बार सबसे बड़ी पार्टी के नेता के हाथ में कमान नहीं थी। वाजपेयी की 1998 की सरकार के अपवाद को छोड़ दें तो उसके बाद 1999, 2004 और 2009 में सबसे बड़ी पार्टी ने कमान संभाली और सरकारों ने कार्यकाल पूरा किया। बहरहाल, ममता बनर्जी के समर्थन में यह तर्क दिया जा रहा है कि वे भाजपा से लड़ती हैं और सीधी लड़ाई में उसको हरा देती हैं। लेकिन एक प्रदेश में सीधी लड़ाई में भाजपा को हरा देना अगर कोई पैमाना है तो कई नेता दावेदार हो जाएंगे। झारखंड में हेमंत सोरेन ने भी लगातार दो मुकाबले में भाजपा को हराया है और गठबंधन का भी नेतृत्व किया है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल भी लगातार भाजपा को हरा रहे हैं।

विपक्षी एकता की दरकती दीवार और बाबा साहेब का अपमान

विकास सक्सेना

संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में चार दिनों तक लम्बी चर्चा चली। राज्यसभा में चर्चा का जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। उन्होंने अपने लगभग एक घण्टा 40 मिनट लम्बे भाषण में जिस तरह से तथ्यों और तर्कों को रखा उसने कांग्रेस नेतृत्व को मुंह छिपाना मुश्किल हो रहा था। अमित शाह के भाषण के दौरान राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे लेकिन कोई भी नेता दमदारी से अमित शाह के तर्कों का विरोध नहीं कर सका। राज्यसभा की कार्यवाही के बाद कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह के राज्यसभा में दिए गए भाषण में से 12 सेकेण्ड की विडियो क्लिप निकाल कर हंगामा करना शुरू कर दिया। भाजपा और मोदी विरोधी तंत्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया और यह प्रचारित किया जाने लगा कि अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान बाबा साहेब का अपमान किया है। इसके बाद बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हो गए। कांग्रेस के उठाए मुद्दे पर इन दलों की जुगलबंदी के बाद तमाम राजनैतिक विश्लेषक कयास लगाने लगे कि पिछले दिनों विपक्षी एकता में जो दरारें दिख रही थी, वह इस मुद्दे के बाद थम जाएगी। लेकिन बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता कायम होने की उम्मीद जताने से पहले दो बिन्दुओं पर विचार करना अपरिहार्य है। पहला यह कि आखिर ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव, शरद पवार, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेता कांग्रेस को पीछे क्यों ढकेलना चाहते हैं। दूसरा, बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस का किस हद तक बचाव कर सकेंगे जबकि ऐतिहासिक तथ्य इस मामले में कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा करते हैं। दरअसल, राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जिस आक्रामक अंदाज में कांग्रेस को घेरा, उसने राहुल गांधी के 'संविधान बचाओ' अभियान की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने अपने भाषण में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सिलसिलेवार तरीके से बताया कि किस तरह कांग्रेस की सरकारों ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक के कार्यकाल में निजी और राजनैतिक हित साधने के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने पहले संविधान संशोधन का जिक्र करते हुए बताया कि इसके जरिए देश के आम लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को छीनने का प्रयास किया गया। इसके बाद इंदिरा गांधी ने अदालत से उनके खिलाफ आए एक फैसले के बाद अपनी कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लगा दिया और देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए। राजीव गांधी ने तो वोटबैंक के लालच में शाहबानो मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को ही पलट दिया गया। इसके उलट मोदी सरकार ने पिछले दस साल के शासनकाल में संविधान में जो भी संशोधन किए हैं उनका उद्देश्य देश को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक मोर्चे पर मजबूत बनाना रहा है। इसके लिए उन्होंने महिलाओं के आरक्षण देने, पूरे देश में एक समान कर प्रणाली (जीएसटी) लागू करने और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी करने जैसे कई संविधान संशोधनों का जिक्र किया। भाजपा और मोदी पर संविधान बदल कर आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाकर पिछले लोकसभा चुनाव में आंशिक सफलता हासिल करने वाले कांग्रेसी नेताओं की कलई भी अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान खोलकर रख दी। उन्होंने तथ्यों के आधार पर समझाया कि किस तरह कांग्रेस सरकारों की वजह से जम्मू और कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण के लाभ से वंचित रखा गया। जामिया मिलिया इस्लामिया और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में दलितों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने विस्तार से बताया कि किस तरह दो बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम्बेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई। यहां तक कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में खुद जाकर प्रचार भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि जब तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, तब तक बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तार्किक आरोपों से बौखलाए कांग्रेसियों ने राज्यसभा में अमित शाह के भाषण से 12 सेकेण्ड की एक वीडियो क्लिप निकाली जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं 'आजकल एक नया फैशन चला है, आम्बेडकर, आम्बेडकर, आम्बेडकर। इतना नाम यदि भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' कांग्रेस और उससे जुड़ा प्रचार तंत्र मौके का लाभ उठाने के लिए इस वीडियो क्लिप को बहु प्रसारित (वायरल) करने में जुट गया। भाजपा और मोदी के विरोध में वातावरण तैयार करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाली समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए अमित शाह पर राजनैतिक हमले शुरू कर दिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल अपने समर्थकों के साथ सड़कों पर आ गए। इसी तरह अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी अमित शाह के बयान की तीखी आलोचना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो बाकायदा पत्रकार वार्ता करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की कि अमित शाह को केंद्रीय मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया जाए। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी नेताओं के हमले झेल रहे अमित शाह भी शाम के समय पत्रकारों के बीच आए लेकिन वे किसी तरह से बचाव की मुद्रा में दिखाई नहीं दिए। कांग्रेस पर 'सत्य को झूठ के कपड़े पहनाकर' लोगों का भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए वहां मौजूद

पत्रकारों से उन्होंने एक ही अपील की कि वे उनके पूरे भाषण को लोगों के सामने रखें, इसे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। सोशल मीडिया के इस युग में किसी भी सच्चाई को ज्यादा समय से छिपा कर रख पाना संभव नहीं है। खासतौर पर तब जबकि राज्यसभा में दिया गया भाषण तमाम स्थानों पर सहज रूप से उपलब्ध है। दरअसल, अमित शाह के भाषण की 12 सेकेण्ड की जो वीडियो क्लिप बहु प्रसारित की जा रही है उसके आगे के अंश में वे कह रहे हैं ...डॉ. आम्बेडकर का सौ बार और नाम लो लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि उनके बारे में आपकी भावनाएं क्या हैं, वो ज्यादा जरूरी हैं। मैं आपको बता दूं कि जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार से असहमति के बाद बीआर आम्बेडकर को पहले मंत्रिमण्डल से इस्तीफा देना पड़ा था। आम्बेडकर जी ने कई बार कहा था कि मैं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हुए व्यवहार से असंतुष्ट हूं। सरकार की विदेश नीति और अनुच्छेद 370 से मैं असहमत हूं। इसलिए वह पद छोड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें आश्वासन दिया गया और जब वह पूरा नहीं हुआ तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया।' ऐसे में जो राजनैतिक विश्लेषक ये अनुमान लगा रहे हैं कि बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर विपक्षी एकता की दरकती दीवार बच जाएगी उन्हें समझना होगा कि अमित शाह के भाषण के इस अंश को सुनने के बाद आम्बेडकर समर्थक समझ जाएंगे कि अमित शाह असल में क्या कह रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस का तनिक भी बचाव कर पाना संभव नहीं है। इसके अलावा लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार और अखिलेश यादव के राहुल गांधी एवं कांग्रेस को निशाने पर लेने की असल वजह मुस्लिम वोटबैंक है जो इन क्षेत्रीय दलों की राजनीति का आधार है। हाल ही में हुए हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखण्ड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव नतीजों से साफ हो चुका है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जो भी बढ़त दिखाई दी थी उसका कारण मुस्लिम वोटों का उसके पाले में जाना था। ऐसे में ये क्षेत्रीय नेता कभी नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस उनके इस वोटबैंक में सेंध लगाकर मजबूत हो। इसीलिए इन नेताओं ने राहुल गांधी पर सवाल उठाने शुरू किए हैं। ऐसे में बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे पर वे कांग्रेस के साथ ज्यादा दूर तक चलेंगे इसकी संभावना नहीं है।

कनाडा में सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त

भारत डोगरा

तेईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय-समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था। कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस-कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली-भांति पूछताछ कर ली जाती तो षडय़ंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।

एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षडय़ंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षडय़ंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए। पर ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षडय़ंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है। सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक-विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफाम्रेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन-शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते-धमकाते हैं, आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने-जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं। यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीटय़ूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीर्षक है 'कनाडाÓज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्मÓ। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं। इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक है-'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्डÓ। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है। मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, 'द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा-इन्क्रीज्ड थ्रेट इन अ कल्चर ऑफ इनडिफेरेंसÓ। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख-दर्द बढ़ गए हैं। बाब रे, जो आनटेरियो के मंत्री रह चुके थे, को कनिष्क त्रासदी की जांच का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त और परेशान है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि कनाडा सरकार आतंकवाद पर नियंत्रण रखने की अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी भली-भांति निभाए।

मेष राशि–आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्य योजना में बदलाव करेंगे, जिसका अच्छा परिणाम मिलेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा, फिलहाल आपकी इनकम पहले जैसी ही रहेगी । नौकरी कर रहे लोगों को जल्दी ही स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

वृष राशि–आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है।आज ऑफिस में अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा। आज अति आत्मविश्वास के वजाय सोच समझ कर कार्यों को शुरू करें।आज आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे, परिवार के सभी सदस्य मिल-जुल कर गेम्स खेलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, साथ ही खर्चा भी कम रहेगा।

मिथुन राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज पारिवारिक संपत्ति सम्बन्धी समस्या सुलझ सकता है, जिसमें वरिष्ठ सदस्यों की अहम भूमिका रहेगी। आज स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। आज खर्चों की अधिकता की वजह से कुछ उलझन में रहेंगे। परंतु जल्दी ही परिस्थितियां आपके अनुकूल हो जाएंगी, इसलिए धैर्य बनाकर रखें।

कर्क राशि–आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है।आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर आज आप ध्यान देंगे। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है। किसी प्रभावशाली इंसान की सलाह और मदद से आपको नई उपलब्धि मिल सकती है। आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के पास काम ज्यादा रहेगा।

सिंह राशि–आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है।परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। आज दिन भर दौड़-धूप तथा मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करने से आपको अच्छा फील होगा। इस राशि के युवाओं को अपने करियर संबंधी प्रयासों में मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशि–आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है।आज इस बात का भी ध्यान रखें, कि भावनाओं में आकर किसी प्रकार का महत्वपूर्ण निर्णय न ले। माता-पिता बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है। आज किसी भी तरह की यात्रा करते समय सावधानी बरते।

तुला राशि–आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज ना करें। आर्थिक मामलों में बजट आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज समझदारी और सावधानी से काम लेने का समय है।

वृश्चिक राशि–आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में रहेगा।आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगें और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के लिए ऑनलाइन शॉपिंग करेंगे। आपका कुशलता व्यवहार आपको व्यावसाय में सफलता प्रदान करने में मदद करेगा।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपके लिए दिन भर भाग-दौड़ की स्थिति बनी रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। अगर कोर्ट में प्रॉपर्टी संबंधित मुकदमा चल रहा है तो आज उसका फैसला आपके पक्ष में आएगा।

मकर राशि–आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे।आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परंतु फिर भी फोन द्वारा अधिकतर काम सुचारू रूप से संपन्न हो जाएंगे।

कुंभ राशि–आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा। नए कार्य की शुरुआत करने में किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि–आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आज व्यापार में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। किसी विपरीत परिस्थिति में घबराने के वजय उसका समाधान ढूंढने का प्रयास करेगे तो सब ठीक हो जायेगा।

शब्द सामर्थ्य -271

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 270 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'***; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव**।
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ° यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

दोनों आंखें फोड़ दी, कान भी काट लिया, वैशाली में क्षत-विक्षत मिला अधेड़ का शव

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली जिले के बिदुपुर में एक अधेड़ की क्षत-विक्षत शव मिला है. बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिदुपुर राम जानकी ठाकुरवाड़ी के पीछे एक कमरे में अधेड़ व्यक्ति का संदिग्ध अवास्था में शव मिलने की सूचना पुलिस को दे दी गयी है. शव की दोनों आंखें गायब हैं और दोनों कान काट लिये गए हैं. शव पूरी तरीके से क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ था. स्थानीय लोगों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची बिदुपुर पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है. मिल रही जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मनोरंजन सिंह के रूप में हुई है. पटना जिले के करनौती बख्तियारपुर गांव निवासी अभय सिंह का पुत्र मनोरंजन सिंह पैर से दिव्यांग था. स्थानीय लोगों के अनुसार मनोरंजन सिंह अपने बहन के घर पर अकेले रहता था. मृतक की बहन और बहनोई दूसरे प्रदेश में रहते है. इस घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई है. सूचना मिलने के बाद परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे. पिछले तीन दिनों से जब दिव्यांग मनोरंजन सिंह घर से नहीं निकले, तो लोगों को शक हुआ और इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और घर में दिव्यांग शव पड़ा हुआ था. मृतक का क्षत-विक्षत शव देखकर स्थानीय लोग हत्या की बात बता रहे थे. लोगों ने बताया कि जिसका बन्द कमरे में शव मिला है, मृतक का आंख फोड़े हुए था और दोनों कान भी कटा हुआ था. पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है.

आजेडी विधायक रीतलाल के भाई ने किया सरेंडर, कोर्ट परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

पटना, एजेंसी। आरजेडी विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव ने दानापुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है. बता दें कि पटना ढ्ढ्ढस्र्के सिक्योरिटी ऑफिसर पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहा था. दानापुर कोर्ट परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है. आज प्रशासन कुर्की जब्ती की तैयारी में था. गुरुवार की अहले सुबह पुलिस ने आरजेडी विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू यादव के घर पर छापेमारी की थी. इस रेड में पुलिस ने 3 बंदूक बरामद की है. जिनमें से किसी भी बंदूक का लाइसेंस नहीं है. इसके अलावा 11 लाख कैश, नोट गिनने की मशीन, पुराने स्टांप पेपर, जमीन के कागजात आदि मिले हैं. रीतलाल के भाई पिंकू यादव पर आरोप है कि उसने 22 अगस्त 2024 को पटना ढ्ढ्ढस्र्के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर पर जानलेवा हमला करवाया था. इस घटना के बाद से वह फरार चल रहा था. पुलिस उसे खोज रही थी. आज पुलिस कुर्की की तैयारी कर रही थी तभी सरेंडर कर दिया.

पटना में महिला से दुराचार, चार दरिंदों ने मिलकर घटना को दिया अंजाम

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र में एक महिला से दुराचार का मामला सामने आया है. मिली जानकारी के अनुसार, खेत में काम कर रही महिला को चार युवकों ने जबरन उठाकर बगीचा में ले गए. उसके बाद महिला के साथ बारी-बारी से दुराचार किया. पीड़िता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पीड़ित महिला ने बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 12ञ्30 बजे नवोदय विद्यालय के पीछे खेत में काम रही थी. इस दौरान 4 युवक वहां पहुंचे और मुझे खींचकर बगीचा में ले गए. काफी शोर भी मचाया, लेकिन किसी तक मेरी आवाज नहीं पहुंची. चारों ने मिलकर मेरे साथ बारी-बारी से दुराचार किया. महिला ने आगे बताया कि एक आरोपी को मैं पहचानती हूं. वो बिक्रम का ही रहने वाला है. तीन अन्य आरोपियों का चेहरा देखकर पहचान सकती हूं. घटना से थोड़ी देर पहले कुछ मजदूर भी वहां धान का बोझा गिराने के लिए खलियान की ओर गए थे. वहां सुनने वाला कोई नहीं था. थाना प्रभारी दीपक कुमार ने कहा कि पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. मेडिकल जांच के लिए भेज दिया गया है. घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य इकट्ठा किए गए हैं. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. जल्द ही सभी को दबोच लिया जाएगा.

एके-47 जब्ती मामले में मुजफ्फरपुर, सारण और वैशाली में एनआईए की छापेमारी, हथियार बरामद

पटना, एजेंसी। मुजफ्फरपुर से एके-47 बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की अलग-अलग टीमों ने बुधवार को राज्य के आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। सारण में एक, जबकि मुजफ्फरपुर और हाजीपुर में तीन-तीन ठिकानों पर एनआइए ने छापा मारा।

इस दौरान मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी के मुखिया और सारण जिले के परसा के मुख्य पार्षद के आवास से करीब 14 लाख नकद, हथियार, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया।

एनआइए ने मुजफ्फरपुर के फकुली थाने के मनकौनी गांव में मुखिया नंदकिशोर राय उर्फ भोला राय के आवास से 11 लाख 19 हजार 500 रुपये, एक आइफोन और एक मोबाइल फोन जब्त किया।

मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी के मुखिया कुछ महीनों पहले बरामद किए गए एके-47 जब्ती मामले के आरोपित देवमुनी उर्फ अनीश के पिता है। इस मामले में देवमुनी, विकास, सत्यम और पूर्वी चंपारण के अहमद अंसारी के साथ बेउर जेल में बंद है।

छापेमारी के दौरान एनआइए की टीम ने मुखिया एवं उनकी पत्नी से काफी देर तक पूछताछ की। एनआइए अधिकारियों ने मुखिया को पूछताछ के लिए पटना भी तलब किया है। इसके अलावा एनआइए ने मुजफ्फरपुर के ही जैतपुर थाने के पोखरैरा गांव के विकास कुमार व मिठनपुरा थाने के तीनकोठिया मोहल्ला के हथियार तस्कर बबलू खान के आवास की भी तलाशी ली।

सारण जिले के परसा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद एशा खातून के चेतना परसा गांव स्थित घर पर एनआइए ने बुधवार की सुबह चार बजे छापेमारी की। करीब 12 घंटे तक मुख्य पार्षद के नए और पुराने मकान की तलाशी ली गई।

इस दौरान मुख्य पार्षद के घर से दो लाख 75 हजार 340 रुपये नकद, एक हथियार एवं अन्य कागजात जब्त किए। एनआइए इसे जब्त कर अपने साथ ले गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जब्त हथियार लाइसेंसी है या गैर लाइसेंसी है, इसकी जांच की जा रही है।

वैशाली के हाजीपुर में एनआइए की टीम ने पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता संदीप कुमार सिन्हा उर्फ छोटू लाला और कृष्णापुरी बागमली में सत्यम कुमार के घर पर छापेमारी की। वहीं, महुआ थाना क्षेत्र के गौसपुर चकमुजाहिद गांव के मुन्ना राय के यहां भी तलाशी ली गई।

सूत्रों के अनुसार, छापेमारी में एनआइए की टीम को कुछ खास बरामद नहीं हुआ है। एसपी हर किशोर राय ने एनआइए की छापेमारी की पुष्टि की है।

इस साल सात-आठ मई को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन व फकुली थाने के ढोढ़ी पुल के निकट से एके-47, मैगजीन, पांच कारतूस व दूरबीन जब्त किया गया था। इसमें देवमुनी उर्फ अनीश, विकास कुमार, सत्यम कुमार व अहमद अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। शुरू में इसकी जांच बिहार पुलिस कर रही थी, लेकिन अगस्त में इसकी जांच एनआइए ने संभाल ली।

दिल्ली के एक कपड़ा व्यापारी की इसी साल एके-47 से हत्य कर दी गई। इस मामले को लेकर बुधवार को पटना से एनआइए की टीम राजेपुर थाना क्षेत्र के मधुआहा मठ टोला पहुंची। टीम ने यहां बुधू राय के पुत्र संतोष कुमार राय के घर पहुंच कर पूछताछ की। पूछताछ के समय संतोष घर पर नहीं था, वह मुजफ्फरपुर गया था। एनआइए ने उसके भाई रौशन कुमार से आवश्यक जानकारी ली। उन्हें नोटिस देते हुए कहा कि संतोष पटना स्थित कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे।

टीम ने परिवार वालों को बताया कि दिल्ली में एक कपड़ा व्यवसायी की हत्या एके-47 से की गई थी। इस मामले में एक की गिरफ्तारी दिल्ली में हुई है, हत्यारोपित से संतोष की फोन पर बात हुई थी। टीम इसी आधार पर उसके घर पहुंची थी। बताया गया कि संतोष की मुजफ्फरपुर में कपड़े की दुकान है। टीम में एनआइए के डीएसपी जी कुमहरण, सब इंस्पेक्टर राहुल सिंह, बलवंत कुमार एवं धनंजय कुमार शामिल थे। मौके पर राजेपुर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

एम्स की तर्ज पर आईजीआईएमएस में भी मिलेंगी 90 फीसदी तक सस्ती दवाएं, इन मरीजों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

पटना, एजेंसी। एम्स की तर्ज पर अब आईजीआईएमएस में भी भर्ती रोगियों को 30 से 90 प्रतिशत तक सस्ती दवाएं व सर्जिकल उपकरण मिलेंगे। संस्थान प्रबंधन ने इसे क्रियान्वित करने के लिए सेंट्रल फार्मेसी को सीधे कंपनी से रेट कांट्रैक्ट कर आवश्यक दवाएं, सर्जिकल सामान व अन्य उपयोगी चिकित्सा सामग्री खरीदने को निर्देश दिया है। चिकित्साधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि इलाज खर्च कम करने के लिए संस्थान कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। सीधे कंपनी से खरीदारी कर रोगियों को सस्ती दवाएं व सर्जिकल सामग्री उपलब्ध कराना इसकी शुरुआत है। डॉ. मनीष मंडल ने कहा कि सेंट्रल फार्मेसी सभी जीवनरक्षक दवाओं के अलावा अधिक खपत वाली सभी दवाएं व सर्जिकल सामग्री व उपकरणों की खरीदारी सीधे कंपनी से करेगी। इससे सीएंडएफ, डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर आदि को मिलने वाला कमीशन रोगियों को नहीं देना पड़ेगा। सीधे कंपनी से बड़ी मात्रा में खरीदारी के कारण कंपनियां एम्स जैसे अस्पतालों को थोक व्यापारियों से भी अधिक छूट देती हैं। ये दवाएं सीधे कंपनी फार्मेसी तक पहुंचाती है, जिससे परिवहन लागत भी नहीं लगती है। अस्पताल की फार्मेसी लाभ कमाने के बजाय सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिए काम करता है, ऐसे में इसमें लाभ नहीं जोड़ा जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा नेशनल लिस्ट आफ इसेंशियल मेडिसिन्स की नियंत्रित कीमतों का पूरा लाभ मिलता है। कैंसर, हृदय रोगों की दवाओं पर सरकार सब्सिडी भी देती है, उसका लाभ भी मरीजों को मिलेगा।

आपसी विवाद में बुजुर्ग पर फरसे से हमला, गंभीर हालत में भर्ती

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले से आपसी विवाद में मारपीट का एक मामला सामने आया है, जहां जमीन के लिए पड़ोसी ने एक बुजुर्ग को फरसे से हमला कर जख्मी कर दिया है. घटना जिले के लगूनिया रघुकंठ वार्ड 46 मोहल्ला की है. जख्मी बुजुर्ग को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जख्मी की पहचान गांव के रहने वाले सहदेव चौधरी के बेटे विजयकांत चौधरी के रूप में की गई है. सदर अस्पताल प्रशासन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी है.

हमले में जख्मी विजयकांत ने बताया कि बुधवार की शाम वह अपने घर के बगल की जमीन की सफाई कर रहे थे. इसी दौरान उनके पड़ोसी राम चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, भरत चौधरी और शत्रुघ्न चौधरी अचानक आ कर जमीन को अपनी बताने लगे. साथ ही उन्होंने कहा कि आप जमीन की सफाई क्यों सफाई कर रहे हैं. इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद होने लगा. धीरे-धीरे विवाद बढ़ता चला गया और फिर चारों ने मिलकर बुजुर्ग की पिटाई शुरू कर दी. इसी दौरान राम चौधरी ने फरसा से बुजुर्ग के सिर पर वार कर दिया. इससे वह लहू लुहान हो गए. हल्ला होने पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और तत्काल जख्मी को समस्तीपुर सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया. यहां से उन्हें बेहतर उपचार के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है. घटना को लेकर मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पिंकी प्रसाद ने बताया कि जमीनी विवाद के कारण मारपीट की घटना सामने आई है. मामले में जख्मी विजयकांत चौधरी के बयान पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. जिसमें राम चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, भरत चौधरी एवं शत्रुघ्न चौधरी को आरोपी बनाया गया है.

इंटरनेट के इस्तेमाल में बिहार के गांव अव्वल, महिलाएं भी देश से आगे

पटना, एजेंसी। इंटरनेट की उपलब्धता और स्मार्ट मोबाइल का ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रचार-प्रसार के कारण बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता तेजी से बढ़ी है. कई वर्गों में यह देश के औसत से ज्यादा दर्ज की जा रही है. डिजिटल साक्षरता, वित्तीय डिजिटल लेन-देन सक्षमता बढ़ने के पीछे बैंकिंग व्यवस्था में तकनीकी नवाचार, नए ग्राहक मित्र सॉफ्टवेयर का प्रचलन होना, मुख्य कारण है. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार बिहार में ऑनलाइन बैंकिंग को लेकर युवाओं के बीच आयी जागृति से ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी घर बैठे बैंकिंग लेन-देन कर रहे हैं. नेट से सूचना ढूंढ़ रहे हैं.

रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट का उपयोग कर सूचना ढूंढ़ने, इंटरनेट सेई-मेल और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन में ग्रामीण बिहार

का औसत देश से ज्यादा है. स्कूल कॉलेज जानेवाले ग्रामीण आबादी (15 से 24 वर्ष) और ग्रामीण युवा (15 से 29 वर्ष) का राष्ट्रीय औसत क्रमश 21 और 22 है. वहीं इस वर्ग में बिहार का औसत क्रमश 24.3 और 24.1 है, जो राष्ट्रीय औसत से 3.3 और 2.1 ज्यादा है.

इंटरनेट का उपयोग कर सूचना ढूंढ़ने और ई-मेल भेजने व प्राप्त करने में बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों के किशोर (15 वर्ष) बालिकाएं व युवा (15 से 29 वर्ष) उम्र की महिलाएं, देश में इसी उम्र की किशोर बालिकाओं व युवा महिला की तुलना में ज्यादा बेहतर है. रिपोर्ट के अनुसार 15 वर्षव उससे ऊपर की 51.4 ग्रामीण बच्चियां इंटरनेट संचालन मेंव 29.5 बच्चियां ई-मेल संचालन में दक्ष है. इसी वर्ग में ग्रामीण बच्चियां की दक्षता 63.6 और ई-मेल संचालन में दक्षता 40.7 है. वहीं 15 से 29 वर्षकी ग्रामीण महिलाओं का राष्ट्रीय औसत 54.8 की तुलना में 60.7 है. ऑनलाइन बैंकिंग मामले में बिहार के युवा कई वर्गों में राष्ट्रीय औसत के नजदीक है. 15 वर्ष के 33.3 किशोर सक्षम है. वहीं राष्ट्रीय औसत 37.8 है.15 से 29 के युवा वर्ग में राष्ट्रीय औसत 40.6 तो बिहार के 34.4 युवा सक्षम हैं. 15 वर्ष उम्र वर्ग में पुरुषों का राष्ट्रीय औसत 47.1, महिलाओं का 25.2 है. बिहार के पुरुषों का औसत 42.9 तो महिलाओं का 18.1 है. 15 से 29 उम्र वर्ग में पुरुषों का राष्ट्रीय औसत 50.5 व महिलाओं का 28.5 की तुलना में बिहार के पुरुषों का औसत 45.3 तो महिलाओं का 18.9 है.

बिहार पुलिस का जवान 5 दिन से गायब, पत्नी ने लगाया महिला सिपाही पर आरोप

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में रहने वाला पुलिस का एक जवान पांच दिनों से गायब है. पत्नी ने बताया कि धर्मेंद्र कुमार 5 दिन पहले फोटो कॉपी कराने के लिए घर से निकले. लेकिन, वापस लौट कर नहीं आए. उनका फोन भी बंद आ रहा है. पत्नी संजू देवी ने जवान के गायब होने के पीछे एक महिला सिपाही के हाथ होने का आरोप लगाया है. उन्होंने बताया कि महिला सिपाही से जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था. वो मेरे पति को जान से मारने की धमकी भी दी थी.

मिली जानकारी के मुताबिक, संजू देवी ने पति धर्मेन्द्र कुमार के गायब होने का मामला दर्ज कराया है. उन्होंने बताया कि मेरे पति बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं. इनकी तैनाती आरण्य भवन में है. वे 14 दिसंबर को ड्यूटी से लौट कर घर आए. थोड़ी देर बाद ही घर से फोटो कॉपी कराने के लिए निकले. सरकारी पिस्टल भी साथ ले गए. काफी देर बाद भी वे नहीं लौटे तो मैंने फोन किया. उन्होंने बताया कि कुछ देर में आता हूं. अब धर्मेंद्र का कुछ अता-

पता नहीं है. उनका मोबाइल भी स्वीच ऑफ आ रहा है.

पत्नी संजू ने आगे बताया कि मेरे पति ने दीघा में एक जमीन लेने के लिए बात की थी. वह जमीन सासाराम में कार्यरत महिला सिपाही पम्मी पांडे का है. मेरे पति ने पम्मी को 70 हजार एडवांस दे दिया था. कुछ दिन बाद पम्मी ने वह पैसा वापस कर दिया. मेरे पति ने कहा कि मुझे जमीन चाहिए, मैंने एग्रिमेंट कराया है. इसी बात पर महिला सिपाही ने पति को जान से मारने की धमकी दी थी. मुझे शक है कि मेरे पति को गायब करवाने में उसी का हाथ है.

पटना एयरपोर्ट के थानाध्यक्ष पीटर ने बताया कि संजू देवी के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है. गायब जवान के मोबाइल लोकेशन की जांच की जा रही है. बंद होने के समय मोबाइल का लोकेशन दानापुर बिस्कुट फैक्ट्री के पास था. पुलिस महिला सिपाही से भी पूछताछ करेगी. फिलहाल मामले की जांच की जा रही है.

जाम से परेशान पटना के लोगों के लिए गुड न्यूज, ट्रैफिक एसपी ने लिया बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। जाम से परेशान पटना के लोगों के लिए ऐ गुड न्सूज है. जाम से निजात दिलाने के लिए पटना के ट्रैफिक एसपी ने बड़ा निर्णय लिया है. पटना के ट्रैफिक एसपी के निर्देश पर पटना के बाहरी इलाकों के लिए ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है. इस बदलाव के बाद शहर में जाम की समस्या कम होने की उम्मीद की जा रही है. अभी बिहार की राजधानी पटना में लगातार जाम की समस्या देखने को मिल रही है. इससे आम लोग और सड़क मार्ग से यात्रा करने वालों दोनों को काफी परेशानी होती है. कई दफे जाम की वजह से परीक्षा छूट जाती है और कई बार जाम की वजह से भी बीच रास्ते में मरीज दम तोड़ देते हैं.

विभागीय जानकारी के अनुसार हाजीपुर (वैशाली) से बड़ी संख्या में ट्रक गांधी सेतु होकर पटना पहुंचता है. इस वजह से न्यू बाईपास, जीरो माईल, जगनपुरा, सिपारा पुल, बेउर मोड़ समेत कई इलाकों में जाम लग जाता है. इस वजह से ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने ट्रैफिक रूल में बदलाव किया है. इसको लेकर जो नया ट्रैफिक रूट तय किया गया है, उसके अनुसार बड़े वाहनों (ट्रक) को जीरो माईल से पश्चिम पटना शहरी क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए समय निश्चित किया गया है. बड़े वाहन (ट्रक) रात 10ञ्00 बजे से सुबह 06ञ्00 बजे तक प्रवेश कर सकेंगे. इसके बाद उनके लिए नो एंट्री के नियम लागू हो जाएंगे.

यातायात संबंधित परेशानियों से जूझ रहे लोगों का मानना है कि इस नियम के तहत यह फायदा होगा की लोगों को जाम की समस्या से बड़े पैमाने पर निजात मिलेगी. वैसे इस नियम के तहत आवश्यक सेवा (टैंकलोरी, इंधन आपूर्ति वाहन / दूध वाहन/एम्बुलेंस वाहन / शव वाहन / अग्नि शमन सेवाओं के वाहन) को बाहर रखा गया है. इमरजेंसी वाहन किसी भी इलाके में कभी भी जा सकेंगे. ऐसा कहा गया है इन वाहनों का शहर में आना अति जरूरी है लिहाजा इनको लेकर कोई भी रोक टोक लागू नहीं होंगे. बहरहाल जाम से रेंगते पटना को इस रूट प्लान से कितना राहत मिलता है यह आनेवाला समय बतायेगा.

आपके सिम से बहुत ज्यादा कॉल हुए हैं... यह सुनते ही काट दें फोन; साइबर ठगी का नया पैंतरा आजमा रहे ठग

पटना, एजेंसी। हेलो, ट्राई टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) आपको यह सूचना दे रहा है कि आपके फोन नंबर से गैरकानूनी कॉल के कारण आपका मोबाइल नंबर दो घंटे में बंद हो जाएगा। अधिक जानकारी के लिए 9 दबाएं, ग्राहक सेवा के लिए जीरो दबाएं...।

यह भी कहा जाता है कि आपने सामान्य से अधिक कॉल किए हैं। यह रिकॉर्डेड कॉल आजकल लोगों के मोबाइल पर आ रही है। कई बार यह नंबर अलग-अलग कंट्री कोड से आ रहा है। गलती से अगर ऐपने फोन रिसीव कर लिया और बताए गए नंबर को डॉयल कर निर्देशों का पालन करते गए तो आप डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के शिकार हो सकते हैं।

यह लोगों को स्वयं ही जाल में फंसने के लिए बाध्य करने की साइबर ठगों की नई चाल है। इस तरह के काल आ रहे है तो इसका भूल से भी संज्ञान नहीं लें। तीन दिन पूर्व ही एक शिक्षक नंबर दबाने के चक्कर में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के शिकार हो गए। साइबर थाने की पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच कर रही है। शास्त्रीनगर निवासी युवक पेशे से शिक्षक हैं। दोपहर करीब 12 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक अनजान नंबर से फोन आया। रिकार्डेड कॉल था। रिसीव करते ही बोला गया कि आपका नंबर दो घंटे में बंद हो जाएगा। इसका कारण जानने के लिए एक दबाएं। वह घबरा गए और एक नंबर दबा दिया। बताया गया कि उनका नंबर काल ट्राई में लग गया। वहां जिससे बात हुई उसने अपना परिचय दिया और खुद को सीनियर एडवाइजर ऑफ ट्राई दिल्ली बताया। इंप्लॉई कोड के नाम पर कुछ नंबर बताया। फिर उनसे आधार कार्ड नंबर पूछकर ले लिया और बताया कि इससे एक

सिम लिया गया है, जो कि मुंबई में काम कर रहा है। उसका नंबर भी बताया। सिम कार्ड लेने वाले का पता तिलक नगर मुंबई बताया। सिम कार्ड लेने की तिथि भी बताई। उसने कहा कि उक्त नंबर से फोन कर लोगों को डराया धमकाया जा रहा है। इस नंबर के खिलाफ केस दर्ज है। ठगी पूरी तैयारी के साथ काम कर रहे ठगों ने केस दर्ज होने की बात बोलकर कार्रवाई का डर दिखाते हुए उन्हें आगे बातचीत करने को विवश कर दिया। धीरे-धीरे पीड़ित पर दबाव बढ़ाने लगे, फिर नई चाल चलते हैं। उन्हें बताया गया कि आपको मुंबई आना होगा। असमर्थता जताने पर कहा कि मुंबई साइबर ब्रांच में आपका ऑनलाइन बयान लिया जाएगा। यह कहकर कॉल को साइबर ब्रांच के नाम पर फारवर्ड कर दिया। वहां ऑनलाइन स्टेटमेंट देने के लिए एक वाट्सएप नंबर बताया गया और उसे फोन में सेव करने को कहा गया। फिर अपना नाम तथा राज्य लिखकर भेजने को कहा। पीड़ित ने अपना और राज्य का नाम उक्त नंबर पर भेज दिया। वाट्सएप नंबर सेव करने के तुरंत बाद उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल आया। उधर से कहा गया कि ऑनलाइन स्टेटमेंट के लिए आप एकांत कमरे में पहुंचकर बात करें। वह वैसा ही करते गए, जैसा ठग उनसे कहते गए। वह एक कमरे में बैठ गए, इसके बाद बारी-बारीपांच से छह ठग स्वयं को मुंबई साइबर ब्रांच का अधिकारी बताते हुए उनसे पूछताछ करने लगे। उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के लिए डराया गया, धोखाधड़ी में नाम शामिल करने की धमकी दी गई। उसी समय उनके नंबर पर एक फर्जी अरेस्ट ऑर्डर का पेपर भेजा गया, इसी डर ने उन्हें तनाव में ला दिया। उन्हें इससे बचने के लिए एक बैंक का खाता नंबर भेजा गया और उसमें 98 हजार रुपये ट्रांसफर करने की बात कही। वह डर गए और ठगों के खाते में पैसा ट्रांसफर कर दिए, इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसी तरह के कॉल इन दिनों आरबीआई के नाम पर भी आ रहे हैं, जबकि इस तरह के कोई भी कॉल आरबीआई से कभी नहीं किए जाते हैं। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने पूर्व में इस तरह के कॉल को लेकर अलर्ट किया था। किसी भी दूरसंचार ग्राहक के किसी भी मोबाइल नंबर को ब्लॉक या डिस्कनेक्ट नहीं किया जाता।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

गंगा की तीन धाराओं को एक धारा में प्रवाहित कर भागीरथ बना सिंचाई विभाग, सीएम ने दिए थे निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिव्य और भव्य महाकुम्भ को आयोजित कराने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जो सफलता प्राप्त की है, वह च्भगीरथ प्रयासज की याद दिलाती है। अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए घोर तपस्या करके भगीरथ मां गंगा को धरती पर लेकर आए थे। वहीं वर्तमान में विभिन्न कारणों से अपने प्राकृतिक स्वरूप से तीन धाराओं में बंटी मां गंगा को एक धारा में प्रवाहित करके सिंचाई विभाग ने च्भगीरथज की भूमिका निभायी है। प्रयागराज में शास्त्री ब्रिज से लेकर संगम नोज तक मां गंगा तीन धाराओं में विभाजित हो गई थीं, जिससे न केवल पवित्रता प्रभावित हो रही थी, बल्कि महाकुम्भ के आयोजन में भी कठिनाइयां आ रही थीं। ऐसे में दोबारा एक धारा में प्रवाहित कर मां गंगा को वास्तविक स्वरूप प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ को दिव्य-भव्य आयोजित कराने एवं श्रद्धालुओं को संगम पर सुगम स्नान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में महाकुम्भ में आने वाले करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए संगम नोज पर तीन धाराओं में बह रहीं मां गंगा को एक धारा में प्रवाहित करने की रणनीति तैयार की गयी। इससे मां गंगा के तट पर ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को एक साथ स्नान की सुविधा मिलने के साथ पहली बार तीन अलग-अलग जगह स्नान की जगह एक ही स्थान पर स्नान की सुविधा मिलेगी। मेले की सुचारू व्यवस्था के लिए गंगा नदी के प्रवाह को एकरूप करना बहुत आवश्यक था। शास्त्री ब्रिज से लेकर संगम नोज तक मां गंगा तीन धाराओं में बटी हुई थी, जिससे मेला क्षेत्र सीमित और अव्यवस्थित होता जा रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस चुनौती से निपटने के लिए मां गंगा की बायीं और दायीं धाराओं को एक प्रवाह में लाने की योजना बनाई गई।

आईआईटी गुवाहाटी की विशेषज्ञ टीम की मदद से मूल स्वरूप में लौटीं मां गंगा

योजना को साकार करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी के विशेषज्ञ टीम की मदद ली गई। सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर संगम क्षेत्र के मां गंगा प्रवाह के विस्तार के लिए तीन विशाल ड्रेजिंग मशीनों को लगाया गया है। शुरुआत में मां गंगा का तेज प्रवाह और ऊंचा जल स्तर इस कार्य में सबसे बड़ी बाधा साबित हो रहा था। इससे ड्रेजिंग मशीनों को तेज धारा में स्थिर रखना और नदी की दोनों धाराओं को बीच की धारा में मिलाना कठिन हो रहा था। इस पर शास्त्री ब्रिज के पास तीनों ड्रेजरों को अलग-अलग बिंदुओं पर लगाया गया। इसके साथ ही मेला क्षेत्र को विस्तार देने के लिए बालू की आवश्यकता थी। काम के दौरान मां गंगा की प्रबल धारा के कारण भारी-भरकम ड्रेजिंग मशीनें बार-बार अस्थिर हो रही थीं। डिस्चार्ज पाइप मुड़ जाते और मशीनों को नियंत्रित करना कठिन हो जाता। टीम ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए बड़े एंकरों और पॉटून ब्रिज का सहारा लिया। मोटे रस्सों का उपयोग कर ड्रेजरों को नदी के किनारों से स्थिर रखा गया।

करीब 22 हेक्टेयर अतिरिक्त जगह मिली, एक साथ स्नान कर सकेंगे बड़ी संख्या में श्रद्धालु

वहीं ड्रेजिंग कार्य तीन शिफ्टों में युद्धस्तर पर किया गया। जब तेज प्रवाह के कारण एक ड्रेजर का स्पड (समर्थन पिन) क्षतिग्रस्त हो गया और दूसरा किनारे की ओर धकेल दिया गया, तब भी टीम ने धैर्य नहीं खोया। उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन और टीम के दृढ़ संकल्प से कार्य लगातार प्रगति करता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सलाह पर चौथे ड्रेजर को तैनात किया गया, जिससे कार्य की गति और गुणवत्ता में सुधार हुआ। अंततः अथक परिश्रम और समर्पण से गंगा की तीन धाराओं को एक प्रवाह में समाहित कर दिया गया। संगम क्षेत्र का सर्कुलेशन एरिया अब पहले से कहीं अधिक विस्तृत और सुव्यवस्थित है। वर्तमान में मां गंगा के एक धारा में प्रवाहित होने से मेला क्षेत्र को करीब 22 हेक्टेयर अतिरिक्त जगह मिली है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ एक जगह पर स्नान कर सकेंगे। इस जगह को समतल करने के लिए पांच लाख मीट्रिक टन बालू की व्यवस्था की गयी।

संक्षिप्त समाचार

सभासद उपचुनावः पैंतेपुर वार्ड से सरदार आलम और महमूदाबाद खास में अय्यूब सभासद निर्वाचित

सीतापुर, एजेंसी। सीतापुर जिले के तीन निकायों में रिक्त पदों पर सभासद उपचुनाव हुए थे। बृहस्पतिवार को मतों की गिनती की जा रही है। तहसील महमूदाबाद में दो व महोली में एक पद के लिए मतों की गिनती की जा रही है। इस बीच पैंतेपुर वार्ड बरातपुर से सरदार आलम को जीत मिली है। वहीं, अय्यूब पुत्र जुम्मन वार्ड महमूदाबाद खास से सभासद निर्वाचित हुए हैं। बता दें कि जिले में सभासद के तीन पदों पर मंगलवार को उपचुनाव हुआ था। नगर पालिका महमूदाबाद में वार्ड 16 महमूदाबाद खास की सभासद ने इस्तीफा दिया था। पैंतेपुर में वार्ड के सभासद उरूज आलम की मौत के बाद यहां उपचुनाव हुआ। यहां छह प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद कार डिवाइडर पार कर मैक्स से टकराई, एक गंभीर

अलीगढ़ , एजेंसी। रोरावर थाना क्षेत्र में 18 दिसंबर शाम खेरेश्वर चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा, कार डिवाइडर पार कर दूसरी साइड में जाकर मैक्स से टकरा गई। हादसे में घायल हुए बाइक सवार की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा 18 दिसंबर शाम करीब चार बजे हुआ। कार सवार राजकुमार निवासी खलीपुरा जयपुर राजस्थान अपने दोस्त के साथ मेरठ से अपने गांव जा रहे थे। कार तेज रफ्तार पर थी और हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए, एयर बैग खुलने की वजह से चालक और उसका दोस्त बच गए। हादसे के बाद नो एंट्री रोकने में लगे पुलिस कर्मी दौड़कर पहुंचे और घायल बाइक सवार गांव हरदासपुर निवासी राजीव शर्मा को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। कार में सवार लोगों को लेकर पुलिस थाने चली गई। हादसे के बाद अलीगढ़-आगरा हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर जाम खुलवाया।

रुपये न देने पर चालान करने का आरोप

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव महगौरा के माजरा मढ़ी में मंगलवार की रात एक ही परिवार के दो महिलाओं में गाली-गलौज हो गई। पुलिस ने एक पक्ष के अमित तथा दूसरे पक्ष से दौलतराम को थाने लाने के बाद बुधवार को शांति भंग में चालान कर दिया। एक पक्ष के सुमित कुमार तथा दूसरी पक्ष की उर्मिला देवी का आरोप है कि दोनों पक्षों में बुधवार की सुबह समझौता हो गया। दोनों पक्षों ने लिखित में समझौता थानाध्यक्ष को दे दिया। थानाध्यक्ष ने दोनों पक्षों को छोड़ने के लिए भी कह दिया गया। आरोप है कि एक कांस्टेबल द्वारा पांच हजार रुपये की मांग करते हुए आरोपियों को नहीं छोड़ा। आरोप है कि दो हजार रुपये की व्यवस्था भी कर ली। दो हजार रुपये देने पर कांस्टेबल भड़क गया। दोनों पक्षों के दो लोगों का शांति भंग में चालान कर दिया गया है। थानाध्यक्ष अरुण पवांर ने बताया कि आरोप निराधार हैं, शांति भंग में अमित व दौलतराम को भेजा गया है।

किशोरी से दुष्कर्म की थाने में दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी

अलीगढ़ , एजेंसी। क्षेत्र के एक गांव की किशोरी के साथ दुष्कर्म की थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। किशोरी ने तहरीर में बताया कि उसके परिजन जब काम के लिए चले जाते हैं तो वह घर पर अकेली रह जाती है। इसी दौरान आरोपी युवक डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करता है। विरोध करने पर उठा ले जाने की धमकी देता है। किशोरी ने बताया कि हिम्मत कर उसने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों ने आरोपी युवक से पूछताछ की तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें पीट दिया। 18 दिसंबर शाम को किशोरी के परिजनों ने थाने में तहरीर दी है।

युवक की हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा, तीन साल पहले हुई थी वारदात

बरेली , एजेंसी। बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र के तीन साल पुराने हत्या के मामले में दोषी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पचपेड़ा गांव निवासी चंद्रपाल ने 23 अप्रैल 2021 को बहेड़ी थाने में हरेंद्र उर्फ पाली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि पड़ोस के डूंगर प्रसाद की बेटी की शादी थी।

बदला प्रदेश का मौसम, इन जिलों के लिए जारी हुई घने कोहरे की चेतावनी, तेजी से नीचे गिरेगा पारा

लखनऊ , एजेंसी। पुरवाई के असर से मौसम में बदलाव के बीच यूपी के तराई इलाकों में बुधवार को घना कोहरा देखने को मिला। दिन व रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज हुई। घने कोहरे की वजह से बरेली और आगरा में दृश्यता शून्य तक सिमट गई। बलिया, अमेठी, बहराइच आदि में दृश्यता 200 मीटर तक रही। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए यूपी के 30 से ज्यादा जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। अगले दो दिन यूपी में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़त के आसार हैं। साथ ही पूर्वा हवा के असर से तराई और पूर्वांचल समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में घना कोहरा छाएगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि 21 दिसंबर तक मौसम ऐसा ही रहने वाला है। 22 से नए विकसित हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से पुरवाई थमेगी और उत्तरी पश्चिमी हवाएं चलेंगी। इससे फिर से तापमान में गिरावट आनी शुरू होगी और कोहरा छंटेगा।

प्रदेशभर में बुधवार को अधिकतम तापमान की बात करें तो बहराइच में सर्वाधिक 26.4 डिग्री, प्रयागराज में 25.9 डिग्री और अमेठी में 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान बुलंदशहर में सबसे कम 5 डिग्री, चुर्क में 5.6 डिग्री और कानपुर में 6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

इन जिलों में होगा घना कोहराः बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं और आसपास के इलाकों में।

भावुक सतीश महाना बोले- 403 में से कोई एक भी सदस्य अविश्वास जताएगा तो पद छोड़ दूंगा, सदन नियम से चलेगा

लखनऊ , एजेंसी। विधानसभा में उस समय सन्नाटा पसर गया, जब विधानसभा अध्यक्ष ने घोषणा कर दी कि जिस दिन 403 में से एक भी विधायक मेरे प्रति विश्वास जताएगा तो मैं उसी दिन पद छोड़ दूंगा। महाना ने कहा कि जब तक मैं इस पीठ पर बैठा हूं, तब तक सदन नियम से चलेगा। कोई सदस्य इसके विपरीत आचरण करेगा तो मैं उसके खिलाफ कार्रवाई जरूर करुंगा। उन्होंने कहा कि मैं जिस जाति से आता हूं, उस जाति का कोई वोट बैंक नहीं है। मैं सभी जातियों के समर्थन से ही चुनाव में जाता हूं और सभी विधायकों की सर्वसम्मति से ही मुझे पीठ पर बिठाया गया है, इसलिए नियम से सदन का संचालन मेरी जिम्मेदारी है।

दरअसल मंगलवार को एक विधायक ने मीडिया के सामने विधानसभा अध्यक्ष पर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया था। बुधवार को सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि संसदीय परंपरा में पीठ का सम्मान सर्वोच्च है। इसके बावजूद जिस तरह से एक विधायक द्वारा पीठ पर टिप्पणी की गई है, वह सदन की गरिमा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सदस्य के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पांडेय ने विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दे को एथिक्स कमेटी को भी सौंपे जाने की मांग रखी। सपा के डॉ. संग्राम यादव और महबूब अली ने भी पीठ पर आरोप लगाने को गलत बताते हुए पीठ के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

संग्राम ने साधा मनोज पर निशानाः विपक्ष की एक विधायक द्वारा पीठ पर आरोप लगाए जान के मुद्दे पर चर्चा के दौरान सपा के संग्राम यादव ने अपने ही दल के बागी विधायक पर भी निशाना साधा। संग्राम ने पीठ के खिलाफ टिप्पणी की आलोचना तो की, लेकिन मनोज पांडेय का नाम लिए बगैर तंज कसा कि जनता को बीच में धोखा देने वालों के मुंह से संसदीय लोकतंत्र की बातें शोभा नहीं देती हैं। इस पर मनोज पांडेय ने भी कहा कि रामचरित मानस जलाने वालों पर भी भरोसा नहीं है।

ब्लॉक प्रमुख सनक सिंह हत्याकांडः अजय के खिलाफ 35 वर्ष बाद भी दाखिल नहीं की चार्जशीट, पुलिस पर गंभीर आरोप

आगरा , एजेंसी। फिरोजाबाद के ब्लॉक प्रमुख स्व. चौधरी सनक सिंह यादव एवं सुरक्षाकर्मी श्रीनिवास हत्याकांड में दोषी संजय दीक्षित को न्यायालय की ओर से आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि अजय दीक्षित के खिलाफ 15 अप्रैल 1993 को भेजी गई चार्जशीट अभी तक न्यायालय में दाखिल नहीं की गई। पुलिस प्रशासन का यह रवैया यह दर्शाता है कि वह विपक्षियों को बचाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लड़ाई अभी आगे लड़ी जाएगी।

थाना उत्तर क्षेत्र गांधीनगर निवासी तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख चौधरी सनक सिंह यादव एवं उनके अंगरक्षक श्रीनिवास की 25 अगस्त 1989 को गोपाल आश्रम प्रांगण में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में दोनों की मौत हो गई थी। इस मामले में संजय दीक्षित, उसके भाई अजय दीक्षित एवं अशोक दीक्षित निवासी मोहल्ला गंज थाना उत्तर के खिलाफ अभियोग दर्ज कराया था। इस मुकदमे में अपर जिला जज कोर्ट नंबर 15 राजीव कुमार पालीवाल की अदालत ने संजय दीक्षित को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ 75 हजार का अर्थदंड लगाया है। इस मुकदमे की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित यादव ने बताया कि इस मुकदमे में 4 अक्तूबर 1989 को अशोक दीक्षित, अजय एवं संजय दीक्षित के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसके बाद 26 अक्तूबर 1989 को चार्जशीट अशोक दीक्षित तथा संजय दीक्षित के खिलाफ दाखिल की गई थी। जबकि अजय दीक्षित के खिलाफ 15 अप्रैल 1993 को भेजी गई चार्जशीट अभी तक दाखिल नहीं की गई।

यूपी के ऊर्जा मंत्री बोले- बिजली की स्थिति धरातल पर ठीक नहीं, बेहतरी के लिए कर रहे निजीकरण

लखनऊ , एजेंसी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि बिजली विभाग में कमियां हैं। धरातल पर स्थिति अच्छी नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद बिजली कर्मचारियों के नाक के नीचे और उनकी जानकारी में चोरियां हो रही हैं। प्रदेश को अगर 24 घंटे बिजली देनी है, विकास के पथ पर चलना है तो व्यवस्था का निजीकरण जरूरी है। नोएडा और आगरा में इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

विधान परिषद में सपा के सदस्यों ने कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिये बिजली विभाग के निजीकरण का मुद्दा उठाया था। सपा के मुकुल यादव और शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने कहा कि पूंजीपति घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार निजीकरण कर रही है।

विभाग की बेशकीमती जमीनों और परिसंपत्तियों को सरकार पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है। अगर चोरी हो रही है तो सख्ती करके उसे रोका जाए। न कि विभाग को पूंजीपतियों को सौंप दिया जाए। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि यह भी बताया जाए कि नई व्यवस्था में आरक्षण की व्यवस्था रहेगी या नहीं। निजीकरण, आरक्षण को खत्म करने की एक साजिश है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने चर्चा के दौरान कहा कि योगी सरकार ने 1.5 लाख मजरों तक बिजली पहुंचाई है। हवा-पानी के बाद बिजली हर व्यक्ति की जरूरत है। 2001 में गुजरात में जबरदस्त बिजली संकट था। नई व्यवस्था लागू करके वहां अब 24 घंटे बिजली मिल रही है। यूपी में हर यूनिट बिजली पर घाटा है। यहां संगठित चोरी हो रही है। संभल में मस्जिदों में भी बड़ी बिजली चोरिया पकड़ी गई हैं। तमाम आरोपों को झेलकर भी हम व्यवस्था में सुधार के लिए कदम आगे बढ़ा रहे हैं। कर्मचारियों के दुश्चरित्र की समस्या को नहीं देखेंगे तो मुश्किलें और बढ़ेंगी। ऐसा नहीं है कि बिजली चोरी हो रही है और जेई, एई व लाइनमैन को इसका पता नहीं है। साथ ही कहा कि पीपीपी मॉडल कांग्रेस सरकार के समय में लाया गया था।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अभी नई प्रस्तावित व्यवस्था के सभी नियम-शर्तें तय नहीं हुए हैं। कर्मचारियों को भी भरोसे में लिया जा रहा है। इसके बाद सपा के आशुतोष सिन्हा ने कहा कि सरकार 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करके निजीकरण क्यों कर रही है। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने फिर दोहराया कि इससे नौकरियों में आरक्षण खत्म हो जाएगा और सपा सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए।

अतिक्रमण से मुक्त हुआ 200 साल पुराना मंदिर, पुजारी की गुहार पर डीएम ने हटवाया अतिक्रमण

गोंडा, एजेंसी। काशी और संभल के बाद बुधवार को गोंडा में भी ऐतिहासिक मंदिर को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। मुस्लिम बहुल इमामबाड़ा मोहल्ले में स्थित 200 वर्ष पुराने बड़ी संगत मंदिर परिसर पर अवैध कब्जा हो गया था। मंदिर न दिखे, इसके लिए चारों ओर टिनशेड लगवाकर वाहनों की पार्किंग बना ली गई। इसकी सूचना मिलने पर बुधवार को डीएम नेहा शर्मा पुलिस व प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचीं। मंदिर के पूरे परिसर का जायजा लिया। इसके बाद जेसीबी मंगाकर अवैध कब्जे को हटाने का अभियान शुरू कराया।

डीएम की मौजूदगी में करीब एक घंटे तक चले अभियान में मंदिर के बाहरी हिस्से से अवैध कब्जा हटवा दिया गया। साथ ही कब्जा करने वालों के साथ ही स्थानीय लोगों को हिदायत दी गई कि सभी अपने अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। प्रशासन की सख्ती के बाद कुछ स्थानीय लोगों ने कब्जा हटाने में सहयोग भी किया। डीएम ने नगर मजिस्ट्रेट व नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को जिम्मेदारी दी कि मंदिर के एक इंच स्थान पर भी कब्जा न रहने पाए। शाम होने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान रोक दिया गया। बृहस्पतिवार सुबह फिर से अभियान चलेगा।

डीएम ने बताया कि मंदिर को पुराने स्वरूप में लाने की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही सभी अवरोध समाप्त हो जाएंगे। मौके पर शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल मुस्तैद है। स्थानीय लोग पूरे सौहार्द से अतिक्रमण हटाने में सहयोग कर रहे हैं।

शहर के इमामबाड़ा मोहल्ले के 200 वर्ष पुराने बड़ी संगत मंदिर परिसर में कुछ स्थानीय लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर टिनशेड लगवा लिया था। रास्ते में वाहन खड़े करने लगे थे। इससे मंदिर जाने का रास्ता अवरुद्ध हो रहा था। आसपास कबाड़ ढेर कर दिया गया था। कूड़ा-कचरा भी फैला रखा था। मंदिर के पुजारी और भक्तों ने जिलाधिकारी नेहा शर्मा से शिकायत की थी। जिसके बाद बुधवार को वह मौके पर पहुंची थीं। जिलाधिकारी ने कहा, मंदिर पर दोबारा किसी ने कब्जा करने की कोशिश की तो कड़ी कार्रवाई होगी।

नियमित होगी निगरानी

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिर और उसके आसपास नियमित रूप से सफाई अभियान चलाया जाए। उन्होंने मंदिर की ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखने के लिए विशेष उपाय करने के निर्देश भी दिए। अभियान के दौरान नगर मजिस्ट्रेट पंकज कुमार वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ वर्मा, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार मिश्र और नगर कोतवाल संतोष कुमार मिश्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संगत मंदिर को अतिक्रमण मुक्त कराने की इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय निवासियों व श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि ऐतिहासिक महत्व भी रखता है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौतः मामले की जांच के लिए पार्टी कार्यालय पहुंची पुलिस, दर्ज होगा केयरटेकर का बयान

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत की जांच के लिए पुलिस टीम बृहस्पतिवार सुबह कांग्रेस कार्यालय पहुंच गई है। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी के मुताबिक कांग्रेस दफ्तर के केयरटेकर के बयान दर्ज किए जाएंगे। सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया जाएगा। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले और इसमें शामिल लोगों से पूछताछ की जाएगी और सभी के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके पहले बुधवार देर रात फोरेंसिक टीम कांग्रेस कार्यालय पहुंची। फोरेंसिक टीम ने यहां साक्ष्य संकलित किए।

प्रभात के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। यह भी जानकारी की जाएगी कि उनके साथ गोरखपुर से कौन-कौन लोग आए थे और प्रदर्शन के दौरान प्रभात के साथ कौन लोग थे। साक्ष्य संकलन के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रभात पांडेय की मौत के मामले में उनके चाचा विज्ञान खंड गोमतीनगर निवासी मनीष ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। मनीष के मुताबिक प्रभात एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने पीजी में रहते थे। बुधवार शाम को 4:15 बजे उनके पास कांग्रेस दफ्तर से फोन आया था। बताया गया कि आपके भतीजा कांग्रेस दफ्तर में दो घंटे से बेहोश पड़े हैं। मनीष ने फौरन अपने परिचित संदीप को प्रभात के पास कार्यालय भेजा। मनीष के मुताबिक संदीप ने उन्हें फोन पर बताया कि प्रभात के हाथ पैर ठंडे हो गए हैं। संदीप के दबाव बनाने पर कांग्रेस दफ्तर के कुछ लोग प्रभात को एक इनोवा गाड़ी से सिविल अस्पताल लेकर गए।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी का रेप कराने वाले को 20 साल की सजा

पेरिस। फ्रांस में पत्नी को नशीली दवाएं खिलाकर 10 साल तक अनजान पुरुषों से रेप करवाने वाले पति और दुष्कर्म के अन्य 50 आरोपियों को 20 साल की सजा सुनाई गई है। दक्षिणी फ्रांस की एविग्नन कोर्ट ने गुरुवार को इसे लेकर फैसला सुनाया। 72 साल के आरोपी पति का नाम डोमिनिक पेलिकॉट है। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक डोमिनिक की पत्नी गिजेल पेलिकॉट के साथ दुष्कर्म के 91 मामले सामने आए थे। इनमें 72 आरोपियों की पहचान हुई थी, जिनमें से 51 को गिरफ्तार कर लिया गया था। ये सभी आरोपी इंटरनेट के जरिए डोमिनिक के संपर्क में आए थे। 51 आरोपियों में 50 को रेप का आरोपी ठहराया गया है। इसके अलावा एक आरोपी ने गिजेल से माफी मांगी थी, उसे यौन उत्पीड़न का दोषी करार दिया गया है। सुनवाई के दौरान 51 आरोपियों में से 32 जमानत पर बाहर थे। इसे लेकर गिजेल ने नाराजगी भी जताई थी। महिला से रेप करने वाले आरोपियों में फायरमैन, लॉरी ड्राइवर, नगर निगम पार्षद, बैंक कर्मी, जेल गार्ड, नर्स और पत्रकार शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक इनमें से कई ने महिला के साथ एक बार तो कई ने 6 बार तक दुष्कर्म किया। इन आरोपियों की उम्र 26 से 73 साल के बीच है। आधुनिक और लोकतांत्रिक देश की पहचान रखने वाले फ्रांस में इस मामले के बाद लोगों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बहस छिड़ गई थी। मामला सामने आने के बाद फ्रांस के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन भी हुए थे। गुरुवार यानी आज सुनवाई के दौरान भी कोर्ट रूम के बाहर कई प्रदर्शनकारी पहुंचे थे।

मुंबई नाव हादसा- चश्मदीद बोले- लाइफ जैकेट नहीं थी, टक्कर से पहले नेवी की बोट स्टंट कर रही थी

मुंबई। मुंबई में बुधवार को गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नाव के डूबने से 13 लोगों की मौत हुई। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को बताया कि रेस्क्यू टीम ने 2 घायलों समेत 98 लोगों को बचा लिया है। 2 लोग अब भी लापता हैं। सभी 13 शवों की पहचान कर ली गई है। इसमें 4 नेवी कर्मी और 9 सिविलियंस थे। नाव पर सवार दो जर्मन और एक कनाडाई नागरिक को भी बचाया गया है। नाव की क्षमता 90 यात्रियों की थी जिसमें 84 यात्री और 6 क्रू मेंबर हो सकते हैं, जबकि 100 से ज्यादा लोग सवार थे। नेवी की स्पीडबोट और नाव पर कुल 113 लोग सवार थे। नेवी की बोट पर 6 लोग थे, जिनमें से सिर्फ 2 को बचाया जा सका। नाव में सवार एक चश्मदीद ने कहा- हममें से किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। अचानक नेवी की स्पीडबोट हमारी बोट से आकर टकराई, जिसके बाद हमारी बोट डूबने लगी। करीब 25 मिनट बाद नेवी ने हमें रेस्क्यू किया। एक अन्य चश्मदीद ने इस घटना का वीडियो भी बनाया। उसने कहा- टक्कर से पहले नेवी की स्पीडबोट स्टंट कर रही थी। इसलिए मैंने रिकॉर्डिंग की। मुंबई पुलिस ने बताया कि कोलाबा पुलिस स्टेशन में नेवी बोट ड्राइवर पर केस दर्ज हुआ है। FIR में लापरवाही से मौत, दूसरों की जिंदगी खतरे में डालने, लापरवाही से नाव चलाने की धाराएं शामिल हैं। अब तक 9 लोगों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। घटना का एक और वीडियो गुरुवार को सामने आया। इसमें नेवी समुद्र में डूब रहे लोगों को रेस्क्यू करते दिख रही है। डूब रहे लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। वीडियो में उन्हें चीखते और चिल्लाते हुए सुना जा सकता है।

हरियाणा के हिसार में तापमान 0.6*, MP-राजस्थान के 9 शहरों में पारा 4 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान की तरफ से चल रही ठंडी हवा के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज हुई। हरियाणा के हिसार में तापमान 0.6 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के फरीदकोट में भी लगातार दूसरे दिन पारा 0 डिग्री के करीब रिकॉर्ड हुआ। उधर, हिमाचल के 6 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने कहा कि आज कुल्लू और लाहौल-स्पीति की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है।

उत्तर भारत में चल रही सर्द हवाओं का असर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिला। दोनों राज्यों के 9 शहरों में तापमान 4 डिग्री के नीचे बना हुआ है। राजस्थान के सीकर तापमान माइनस 0.4 डिग्री तक पहुंचा। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में पारा माइनस से नीचे चल रहा है। कई जगहों पर नदियां और झरने जमने लगे हैं। श्रीनगर में तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आंध्र-तमिलनाडु में बारिश का अलर्ट देश के उत्तरी और मध्य भारत के राज्यों में भी ठंडी का असर देखने को मिल रहा है। आंध्र, तमिलनाडु में बुधवार को बारिश का अलर्ट जारी किया गया। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में सर्दी का असर कम है। यहां फिलहाल कोहरा देखने को मिल रहा है।

हरिद्वार में रोकी गई यति नरसिंहानंद की धर्म संसद

गाजियाबाद। हरिद्वार के जूना अखाड़े में आज से शुरू होने वाली संतों की धर्म संसद को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। इससे संत समाज में आक्रोश है। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने कहा- प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के नाम पर गुंडागर्दी कर रहा है। अब मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा और अनशन करूंगा। न्यायधीशों से पूछूंगा कि हमारा क्या दोष है? क्या हम ऐसे ही मरते रहेंगे? सुप्रीम कोर्ट मुझे जेल भेजेगा या मेरा कत्ल करवाएगा, मैं तैयार हूं। वहीं संत धर्म संसद को लेकर मुखर है। जिससे टकराव की आशंका बनी हुई है। संतों का कहना है अनुमति को लेकर रक्त से लिखे पत्र मुख्यमंत्री को भेजे हैं। धर्म संसद की अनुमति मिलनी चाहिए थी। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, इसमें बांग्लादेश में मारे गए हिंदुओं को श्रद्धांजलि देनी थी। हरिद्वार में हो रही धर्म संसद की अनुमति न मिलने पर यति नरसिंहानंद और संत समाज में रोष है। यति नरसिंहानंद ने कहा-यहां उन लोगों को श्रद्धांजलि देनी थी, जो हिंदू बांग्लादेश में मारे गए हैं। पुलिस प्रशासन ने गुंडागर्दी दिखाते हुए पूरी ताकत लगाकर इसे खत्म कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के नाम पर सरकार व प्रशासन ने हमसे गुंडागर्दी की है। परसों हम अपने यज्ञ की पूर्ण आहूति करने के बाद यहां सेचल देंगे। सुप्रीम कोर्ट तक पैदल जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में अनशन कर करेंगे। वहां न्यायधीशों से पूछेंगे कि हमारी क्या गलती है? क्या इसलिए की आपका अहंकर संतुष्ट होता है? हम ऐसे ही मारे जाते रहें? हमारी ऐसे ही हत्या ही होती रहे?

उज्जैन के महामंडलेश्वर को सिर तन से जुदा की धमकी, चिट्ठी पर उर्दू में लिखा-तुम बार-बार नबी की तौहीन करते हो

उज्जैन। उज्जैन के मंगलनाथ रोड स्थित गंगाघाट श्री मौन तीर्थ पीठ के पीठाधीश्वर और निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी एक पत्र के जरिए मिली है। पत्र प्रयागराज से उर्दू में लिखकर भेजा गया है। महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि ने बताया कि, सगीर अहमद पिता रिजवान नाम के व्यक्ति ने नवाब नगर करेली प्रयागराज यूपी के पते से एक लिफाफे में बंद उर्दू से लिखा पत्र भेजा है। पत्र में जान से मारने की धमकी दी गई है। चिट्ठी पर लिखा है कि तुम बार-बार नबी की तौहीन करते हो। यह पहली बार नहीं है जब सुमनानंद गिरि को इस तरह का पत्र मिला है। इसके पहले भी साल 2023 में किसी अज्ञात व्यक्ति ने अखाड़ा परिषद की बैठक के दौरान उर्दू में पत्र भेजकर धमकी दी थी। उर्दू में लिखे इस पत्र में भी सिर तन से जुदा करने की बात कही गई थी। 'खामोश सफर में आप हमारी जमात (समुदाय) को मुसलसल (लगातार) गुमराह कर रहे हैं और हम आपके लिए कयामत (प्रलय) का इंतजार नहीं करेंगे। वैसे आप खुद एक मरदूद (बहिष्कृत) हैं। अल्लाह ने खुद आपको तोड़ा है, लेकिन शैतान आपके दिमाग में दाखिल होकर आपको धोखा दे रहा है।' 'हम अपने दीन और ईमान की हिफाजत में पूरी तरह मजबूत हैं। राम मंदिर पर एक दिन अजान गूंजेगी। अपने आप को बचा सकते हो, तो बचा लो। इंशाल्लाह हम कामयाब होंगे।' महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज पहले अपने आश्रम में मुस्लिम लड़कियों को सनातन धर्म में लेकर उनका सनातन रीति-रिवाज से आश्रम में ही विवाह करा चुके हैं। 10 अगस्त 2024 की रात 10.37 बजे तीन युवकों ने आश्रम परिसर में बिना अनुमति घुसने की कोशिश की। इन युवकों ने आश्रम द्वारा संचालित वेद विद्यालय में कुछ विद्यार्थियों के पास जाने की कोशिश की। गार्ड चतुर्भुज और वार्डन राहुल शर्मा ने रोका तो बदसलूकी की। तीनों युवकों ने गार्ड और वार्डन के साथ हाथापाई तक की।

ढाका में भारतीय और बांग्लादेशी मौलानाओं के समर्थकों में झड़प

4 की मौत, सैकड़ों घायल, इज्तिमा मैदान पर कब्जे को लेकर भिड़े

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 40 किमी दूर टोंगी कस्बे में इज्तिमा के आयोजन को लेकर मंगलवार को मौलानाओं के दो गुटों में हंगामा हो गया। इस हंगामे में भारत के मौलाना साद और बांग्लादेश के मौलाना जुबैर के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प हुई। मारपीट में 4 लोगों की मौत हो गई है, इसके अलावा सौ से ज्यादा लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों ने 7 लोगों की मौत का दावा किया है। प्रशासन ने इलाके में धारा 144 लागू कर सेना को तैनात कर दिया है। टोंगी में झड़प के बाद घायलों को ढाका के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां एक बार फिर दोनों गुटों में भिडंत हो गई। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में गृहमंत्री मोहम्मद जहांगीर आलम ने कहा कि 4 लोगों की मौत का केस दर्ज कर लिया गया है। मैदान के कब्जे को लेकर हुई झड़प बांग्लादेश पुलिस के मुताबिक मौलाना साद के समर्थक (सादपंथी) शुक्रवार, 20 दिसंबर से टोंगी मैदान में 5 दिवसीय इज्तिमा आयोजित करना चाहते हैं। मौलाना जुबैर के समर्थक उन्हें यहां इज्तिमा नहीं करने देना चाहते। इसके चलते जुबैर के समर्थकों ने पहले से ही इज्तिमा मैदान पर कब्जा कर लिया।

मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे मौलाना साद के समर्थक मैदान में पहुंच गए थे। इसके बाद झड़प शुरू हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद से जुबैर समर्थक दो चरणों में होने वाले टोंगी इज्तिमा को एक चरण में करने की मांग कर रहे हैं। जुबैर समर्थकों का आरोप है कि हसीना की पार्टी ने मुस्लमानों को बांटने के लिए इज्तिमा को दो चरणों में शुरू किया था। दूसरी ओर जुबैर समर्थकों ने मौलाना साद के समर्थकों पर भारत के एजेंट होने का आरोप लगाया है। अक्टूबर से साद के समर्थकों के खिलाफ रैलियां करना शुरू कर दिया था। कौन है मौलाना साद मौलाना मोहम्मद साद कंधलवी एक भारतीय मुस्लिम स्कॉलर और प्रचारक हैं। वे तबलीगी जमात के संस्थापक मोहम्मद इलियास कंधलवी के परपोते हैं। मौलाना साद तबलीगी जमात के निजामुद्दीन धड़े के प्रमुख हैं। मौलाना साद को 2017 में आल इंडिया और टोंगी इज्तिमा (बांग्लादेश) का प्रमुख चुना गया था। इसके बाद से मौलाना साद और जुबैर के पक्षों में विवाद शुरू हो गया था। टोंगी में 2011 से इज्तिमा दो चरणों में होता है। पहले मौलाना जुबैर के समर्थक और बाद में मौलाना साद के समर्थक इज्तिमा का आयोजन करते हैं।

अमेरिका का आरोप- लंबी दूरी की मिसाइल बना रहा पाकिस्तान

एजेंसी, वॉशिंगटन

♦ प्रोग्राम से जुड़ी 4 कंपनियों पर बैन लगाया, कहा- इससे सामूहिक विनाश का खतरा

अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान पर लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने का आरोप लगाया। मिसाइल प्रोग्राम से जुड़ी पाकिस्तान की 4 कंपनियों पर बैन लगाया है। इनमें पाकिस्तान की सरकारी एयरोस्पेस और डिफेंस एजेंसी, नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलेक्स (NDC) भी शामिल है। पाकिस्तान बोला- शांति के लिए बना रहे थे बैलिस्टिक मिसाइलें पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को अमेरिका के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और पक्षपाती बताया है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी बैन से हमारी क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचेगा। ये प्रोग्राम पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा करने और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी था। पाकिस्तान के खिलाफ जारी रहेगी अमेरीकी कार्रवाई न्यूज एजेंसी ANI ने अमेरिका के हवाले से बताया कि बैन की गई चारों कंपनियां पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए जरूरी टूल मुहैया करा रही थीं। अमेरिका आगे भी इस तरह की एक्टिविटी के खिलाफ एक्शन लेता रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान की शाहीन-सीरीज बैलिस्टिक मिसाइलें NDC की मदद से ही तैयार की गई हैं। इसके अलावा कराची की अख्तर एंड संस प्राइवेट कंपनी पर आरोप है कि उसने मिसाइल से जुड़ी मशीनों को खरीदने में NDC की मदद की है। वहीं, एक और पाकिस्तानी कंपनी रॉकसाइड इंटरप्राइज और एफिलिएट इंटरनेशनल पर भी पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम में सहयोग करने का आरोप है।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले- औरतें नाजुक फूल, नौकरानी नहीं

एजेंसी, तेहरान

उन पर बच्चा पैदा करने की जिम्मेदारी, आदमी परिवार का खर्च उठाने को जिम्मेदार

ईरान में पिछले कुछ वक्त से महिला अधिकारों और हिजाब को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी बीच बुधवार को ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने महिलाओं को लेकर कई सोशल मीडिया पोस्ट किए। खामनेई ने कहा कि महिलाएं फूल की तरह हैं, इनकी देखभाल की जानी चाहिए।

परिवार का खर्च उठाने कि जिम्मेदारी पुरुष की है, जबकि महिलाओं पर बच्चे पैदा करने की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने वेस्टर्स कल्चर को अनैतिक बताया। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा- औरतें नाजुक फूल है, नौकरानी नहीं। घर में एक महिला को फूल की तरह माना जाना चाहिए। एक फूल की देखभाल की जानी चाहिए। कुछ लोग मातृत्व को नकारात्मक तौर पर पेश करते हैं वेस्टर्न कल्चर को लेकर ईरानी सुप्रीम लीडर ने कहा कि आज पश्चिम में जो अनैतिकता है, वह हाल ही की घटना है। जब कोई 18वीं और 19वीं सदी की किताबें पढ़ता है और उनमें यूरोपीय महिलाओं का जिक्र पढ़ता है तो पता चलता है कि उस वक्त कई सामाजिक नियम थे जैसे- शालीन कपड़े पहनना, जो आज के वक्त वहां मौजूद नहीं है।

तालिबानियों को आतंकी मानना बंद कर सकता है रूस, कोर्ट को दी संगठन को टेरेरिस्ट लिस्ट से हटाने की ताकत

एजेंसी, मॉस्को

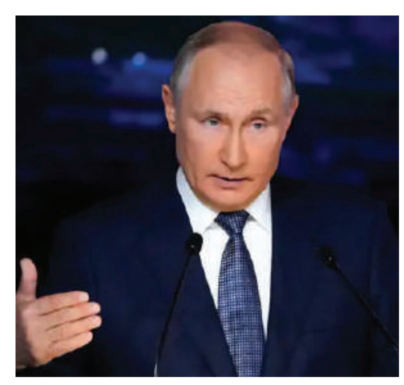

♦ सीरियाई विद्रोहियों से दोस्ती मुमकिन

रूस में कानून पारित कर अदालतों को यह ताकत दी गई है कि वो चाहें तो अब किसी भी संगठन को आतंकवादी समूहों कि लिस्ट से हटा सकती हैं। इसे लेकर मंगलवार को रूसी संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा में एक बिल पास किया गया। इस कानून के पास होने से अब रूस के लिए अफगान तालिबान और सीरिया के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (HTS) से डिप्लोमेटिक रिलेशन कायम करना आसान हो जाएगा। इस कानून के मुताबिक अगर कोई संगठन आतंकवाद से जुड़ी हुई एक्टिविटी बंद कर दे तो उसे इस लिस्ट से हटाया जा सकता है। इस कानून के तहत रूस के प्रॉसिक्यूटर जनरल अदालत में एक अपील दायर कर सकते हैं। इस अपील में बताया जाएगा कि किसी प्रतिबंधित संगठन ने आतंकवादी गतिविधियां बंद कर दी हैं।

इसके बाद जज चाहें तो उस संगठन को आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने का फैसला ले सकते हैं। रूस ने 2003 में तालिबान और 2020 में HTS को आतंकी संगठनों की लिस्ट में शामिल किया था। पुतिन ने तालिबान को आतंकवाद से लड़ने में सहयोगी बताया था तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। जिसके बाद से अभी तक किसी भी देश ने तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसी साल जुलाई में तालिबान अब आतंकवाद से लड़ने में सहयोगी बताया था। रूस ने इसी साल मई में तालिबान को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने का फैसला किया था। तब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि तालिबान असली ताकत है। हम उनसे अलग नहीं हैं। सेंट्रल एशिया में हमारे सहयोगी भी उनसे अलग नहीं हैं। HTS को भी प्रतिबंधित सूची से हटाने की मांग दूसरी तरफ सीरिया में बशर अल असद का तख्तापलट करने वाले हयात तहरीर अल-शाम (HTS) को भी इस लिस्ट से हटाने की मांग की जा रही है। सीरिया में तख्तापलट के बाद HTS को लेकर रूस के बयान पूरी तरह बदल गए हैं। पहले जहां रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सीरियाई विद्रोहियों को आतंकवादी कहा था, लेकिन तख्तापलट के अगले ही दिन रूसी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर जारी बयान में उन्हें विपक्ष कहा था। बता दें कि सीरिया में इसी साल बशर अल असद के खिलाफ 27 नवंबर को विद्रोह की शुरुआत हुई थी, जिसके 11 दिन बाद यानी 8 दिसंबर को असद खानदान की सत्ता खत्म कर दी गई।

अंबेडकर विवाद- देशभर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली।

कर्नाटक विधानसभा में हर सीट पर बाबा साहब की तस्वीर लगाई, बिहार-राजस्थान में गृहमंत्री के पुतले जलाए

देशभर में अमित शाह के अंबेडकर पर दिए बयान को लेकर प्रदर्शन चल रहा है। कांग्रेसी कार्यकर्ता अंबेडकर की तस्वीर और जय भीम के नारे लगा रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा में विरोध के तौर पर अंबेडकर की तस्वीर हर सीट पर रखी गई। बिहार-राजस्थान में गृहमंत्री के पुतले जलाए गए। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 17 दिसंबर को राज्य सभा में संविधान पर चर्चा के दौरान अंबेडकर पर दिए बयान से विवाद शुरू हुआ। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था- अंबेडकर जितना नाम अगर भगवान का लिया होता तो 7 जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

बुधवार को विपक्षी सांसद संसद में अंबेडकर की तस्वीर लेकर पहुंचे थे। कांग्रेस ने मांग की थी कि गृहमंत्री अमित शाह अपने बयान पर माफी मांगें। गुरुवार को विपक्ष ने संसद के बाहर भी प्रदर्शन किया। इस दौरान इंडिया और NDA सांसदों के बीच धक्का-मुक्की हुई जिसमें दो सांसद भी घायल हो गए।

इस बयान के बाद विपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी से शाह को बरखास्त करने की मांग की। हालांकि अमित शाह ने अपने बयान को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें उन्होंने कहा कि विपक्ष मेरी बात को तोड़ मरोड़कर पेश कर रही है। वहीं देश के अलग अलग हिस्सों में भी विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी है।

बांग्लादेश का अडाणी पर बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप

एजेंसी, ढाका

♦ रॉयटर्स का दावा- भारत से मिलने वाला टैक्स बेनिफिट रोका

अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप में घिरे अडाणी ग्रुप की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय बिजनैसमेन गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पावर पर अरबों डॉलर के बिजली समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। रॉयटर्स ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि इस समझौते के तहत जिस पावर प्लांट को लेकर डील की गई है, उसे भारत सरकार से टैक्स बेनिफिट मिल रहा है। इस बेनिफिट को अडाणी पावर बांग्लादेश को ट्रांसफर नहीं कर रहा है। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने 2017 में अडाणी पावर के साथ बिजली की खरीद को लेकर समझौता किया था। इस समझौते के तहत अडाणी पावर झारखंड में मौजूद अपने पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली सप्लाई कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश इस समझौते पर फिर बातचीत करना चाह रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस प्लांट से मिल रही बिजली दूसरे प्लांट्स की तुलना में मंहगी है। रायटर्स ने अपनी रिपोर्ट में डील से जुड़े दस्तावेजों और 7 अधिकारियों के इंटरव्यू का हवाला दिया है। अडाणी ने लेटर का जवाब नहीं दिया भारत सरकार ने 2019 में अडाणी के इस पॉवर प्लांट को स्पेशल इकोनॉमिक जोन (EEZ) का हिस्सा घोषित किया था। इसके बाद इस प्लांट को इनकम टैक्स समेत कई दूसरे टैक्स में छूट का लाभ मिला। समझौते के मुताबिक इसकी जानकारी बांग्लादेश को देना थी और टैक्स में मिलने वाली छूट से होने वाला बेनिफिट बांग्लादेश को ट्रांसफर करना था।

रॉयटर्स ने 17 सितंबर और 22 अक्टूबर के दो लेटर का जिक्र किया है। इनमें बांग्लादेश ने अडाणी से डील के मुताबिक बेनिफिट ट्रांसफर करने के लिए कहा था, लेकिन अडाणी पावर ने ऐसा नहीं किया। रॉयटर्स ने दो बांग्लादेशी अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि अडाणी ने दोनों लेटर्स का कोई जवाब नहीं दिया है। अगर टैक्स में मिलने वाली छूट बांग्लादेश को ट्रांसफर होती तो, बिजली की कीमत में लगभग 0.35 पैसे प्रति यूनिट की बचत होती।

अडाणी पावर को भुगतान में देरी कर रहा बांग्लादेश बांग्लादेश को अडाणी पावर ने जुलाई 2023 में बिजली की सप्लाई शुरू कर दी थी। हालांकि, बांग्लादेश बिजली बिल का भुगतान नहीं कर रहा है। ढाका पर सैकड़ों मिलियन डॉलर का भुगतान बकाया है। रॉयटर्स से बात करते हुए बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्री ने मोहम्मद फैजल कबीर ने कहा कि देश में अब अडाणी की बिजली के बिना भी काम चलाने के लिए क्षमता है।

अडाणी पावर ने पहले ही बकाया बिल के चलते बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति आधी कर दी है। अडाणी पावर के मुताबिक बांग्लादेश पर 846 मिलियन डॉलर, यानी करीब 7200 करोड़ रूपए का बकाया है। अडाणी पावर के इस कदम के बाद बांग्लादेश ने भी अपनी मांग को आधा कर दिया था।

2017 में बांग्लादेश और अडाणी पावर के बीच हुआ ये समझौता 25 साल के लिए हैं। इसके तहत अडाणी पावर झारखंड स्थित पावर प्लांट की 2 यूनिट से बिजली सप्लाई कर रहा है।

भाजपा महिला सांसद बोलीं- राहुल नजदीक आए, धमकाया

एजेंसी, नई दिल्ली।

♦ रिजिजू ने कहा- हम हाथ उठाते तो क्या होता, प्रियंका का आरोप- खड़गे को धक्का देकर गिराया

संसद परिसर में गुरुवार को अंबेडकर विवाद पर भाजपा और विपक्षी सांसदों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। नगालैंड से बीजेपी की सांसद एस फांगनोन कोन्याक ने कहा कि राहुल गांधी मेरे बहुत करीब आकर खड़े हो गए थे। मैं बेहद असहज हो गई थी। राहुल ने मुझे धमकाया। किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा- राहुल ने महिला सांसदों को धक्का दिया। ये शर्मनाक है, हम विश्वास भी नहीं कर पा रहे। ये कुश्ती का अखाड़ा नहीं है। राहुल ने जिस तरह से 2 सांसदों को मारा है, अगर हम भी वैसे ही हाथ उठाते तो क्या होता। हमारे पास संख्या बल ज्यादा है।

संसद के बाहर प्रियंका गांधी ने मीडिया से कहा- भाजपा सांसद गुंडागर्दी कर रहे हैं। अमित शाह की खाल बचाने के लिए भाजपा ने ये साजिश शुरू कर दी है कि राहुल ने किसी को धक्का दिया है। मेरी आंखों के सामने खड़गे जी को धक्का दिया गया। वह जमीन पर गिर गए। इसके बाद भाजपा ने फिर सीपीआई (एम) सांसद को धक्का दिया, जो खड़गे जी पर गिरे। मुझे लगा कि इससे उनका पैर टूट जाएगा। उन्हें चोट लगी है। 82 साल के खड़गे जी के लिए कहीं से कुर्सी लाई गई।

गृह मंत्री अमित शाह के 17 दिसंबर को अंबेडकर पर दिए बयान को लेकर संसद में लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। गुरुवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी नीले कपड़े पहनकर पहुंचे। लोकसभा-राज्यसभा में भी विपक्ष ने हंगामा किया। कांग्रेस की मांग है कि गृह मंत्री माफी मांगें।

गडकरी बोले-महिलाएं बढ़ीं तो पुरुषों को 2 पत्नियां रखनी पड़ेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली।

लिव इन रिलेशनशिप गलत, समलैंगिक विवाह भी सामाजिक ढांचे को ध्वस्त कर देगा

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक यूट्यूब पॉडकास्ट में कहा कि समाज में लिंगानुपात (सेक्स रेश्यो) का संतुलन जरूरी है। अगर प्रति 1000 पुरुषों पर 1500 महिलाएं होंगी तो पुरुषों को 2 पत्नियां रखने की इजाजत देनी पड़ सकती है। बुधवार को टेलीकास्ट इस शो में गडकरी ने कहा- लिव इन रिलेशनशिप का कॉन्सेप्ट गलत है और यह समाज के नियमों के खिलाफ है। समलैंगिक विवाह भी सामाजिक ढांचे को ध्वस्त कर देगा। गडकरी ने कहा कि बच्चे पैदा करना और उनका सही तरीके से पालन-पोषण करना माता-पिता का कर्तव्य है। अगर आप कहते हैं कि आपने मजे के लिए बच्चे पैदा किए हैं और जिम्मेदारी नहीं उठाना चाहते तो यह सही नहीं है।

गडकरी बोले- यूरोपीय देशों में लोग शादी में रुचि नहीं रखते

गडकरी ने कहा- एक बार मैंने लंदन में ब्रिटिश संसद का दौरा किया था। इस दौरान मैंने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से उनके देश के सामने खड़े सबसे बड़े मुद्दों के बारे में पूछा था। तब मुझे पता चला कि यूरोपीय देशों में सबसे बड़ी समस्या यह है कि पुरुष-महिलाएं शादी में रुचि नहीं रखते और लिव इन रिलेशनशिप को प्राथमिकता देते हैं।

भारत में सेक्स रेश्यो के आंकड़े क्या कहते हैं: 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएं हैं। 2021 में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

कोच राजकुमार शर्मा ने किया कन्फर्म

भारत जल्दी ही छोड़ देंगे विराट कोहली

नईदिल्ली, एजेंसी। अब तक विराट कोहली हर बड़े टूर्नामेंट और सीरीज के बाद लंदन समय बिताने जाते थे. लेकिन, अब वो अपने परिवार के साथ भारत छोड़कर वहीं बस जाएंगे.

ऐसा बहुत जल्दी ही होने वाला है, जिसके बारे में विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कन्फर्मेशन दी है. फिलहाल, विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेल रहे हैं, जहां पत्नी अनुष्का भी उनके साथ हैं. कोच राजकुमार शर्मा ने एक इंटरव्यू में बताया कि विराट, पत्नी अनुष्का और दोनों बच्चों के साथ लंदन में जाकर ही बस जाएंगे. कोच राजकुमार शर्मा से इंटरव्यू में सवाल हुआ कि क्या विराट कोहली हमेशा के लिए भारत छोड़ने और लंदन में बसने की योजना बना रहे हैं? इसका जवाब देते हुए कोहली के बचपन के कोच ने कहा कि हां, विराट ऐसी योजना बना रहे हैं औरबहुत जल्दी ऐसा होता भी दिखेगा.

परिवार के साथ लंदन में बसेंगे

कोहली के संन्यास लेने पर राजकुमार शर्मा ने क्या कहा?

राजकुमार शर्मा से विराट कोहली के संन्यास को लेकर भी सवाल किया गया? उनसे पूछा गया कि क्या विराट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद रिटायरमेंट का फैसला करेंगे?

इस पर राजकुमार शर्मा ने कहा कि नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा. विराट अभी काफी फिट हैं. उनकी उम्र भी अभी इतनी नहीं हुई है. वो अभी 5 साल और क्रिकेट खेल सकते हैं. उन्होंने कहा कि विराट जब 10 साल का भी नहीं था मैं तब से उसे जानता हूं. उसमें अभी काफी क्रिकेट बची है.

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली का प्रदर्शन

विराट कोहली फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेल रहे हैं. सीरीज के पहले 3 टेस्ट में उनके बल्ले से बड़ी पारी के तौर पर बस 1 शतक निकला है. उन्होंने पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन जड़े थे. इस एक शतक के साथ 3 टेस्ट की 5 पारियों में उन्होंने 126 रन बनाए हैं.

भारत की सबसे अनोखी गोल्फ लीग कुतुब गोल्फ लीग में 10 टीमें शामिल होंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे अनोखी गोल्फ़ लीग, जिसे कुतुब गोल्फ़ लीग (क्यूजीएल) का नाम दिया गया है, 4 जनवरी, 2025 को भारत के पहले सार्वजनिक गोल्फ़ कोर्स में शुरू होगी। कुतुब गोल्फ़ कोर्स अपने पहले संस्करण में इस अनोखे आयोजन की मेज़बानी करेगा। अमित खरबंदा और सामंत सिक्का द्वारा प्रवर्तित गेम ऑफ़ लाइफ़ स्पोर्ट्स (जीओएलएस) की एक सोची-समझी पहल, क्यूजीएल का लक्ष्य भारत में सबसे रोमांचक और मनोरंजक गोल्फ़ लीग में से एक बनाना है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, उन्होंने दिगराज गोल्फ़ इंक. (डीजीआई) के साथ साझेदारी की है, जिन्होंने भारत में अन्य गुणवत्तापूर्ण लीगों को सफलतापूर्वक क्यूरेट और डिलीवर किया है। अपने उद्घाटन वर्ष में लीग में 3 खेल दिवस, 2 ज्ञान साझा करने वाली मास्टरक्लास और कई मनोरंजक सामाजिक शामें शामिल होंगी।

लीग टीम चैम्पियनशिप प्रारूप में खेली जाएगी जिसमें 8-10 टीमें भाग लेंगी। प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होंगे, जिनमें से 12 को मालिक द्वारा चुना जाएगा और शेष चार को बाद में होने वाली नीलामी के माध्यम से खरीदा जाएगा। इस प्रकार कुल 160 खिलाड़ी क्यूजीएल में भाग लेंगे। 4 जनवरी को शुरुआती दौर के अलावा, अन्य खेल तिथियां 1 फरवरी और 1 मार्च 2025 होंगी। लीग गोल्फ़र की हर श्रेणी को प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करेगी।

बिहार की गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में जीता स्वर्ण पदक

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के नालंदा की गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में आयोजित विश्व एबिलिटी स्पोर्ट्स युवा खेलों में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इस बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा।

गोल्डी कुमारी की इस शानदार सफलता से ना सिर्फ बिहार का सम्मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के दूसरे खिलाड़ियों का मनोबल भी काफी बढ़ा है। पिछले वर्ष के अविस्मरणीय विश्व खेलों के बाद, प्रथम विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल एक से सात दिसंबर 2024 तक थाईलैंड में आयोजित किए गए जिसमें एथलेटिक्स, बोशिया, पावरलिफ्टिंग और टेबल टेनिस का खेल कार्यक्रम आयोजित किया गए। बिहार सरकार खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले माह नवम्बर में भारतीय महिला हॉकी टीम ने राजगीर हॉकी स्टेडियम में चीन को 1-0 से हराकर बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब अपने नाम किया था। बिहार का यही राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब 2025 में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

अश्विन के संन्यास पर भावुक हुए पिता ने दिया बड़ा बयान

मेरा बेटा कब तक बेइज्जती बर्दाश्त करता...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा टेस्ट के बाद संन्यास का ऐलान कर दिया। अश्विन के अचानक संन्यास लेने के बाद कई सवाल खड़े हुए। किसी को भी इसका कारण समझ नहीं आ रहा था। हालांकि अश्विन के भारत लौटने पर उनके पिता ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अश्विन की बेइज्जती हो रही थी और वह इसे लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकते थे।

अश्विन के पिता को आखिर में पता चला बेटे का फैसला: अश्विन के पिता रविचंद्रन ने कहा कि उन्हें भी आखिरी समय पर संन्यास के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, 'हमें भी आखिरी मिनट ही पता चला।

मुझे नहीं पता उसके दिमाग में क्या चल रहा था। उसने बस फैसला सुना दिया। मैंने उसे मान लिया। इसे लेकर मेरी कोई भावना नहीं है। हालांकि जिस तरह उसने संन्यास लिया उससे मेरा एक मन खुश था वहीं दूसरा मन चाहता था कि वह खेलता रहे।'

अपमान के कारण अश्विन ने लिया संन्यास: अश्विन के पिता ने माना कि शानदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अश्विन को लगातार प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला जो कि इस खिलाड़ी का अपमान था। उन्होंने कहा, 'संन्यास लेना अश्विन की इच्छा थी। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। हालांकि जिस तरह उसने संन्यास लिया उसके कई कारण हो सकते हैं। सिर्फ अश्विन ही जानता है। शायद उसकी जो बेइज्जती हुई वह कारण हो सकता है।'

अश्विन के पिता का बड़ा आरोप: रविचंद्रन ने कहा कि उनका परिवार इस समय काफी भावुक है। हालांकि अश्विन भी लंबे समय तक अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, 'बेशक हमारा परिवार भावुक है। वह 14-15 साल तक मैदान पर रहा।

अचानक हुए बदलाव ने हमें हैरान किया है। लेकिन साथ ही हमें पता भी था कि जिस तरह उसकी बेइज्जती हो रही है ऐसा फैसला कर सकता है। वह कब तक इतनी बेइज्जती बर्दाश्त करता। शायद उसने खुद ही फैसला कर लिया।'

अश्विन के पिता ने यह भी बताया कि बेटे की सफलता में उन्होंने कोई बड़ा रोल नहीं निभाया। उन्होंने कहा, 'मैं उसे बाईक पर प्रैक्टिस के लिए छोड़ता था। मैं क्रिकेट में ज्यादा नहीं घुसा।

मैंने उसे क्रिकेट और पढ़ाई दोनों पर ध्यान देने को कहा। मैं सिर्फ घर पर इस बारे में बात करता था। बाकी सब उसने खुद किया। खेल को लेकर उसकी समझदारी में मेरा कोई नहीं है।'

मेलबर्न एयरपोर्ट पर मचा बवाल

विराट कोहली की महिला से जमकर बहस

नईदिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में हैं जहां वो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेल रहे हैं. गाबा टेस्ट खत्म होने के बाद टीम इंडिया अब मेलबर्न पहुंच चुकी है और वहां पहुंचते ही विराट कोहली एक बड़े विवाद में फंस गए हैं. दरअसल मेलबर्न पहुंचते ही विराट कोहली की एक महिला पत्रकार से बहस हो गई. विराट कोहली एयरपोर्ट पर काफी देर तर महिला रिपोर्टर से बहस करते रहे. अब सवाल ये है कि आखिर क्यों विराट कोहली महिला पत्रकार पर गुस्सा हुए? दरअसल ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों ने विराट कोहली के बच्चों की तस्वीर खींच ली जिसके बाद ये दिग्गज खिलाड़ी भड़क गया. विराट कोहली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो महिला पत्रकार से बातचीत कर रहे हैं. विराट बातचीत करते हुए काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं. इसके बाद विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों को कहा कि आप लोग मेरी इजाजत के बिना मेरे बच्चों की फोटो नहीं खींच सकते हैं. दावा है कि उनके बच्चों की कोई फोटो क्लिक नहीं की गई ना ही उनका वीडियो बनाया गया. विराट कोहली ने सभी को कहा कि उन्हें प्राइवेसी की जरूरत है और उनकी इजाजत के बिना कोई उनका वीडियो नहीं बना सकता.

विराट कोहली की ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों और फोटो जर्नलिस्ट से बहस का मुद्दा पूरे ऑस्ट्रेलिया में छा गया है. ऑस्ट्रेलियाई मीडिया विराट कोहली का आलोचना कर रही है. वैसे विराट और ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के संबंध हमेशा से ही अच्छे नहीं रहे हैं. अपने पहले दौरे पर भी वो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से उलझ गए थे. लेकिन इस बार मुद्दा कुछ अलग है.

फुटबॉल अवार्ड्सः

विनिसियस जूनियर और बोनमाटी को फीफा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दोहा , एजेंसी। रौड्री पांच अंक से विनिसियस से पिछड़ गए। ब्राजील के फॉरवर्ड विनिसियस फीफा के समारोह में पुरस्कार लेने पहुंचे थे। रियल मैड्रिड के स्टार विनिसियस जूनियर को फीफा 'द बेस्ट' पुरस्कार में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी चुना गया जबकि बार्सिलोना की ऐटाना बोनमाटी ने महिला वर्ग में पुरस्कार जीता। 24 वर्ष के विनिसियस को पछाड़कर अक्तूबर में मैनचेस्टर सिटी के रौड्री ने बलोन डिओर जीता था। इसके विरोध में विनिसियस और मैड्रिड टीम ने पेरिस में पुरस्कार समारोह में भाग ही नहीं लिया था।

इस बार रौड्री पांच अंक से विनिसियस से पिछड़ गए। ब्राजील के फॉरवर्ड विनिसियस फीफा के समारोह में पुरस्कार लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरू करूं। लगा नहीं था कि यहां तक पहुंच सकूंगा। मैं गरीबी और अपराध के लिए बदनाम साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पैर सड़क पर फुटबाल खेला करता था। यहां तक पहुंचना मेरे लिए काफी अहम है। मैं उन बच्चों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं जिन्हें लगता है कि सब कुछ असंभव है।

स्पेन की मिडफील्डर बोनमाटी ने लगातार दो साल बलोन डिओर जीतने के बाद यह पुरस्कार जीता। उन्होंने कहा, जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं कि यह टीम प्रयासों से मिला है। यह साल बहुत शानदार रहा। मैं अपने क्लब, साथी खिलाड़ियों और सभी को धन्यवाद देती हूं। दोनों पुरस्कारों के लिए 11 खिलाड़ियों को नामित किया गया था जिसके बाद मौजूदा कप्तानों, कोचों, प्रशंसकों और मीडिया के वोट से विजेता का चयन हुआ। इसके लिए 21 अगस्त 2023 से 10 अगस्त 2024 के प्रदर्शन को आधार रखा गया।

फुटबॉलः

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता, कोच कार्लो एंसेलोटी ने बनाया रिकॉर्ड

लुसैल (कतर), एजेंसी। रियल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता।

इससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्राफियां जीतने वाले कोच बन गए। रियल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज़ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया।

किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया। इससे पहले उसने 1960, 1998 और 2002 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। आर्सेनल, न्यूकैसल और लिवरपूल ने बुधवार को अपने-अपने मैच जीतकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गेब्रियल जीसस की हैट्रिक की मदद से आर्सेनल ने क्रिस्टल पैलेस को 3-2 से हराकर 2021-22 सत्र के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया। लिवरपूल ने साउथेम्प्टन को 2-1 से पराजित करके खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। उसकी तरफ से पहले हाफ में डार्विन नुनेज़ और हार्वे इलियट ने गोल किए।

न्यूकैसल ने इटली के मिडफील्डर सैंड्रो टोनाली के पहले हाफ के दो गोल की बदौलत ब्रेंटफोर्ड को 3-1 से हराया और तीन सत्र में दूसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वह 2023 में लीग कप फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड से हार गया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैनचेस्टर यूनाइटेड और टोटेनहम के बीच खेला जाएगा।

रोहित शर्मा का सब्र टूटा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट से पहले मांगी शमी पर अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेला तीसरा टेस्ट भी खत्म हो चुका है. 5 टेस्ट मैचों में से तीन खत्म होने के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर है. मतलब अब बाकी बचे दोनों मुकाबले टीम इंडिया को जीतने होंगे. सिर्फ इसलिए नहीं की सीरीज जीतनी है. बल्कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के टिकट के लिए भी.

भारत को अगले साल डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलना है तो उसके लिए सबसे आसान तरीका ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे दो टेस्ट में जीत से होकर गुजरता है. यही वजह है कि गाबा टेस्ट के खत्म होने के बाद और मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट से पहले रोहित शर्मा, अपनी तरकस के एक बड़े तीर यानी मोहम्मद शमी पर अपडेट मांगते दिखे हैं.

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट से पहले शमी को लेकर एनसीए से अपडेट मांगा है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब सही समय आ गया है. यही सही वक्त है ये जानने का की शमी पर ताजा अपडेट क्या है? भारतीय कप्तान ने कहा कि वो चाहते हैं कि एनसीए से कोई आगे

आकर इस मामले में सटीक जानकारी दे. रोहित ने शमी को लेकर बात ब्रिसबेन में किए प्रेस कॉन्फ्रेंस में की. उन्होंने अपडेट मांगते हुए ये भी बताया कि वो जानते हैं कि शमी फिलहाल घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं. लेकिन साथ ही साथ उनके घुटने से जुड़ी कुछ समस्या भी है. रोहित ने कहा कि आप नहीं चाहते कि कोई खिलाड़ी भारत से ऑस्ट्रेलिया आए और फिर वो इंजरी के चलते मैच के बीच से बाहर हो जाए. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आप सब भी जानते हैं कि उस तरह की सिचुएशन में क्या होता है?

एनसीए देगी क्लीन चिट, तभी खेलेंगे शमी

रोहित ने आगे कहा कि भारतीय टीम ये जरूर चाहती है कि शमी जल्दी वापसी करें लेकिन वो उन्हें लेकर कोई रिस्क लेने के मूड में भी नहीं है. ऐसे में सबकुछ एनसीए के फैसले पर निर्भर करेगा. उन्होंने कहा कि 100 फीसद नहीं हमें पूरे 200 फीसद स्योर होना पड़ेगा तभी हम शमी को खिलाने का चांस ले सकते हैं.

बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाती हैं ये चीजें

खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे अधितर लोग परेशान रहते हैं। कोलेस्ट्रॉल खून में पाया जाने वाला फैट है, जो हार्मोन के उत्पादन और झिल्ली के कामकाज के लिए आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह का होता है अच्छा और खराब। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल है, जो शरीर के लिए जरूरी है लेकिन खराब कोलेस्ट्रॉल शरीर को नुकसान ही करेगा। जब अच्छे कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो शरीर इसे खाने-पीने की अच्छी चीजों की मदद से बनाता है। लेकिन जब खराब कोलेस्ट्रॉल की बात आती है, तो खाने-पीने की कुछ गलत आदतें इसके लिए जिम्मेदार होती हैं। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से क्या होता है? आपको यह बात होनी चाहिए कि खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ने से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल से बचने के उपायों की बात करें, तो रोजाना खाई जाने वाली कुछ चीजें शरीर में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करती हैं जबकि कुछ चीजें बहुत तेजी से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देती हैं। आज हम आपको कुछ कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली पीले रंग की चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका आपको कम सेवन करना चाहिए या फिर नहीं करना चाहिए।

डीप फ्राइड फूड

आजकल बहुत से लोग डीप फ्राई फूड खाना पसंद करते हैं। अक्सर देखा गया है कि लोग चिकन, समोसा, कचौरी, आलो टिक्की जैसी डीप फ्राई चीजों का खूब सेवन किया जाता है। जाहिर है इन चीजों में तेल का अधिक इस्तेमाल किया जाता है जिस वजह से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है।

घी और मक्खन

घी या मक्खन के बिना भारतीय खाना अधूरा है। मक्खन, देसी घी, पनीर, पाम ऑयल और नारियल के तेल जैसी चीजों में सैचुरेटेड फैट की मात्रा अधिक होती है और इनका सेवन कम किया जाना चाहिए। खाना पकाने के लिए जैतून का तेल, चावल की भूसी का तेल, मूंगफली का तेल, सूरजमुखी का तेल और अन्य वनस्पति तेल का उपयोग करें।

जलेबी जैसी मिठाई

भारतीय मिठाइयों में चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जलेबी, छेना मिठाई, गुलाब जामुन और कई अन्य गहरी तली हुई मिठाइयों में तेल और चीनी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। जाहिर है यह दोनों चीजें कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करती हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे की जर्दी में किसी भी भोजन का सबसे अधिक कोलेस्ट्रॉल 1234 एमजी प्रति 100 ग्राम या दैनिक मूल्य का 411% होता है। एक अंडे की जर्दी 210 एमजी कोलेस्ट्रॉल प्रदान करेगी, जबकि पूरा अंडे केवल 212 एमजी प्रदान करता है। इस प्रकार अंडे में सबसे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल जर्दी में पाया जाता है।

फास्ट फूड

फास्ट फूड, कोलेस्ट्रॉल से भरे होते हैं। पिज्जा, बर्गर और फ्रेंच फ्राई जैसी चीजों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होती है। इन चीजों को बनाने के लिए तेल, मक्खन, और चीज जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता हिया जिसमें कोलेस्ट्रॉल अधिक पाया जाता है।

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है पोटेशियम

शरीर को तोड़ देती है इसकी कमी

पोटेशियम की कमी शरीर को तोड़कर रख सकती है, यह तत्व नर्वस सिस्टम और शरीर में तरल पदार्थों को कंट्रोल करने में सहायक है, जानिए शरीर में पोटेशियम की कमी दूर करने के लिए क्या खाना चाहिए।

अगर आपको हमेशा थकान, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, कब्ज या बार-बार पेशाब आना जैसी समस्याएं रहती हैं, तो यह संकेत है कि आपके शरीर में पोटेशियम की भारी कमी हो गई है। प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन की तरह भी एक जरूरी पोषक तत्व है, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, पोटेशियम को इलेक्ट्रोलाइट के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसमें एक छोटा इलेक्ट्रिक चार्ज है, जो सेल्स और नर्व फंक्शन को एक्टिव करता है। पोटेशियम का काम शरीर में कोशिकाओं के अंदर मौजूद तरल पदार्थ के लेवल को बनाए रखना है।

ध्यान रहे कि सोडियम कोशिकाओं के बाहर तरल पदार्थ का लेवल बनाए रखता है। पोटेशियम मांसपेशियों के संकुचन को कंट्रोल करने और ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने का भी काम करता है।

शरीर को रोजाना कितने पोटेशियम की जरूरत

14-18 वर्ष की लड़कियों को रोजाना 2,300 मिलीग्राम, महिलाओं को 2,600 मिलीग्राम और गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 2,500-2,900 मिलीग्राम पोटेशियम की जरूरत होती है। इसी तरह 14-18 वर्ष की आयु के युवाओं को 3,000 मिलीग्राम जबकि पुरुषों को 3,400 मिलीग्राम पोटेशियम चाहिए।

पोटेशियम की कमी के लक्षण

- कमजोरी
- थकान महसूस करना
- मांसपेशियों में ऐंठन
- बेचैनी या उलझन
- कब्ज की शिकायत रहना
- दिल की धड़कन अनियमित होना
- झुनझुनी या सुन्नता
- बार-बार पेशाब आना

पोटेशियम के फायदे

पोटेशियम रोजाना खाए जाने वाले कई खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। अगर आप पोटेशियम से भरपूर चीजों का सेवन करते हैं, तो संभव है कि आपको नीचे बताई स्वास्थ्य समस्याओं से बचने में मदद मिल सकती है-

- ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक
- स्ट्रोक के खतरे को कम करता है पोटेशियम
- ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है
- पेशाब में कैल्शियम कम करके किडनी की पथरी से बचाने में सहायक
- शरीर में जमा अतिरिक्त तरल पदार्थों को हटाकर Water Retention से बचाने में सहायक

पोटेशियम की कमी से नुकसान

दिमाग कमजोर होना और उसका कामकाज प्रभावित होना
हाई ब्लड शुगर की समस्या
मांसपेशियों का कमजोर होना और उनकी ताकत कम होना
सांस लेने में दिक्कत
अनियमित दिल की धड़कन

पोटेशियम रिच फूड्स

- ड्राई फरूट्स (किशमिश, खुबानी)
- बीन्स, दाल
- आलू
- पालक
- ब्रोकोली
- केले
- खरबूजा
- संतरे का रस
- नारियल पानी
- टमाटर
- सोया और बादाम का दूध
- दही
- काजू, बादाम
- चिकन
- सैमन मछली

पोटेशियम शरीर के लिए क्यों जरूरी है?

पोटेशियम इलेक्ट्रोलाइट की तरह कम करता है और इसका सबसे बड़ा काम शरीर की कोशिकाओं के अंदर तरल पदार्थों को कंट्रोल करना है। यह नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाए रखने में सहायक है। खून में पोटेशियम की कमी होने से शरीर की तंत्रिका आवेग उत्पन्न करने की क्षमता को प्रभावित हो सकती है। पोटेशियम का लेवल कम होने से नर्वस सिस्टम का संकेत भेजने का काम प्रभावित हो सकता है और इसकी कमी से मांसपेशियों का संकुचन कमजोर हो सकता है।

हार्ट अटैक-कैंसर से बचाने वाला मसाला है सौंफ

सौंफ का इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। काफी लोग इसे खाने के बाद माउथ फ्रेशनर की तरह भी खाते हैं। लेकिन क्या सौंफ का रोल सिर्फ इतना ही है? बिल्कुल नहीं। सौंफ का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। सौंफ के अंदर कई सारे गुण होते हैं, जो पाचन के बाद खून में घुलकर अलग-अलग काम करते हैं। विभिन्न रिसर्च के मुताबिक, इस मसाले से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव किया जा सकता है। आइए इसके पीछे की पूरी प्रक्रिया जानते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद है सौंफ

सौंफ के अंदर फाइबर होता है, जिसे कई रिसर्च में दिल के लिए लाभदायक पाया गया है। रिसर्च के अनुसार हाई फाइबर डाइट को दिल की बीमारी का खतरा कम करने वाला पाया गया है।

कई तरह के कैंसर से बचाव

Anethole सौंफ का मुख्य कंपाउंड है, जिसमें कैंसर से लड़ने वाले गुण देखे गए हैं। एक टेस्ट ट्यूब स्टडी में इस कंपाउंड को ब्रेस्ट कैंसर की सेल्स के विकास को रोकने में मददगार पाया गया है। जिस वजह से इस मसाले को कैंसर के बचाव में महत्वपूर्ण माना गया है।

वेट लॉस में आ सकती है काम

अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो खाने में सौंफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि, यह मसाला भूख को दबाने का काम करता है। जिससे आप कैलोरी इनटेक कंट्रोल कर पाते हैं। आप सौंफ की चाय का सेवन भी कर सकते हैं।

मिलते हैं कई सारे न्यूट्रिएंट

सौंफ के अंदर सिर्फ फाइबर और प्लांट कंपाउंड ही मौजूद नहीं है। बल्कि यह अन्य जरूरी विटामिन और मिनरल्स की सप्लाई भी करती है। इसके सेवन से विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैंगनीज आदि पा सकते हैं।

ये फायदे भी कर लें याद

- बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाव
- इंफ्लामेशन से बचाव
- मेंटल हेल्थ के लिए बढ़िया
- मेनोपॉजल सिंप्टम्स से राहत

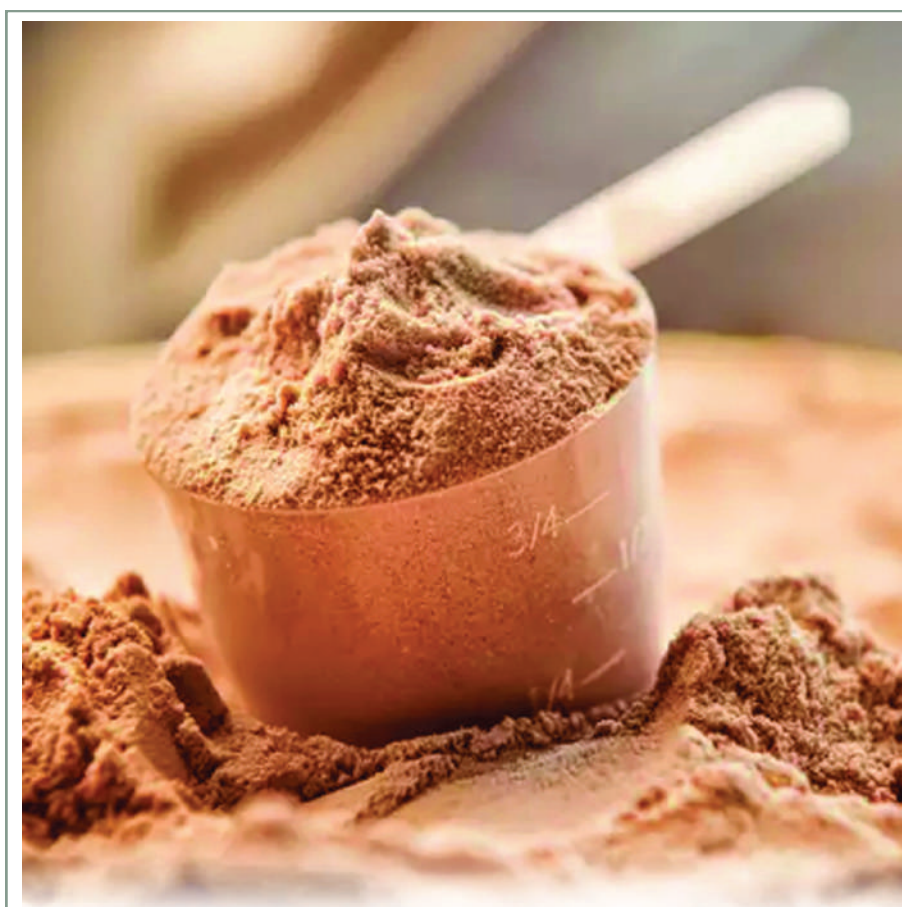

आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है प्रोटीन पाउडर

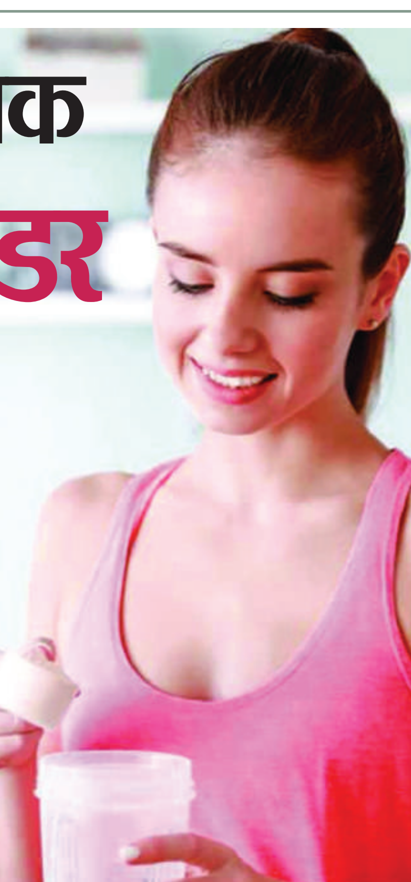

प्रोटीन मसल्स के लिए बहुत जरूरी होता है। यह मैक्रो न्यूट्रिएंट कई अमिनो एसिड से मिलकर बनता है, जो मांसपेशियों को विकसित करने में मदद करता है। इसलिए सभी एक्सपर्ट हर दिन डाइट में प्रोटीन फूड शामिल करने की सलाह देते हैं। बॉडी बिल्डिंग या जिम जाने वाले लोगों को प्रोटीन की अधिक जरूरत होती है। इसे पूरा करने के लिए वो प्रोटीन पाउडर का सहारा लेते हैं। यह सप्लीमेंट फिटनेस गोल को पाने में मदद करता है और जरूरी मात्रा प्रदान करता है। लेकिन क्या यह आपके पेट के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

गैस, पेट फूलना, क्रैम्प

इन पाउडर को बनाने में डेयरी या प्लांट बेस्ड प्रोटीन का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों का पाचन तंत्र इन्हें पचाने में काफी मुश्किलों का सामना करता है। जिसकी वजह से गैस, पेट फूलना और पेट में क्रैम्प की दिक्कत हो सकती है।

गट बैक्टीरिया में असंतुलन

कई प्रोटीन पाउडर के अंदर आर्टिफिशियल स्वीटनर, फ्लेवर और कलर होते हैं, जो गट हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हैं। ये चीजें पेट में मौजूद हेल्दी गट बैक्टीरिया को असंतुलित कर सकती हैं और पाचन को खराब कर सकती हैं।

बढ़ा सकती हैं ब्लड शुगर

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए खूब सारी शुगर का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सेवन इंसुलिन को तेजी से बढ़ाता है और वजन बढ़ाता है। इससे डायबिटीज का जोखिम बढ़ सकता है।

हो सकते हैं जहरीले पदार्थ

डॉ. ने क्लीन लेवल प्रोजेक्ट की हालिया रिसर्च का हवाला देते हुए बताया कि कुछ प्रोटीन पाउडर में लेड, आर्सेनिक और कीटनाशक जैसे टॉक्सिक प्रॉडक्ट हो सकते हैं, जो आपके पेट को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024

थेरी का सीन-दर सीन रीमेक नहीं है बेबी जॉन

वरुण धवन कील्स द्वारा निर्देशित बेबी जॉन के जरिए दर्शकों के बीच तहलका मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये एक्शन-थ्रिलर क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। क्योंकि, फिल्म एटली कुमार द्वारा सह-निर्मित है, इसलिए वरुण धवन के प्रशंसकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि अपकमिंग फिल्म एटली की 2016 में रिलीज हुई फिल्म थेरी का आधिकारिक रीमेक हो सकती है। इस फिल्म में थलापति विजय लीड रोल में नजर आए थे। इन दावों पर अब वरुण धवन ने भी प्रतिक्रिया दी है।

क्या थेरी का रीमेक है बेबी जॉन?

बेबी जॉन को थेरी का रीमेक बताने वाले दावों का खंडन करते हुए अब वरुण आगे आए हैं और कहा है कि बेबी जॉन फिल्म का सीन-दर-सीन रीमेक नहीं बल्कि एक एडेप्टेशन है। इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में, वरुण धवन ने कहा कि एटली स्क्रिप्ट के साथ आए थे, जिसमें फिल्म की भूगोल के कारण बहुत कुछ बदलना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग थेरी के किताब-दर-किताब रीमेक की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें निराशा होगी।

आगे क्या बोले वरुण धवन?

वरुण धवन आगे कहते हैं- जब एटली यह फिल्म लेकर आए तो इसके पीछे एक कारण था और उन्होंने कहा कि हमें फिल्म का में बहुत कुछ बदलना पड़ा। उन्होंने कहा, हमें इसे एक एडाप्टेशन के रूप में उपयोग करना होगा न कि एक रीमेक के रूप में और मुझे लगता है कि हमने यही किया है। जैसा कि आप देख रहे हैं, बहुत सारे फ्रेम और कहानी के बहुत सारे एंगल्स अलग-अलग हैं। इसलिए, अगर कोई बुक बाय बुक रीमेक की उम्मीद कर रहा है, तो वे निराश होंगे क्योंकि फिल्म वह नहीं है। यह एक एडाप्टेशन है। हम उससे भाग नहीं रहे हैं, बल्कि यह एक सच में फिल्म से प्रेरित है।

फिल्म के बारे में

फिल्म में वरुण धवन के अलावा वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। फिल्म में वरुण धवन ने सत्या वर्मा का किरदार निभाया है जो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है। वह अपनी मौत का नाटक करता है और एक व्यक्तिगत दुखद घटना के बाद अपनी बेटी खुशी की परवरिश के लिए अंडरग्राउंड हो जाता है।

फूल के किरदार के लिए दीपिका-आलिया ने की थी मदद

लापता लेडीज में फूल बनकर दर्शकों के दिलों में पहचान बनाने वाली नितांशी गोयल ने कम उम्र में ही वह कामयाबी हासिल कर ली है, जिसका सपना हर कलाकार देखता है। कमसिन उम्र और करियर की शुरुआत में ही नितांशी के कदमों को सफलता ने इस कदर चूमा है कि उनके नाम की गूंज अब हॉलीवुड में भी सुनने को मिल रही है, लेकिन क्या आपको पता है कि लापता लेडीज में फूल के किरदार के लिए नितांशी को बॉलीवुड की इन दो अभिनेत्रियों की मदद मिली थी?

नितांशी ने ऐसे शूट किया था पहला सीन

हाल ही में, जूम के साथ एक साक्षात्कार में नितांशी ने लापता लेडीज के पहले सीन की शूटिंग को याद किया और बताया कि पहले दृश्य की शूटिंग के वक्त वह काफी डरी हुई थीं। अभिनेत्री ने कहा, पहला सीन काफी इमोशनल था और इमोशनल सीन मेरी मजबूती है। मैंने खुद से कहा कि अगर इसे अच्छे से नहीं किया तो नाक कट जाएगी क्योंकि रोना मेरे अभिनय का मजबूत पक्ष है। अगर मैं आपके सामने रोती हूं तो सब कहते हैं कि मैं एक अच्छी अभिनेत्री हूं।

दीपिका-आलिया ने ऐसे की थी मदद

नितांशी ने आगे बताया, किरण राव ने मुझपर काफी भरोसा किया था और मैं उनके भरोसे को तोड़ना नहीं चाहती थी। इसलिए शूटिंग से पहले मैंने रातभर गूगल पर दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के रोने वाले सीन को सर्च किया। फिर सुबह मैंने दो-तीन इमोशनल सॉन्ग सुने और खुद को सीन के लिए तैयार कर लिया था।

बड़ी और बेहतर होगी हीरामंडी 2

2024 में वेब सीरीजों में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हीरामंडी को लेकर यह समाचार आ रहे हैं कि संजय लीला भंसाली जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि कहा यह जा रहा है कि भंसाली इन दिनों अपनी फिल्म लव एण्ड वॉर को पूरा करने में लगे हैं, उसके बाद ही वह हीरामंडी 2 पर काम शुरू करेंगे। फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी - द डायमंड बाजार' इसी साल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसकी लोकप्रियता का आलम यह था कि यह सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेब सीरीज में से एक बन गई। एक्ट्रेस संजीदा शेख ने भी इसमें अहम रोल किया था। उन्होंने 'हीरामंडी' के अगले पार्ट को लेकर उत्साह दिखाया है। संजीदा ने कहा कि मुझे यकीन है कि 'हीरामंडी 2' बड़ी और बेहतर होगी। मुझे नहीं पता कि हम शूटिंग कब शुरू करेंगे, लेकिन जब संजय लीला भंसाली सर की बात आती है, तो यह ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह हो जाता है। मैं कोई शो देखती थी, जहां कुछ कलाकार आते थे और कहते थे कि उन्हें 'भंसालीफाइड' कर दिया गया है और मुझे आश्चर्य होता था कि मेरी बारी कब आएगी। अब जब मैं अपनी मीटिंग के लिए जाती हूं तो मेकर्स तारीफ करते हैं कि मैं कितनी अच्छी परफॉर्मर हूं। मुझे काफी अच्छा फील होता है, क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा काम खुद बोलना चाहिए। बता दें जून में रिलीज हुई 'हीरामंडी' में संजीदा ने 'वहीदा' का किरदार निभाया था। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा, फरदीन खान, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन सहित कई सितारे नजर आए थे।

संजय लीला भंसाली सर का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे ताजदार का किरदार सौंपा

द डायमंड बाज़ार में ताहा शाह बदुशा के नवाब, ताजदार बलूच के किरदार ने उन्हें शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। यह सीरीज़ 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय वेब सीरीज़ की सूची में नंबर 1 पर पहुंच गई है और दुनिया भर में टॉप 5 टीवी शो में शुमार हो गई है। इसके अलावा, यह गूगल की 2024 के सबसे सर्च किए गए कंटेंट की लिस्ट में भी शामिल है, जो न केवल शो की बड़ी सफलता को दर्शाता है, बल्कि ताहा के प्रदर्शन के शानदार आकर्षण को भी दर्शाता है। ताजदार बलोच का किरदार एक फेनोमिनन बन गया है, जिससे ताहा हर लड़की का ड्रीम क्रश और नया नेशनल हार्टथ्रोब बन गए हैं। उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि वे अब सोशल मीडिया पर एक सर्टिफाइड सेंसेशन बन चुके हैं, जहां प्रशंसक उनके लिए समर्पित पेज और फैन आर्ट बना रहे हैं। प्रसिद्ध निर्देशक संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी ने अपनी जटिल कहानी और शानदार दृश्यों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, ताहा ने कहा, मैं संजय लीला भंसाली सर का बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया।

क्या वाकई घर बसाने जा रही हैं कृति?

तेज हुई शादी की अफवाह

अभिनेत्री कृति सेनन ने इस साल फिल्म दो पत्ती से बतौर निर्माता डेब्यू किया है। इसमें उन्होंने काजोल के साथ अभिनय भी किया। फिल्म और अभिनय के साथ-साथ कृति इस वक्त अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर वे कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों के अफेयर की खबरों के बीच इनकी शादी की अफवाह फैल रही हैं।

शादी समारोह में साथ नजर आए

कबीर बहिया के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच हाल ही में कृति सेनन उनके साथ एक शादी समारोह में शामिल हुईं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शादी कबीर के किसी करीबी रिश्तेदार की थी, जिसमें कृति ने भी शिरकत की। यह शादी दुबई में आयोजित हुई। शादी से अभिनेत्री की एक तस्वीर सामने आई है। इसे स्नेहकुमार नाम के यूजर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

क्या अगले साल शादी की तैयारी?

इस शादी समारोह में महेंद्र सिंह धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ पहुंचे। धोनी के एक फैन पेज से भी इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें कृति भी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद दावा किया जा रहा है कि कृति और कबीर एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। कहा तो ये भी किया जा रहा है कि दोनों अगले साल शादी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इन खबरों की पुष्टि नहीं हुई है।

कृति तोड़ चुकी हैं डेटिंग की खबरों पर चुप्पी

कृति सेनन और कबीर इससे पहले भी कई बार साथ नजर आ चुके हैं। इससे पहले कबीर के साथ अपनी डेटिंग और शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ते हुए कृति ने कहा था कि वे अभी शादी करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने इस तरह की खबरों को परेशान करने वाला बताया। फिलहाल एक बार फिर चर्चाएं तेज होने पर कृति क्या प्रतिक्रिया देती हैं, देखना दिलचस्प होगा।

कौन हैं कबीर बहिया

कबीर बहिया बिजनेसमैन हैं। वे यूके में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे यूके स्थित ट्रैवल एजेंसी साउथहॉल ट्रैवल के संस्थापक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं। कृति के जन्मदिन पर भी कबीर के साथ उनकी फोटो वायरल हुई थी। कहा गया कि कृति ने अपना जन्मदिन कबीर के साथ ही मनाया।

जान्हवी कपूर ने भाई अर्जुन को कहा थेरेपिस्ट

करना चाहते हैं साथ में फिल्म

अर्जुन कपूर का अपनी कजिन बहन जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ रिश्ता काफी अच्छा है। उनका यह भाई-बहन का खास रिश्ता समय के साथ और भी गहरा होता गया। वे अक्सर एक-दूसरे के अभिनय की प्रशंसा करते और उनका हौसला बढ़ाते नजर आए हैं। इसी बीच जान्हवी का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जान्हवी ने अर्जुन को थेरेपिस्ट बुलाया है और अब जान्हवी के थेरेपिस्ट बुलाने पर अर्जुन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इन दिनों सिंघम 3 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अर्जुन प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल लाइफ, सभी में लोगों की मदद करते रहते हैं, खास तौर पर अपनी बहनों के लिए वह काफी सहायक भाई हैं। सिर्फ जान्हवी कपूर और खुशी ही नहीं बल्कि अर्जुन अपनी सभी बहनों अंशुला कपूर और शनाया कपूर के लिए भी एक सहायक भाई हैं। अर्जुन के सहायक स्वभाव की वजह से ही जान्हवी ने एक बार उन्हें सभी कपूर बहनों का थेरेपिस्ट कहा था। अब, अर्जुन ने जान्हवी की इस बात पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, अर्जुन कपूर से जब पूछा गया कि उनकी बहनें उन्हें थेरेपिस्ट क्यों कहती हैं तो इस पर अर्जुन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एक बड़ा बयान है वह अपनी बहनों से बड़े हैं और इसलिए उनके पास अधिक अनुभव है। वह स्थिति को समझने और अपना दृष्टिकोण देने की परिपक्वता रखते हैं। आगे अर्जुन कपूर ने कहा, मैं थोड़ा नाप-तोल के लोगों को एक दृष्टिकोण दे सकता हूं। अर्जुन कपूर का कहना है कि जब भी वह किसी समस्या में फंस जाती हैं तो वह अपनी बहनों को सिक्के के दोनों पहलुओं के बारे में बताते हैं और यह उन्हें तय करना है कि वे क्या चाहती हैं।

जान्वही के साथ करना चाहते हैं अभिनय

जान्हवी कपूर के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा कि वह उनके साथ काम करने के बारे में बात करते हैं क्योंकि वे एक ही पेशे में हैं। उन्होंने यह भी कहा, आप सुनते हैं, और आप उनसे सीखते भी हैं। अर्जुन ने कहा, आपको एक-दूसरे के लिए वहां रहने की आवश्यकता है, जहां उन्हें आपकी जरूरत हो। हम भाई और बहन हैं, लेकिन हमें अपने गहरे संबंधों को खोजने के लिए एक लंबा सफर तय करना है।

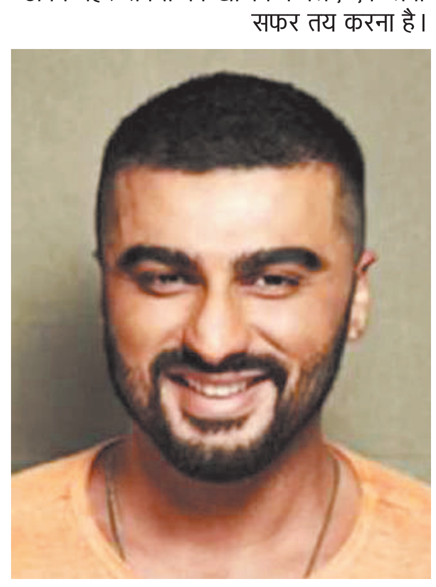

बड़े वेब सीरीज के ऑफर को पवित्रा ने दिखाया ठेंगा, इंटीमेट सीन से किया तौबा

टीवी अभिनेत्री पवित्रा पुनिया बिग बॉस के बाद से ही फैंस के बीच लाइमलाइट में बनी हुई हैं। पवित्रा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों अभिनेत्री ने पूर्व प्रेमी एजाज खान पर उन पर धर्म परिवर्तन करने का आरोप भी लगाया था। हालांकि, अब पवित्रा ने मनोरंजन जगत से खुद को दूर करने की वजह बताई है और बताया है कि क्यों वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नहीं आ रही हैं। पवित्रा ने टेली मसाला के साथ एक इंटरव्यू में कहा, मैं सीरीज में अपने कपड़ों और सीन्स को लेकर ज्यादा कंफर्टेबल नहीं थी, इसलिए मैंने मना कर दिया। पवित्रा ने आगे कहा कि मुझे कुछ सीन्स करने में आपत्ति थी, जो मैं करती तो शायद छा जाती, मैंने बहुत सारे काम छोड़े हैं।